हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

उज्जैन और विदिशा से गुजर रही मानसून की उत्तरी सीमा, जारी रहेगी बारिश

◆ डेढ़ दर्जन जिलों में 50 से 100 मिमी तक बारिश, 40 से अधिक गांव-कस्बों और शहरों में 10 से 48 मिमी बारिश होने से बोबनी की तैयारी शुरू

आज यहां भारी बारिश का अलर्ट

मंगलवार तक बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, पांढुर्ना जिलों में भारी से तेज बारिश होगी। इसके अलावा अगले 24 घंटे में प्रदेश के एक दर्जन से अधिक जिलों में सामान्य से मध्यम बारिश होगी।

खटलापुरा में शाम का दृश्य

भोपाल में बारिश के बाद पारा 3.3 डिग्री गिरकर 32.5 डिग्री रहा जो नॉर्मल से 2.7 डिग्री कम

6 दिन में प्रदेश 'तरबतर'

प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान में बढ़त नौगांव में 5.6 डिग्री की रही, यहां पारा 39 डिग्री दर्ज हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश में मानसून ऑनसेट के बाद भोपाल सहित आधे से अधिक प्रदेश को मानसून ने कवर कर लिया है। सोमवार को मानसून की उत्तरी सीमा प्रदेश के उज्जैन, विदिशा से होकर गुजर रही है। इससे बारिश और आंधी, गरज चमक की गतिविधियां जारी रहेंगी। हालांकि, मानसून अभी सामान्य गति से आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसे पूरे प्रदेश को कवर करने में 5 से 6 दिन लग सकते हैं। अगले दो से 3 दिन में यह दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों को अधिक कवर करेगा। मौसम केंद्र के अनुसार सोमवार तक 24 घंटे में प्रदेश के 17 शहरों और कस्बों में 50 से 100 मिमी तक बारिश हुई है।

मुंबई के मरीन ड्राइव में ऊंची लहरें उठीं

भोपाल में सामान्य वर्षा होगी

मौसम केंद्र के अनुसार आज भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खरगौन, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, अगरमालवा, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, सिंगरौली आदि।

सेंधवा में सर्वाधिक 116 मिमी बारिश

सोमवार तक सेंधवा में सर्वाधिक 116, इछावर 90, अंजड़ 86, जबोट 81, झाबुआ 81, बड़वानी 75, उदयगढ़ 68.3, चांद 62, भगवानपुरा 62, विदिशा 62, राणापुर 61, गुलाना 58 मिमी बारिश दर्ज हुई है। इसके अलावा थारिया 57, हटपिपल्या 54, बड़वाह में 52 मिमी बारिश हुई है। प्रदेश के 40 से अधिक ग्रामीण इलाकों में 10 से 40 मिमी तक बारिश दर्ज होने से किसानों ने धान, सोयाबीन सहित अन्य फसलों की बुबाई की तैयारी शुरू कर दी है।

औसतन डेढ़ डिग्री तक बढ़ा पारा

सोमवार को भी प्रदेश के दो दर्जन से अधिक जिलों में पारा औसतन डेढ़ डिग्री तक बढ़ा है। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान में बढ़त नौगांव में 5.6 डिग्री की रही। यहां पारा 39 डिग्री दर्ज हुआ। इसके अलावा पूर्वी मध्य प्रदेश के सागर को छोड़कर शेष सभी जिलों में पारा चढ़ा है। मलाजखंड, सिवनी, रीवा, खजुराहो, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, गुना, ग्वालियर, नर्मदापुरम, खंडवा और शिवपुरी में पारा 2 से 3 डिग्री तक बढ़ा है। औसत तापमान 38 डिग्री रहा। भोपाल में बारिश के बाद पारा 3.3 डिग्री गिरकर 32.5 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से 2.7 डिग्री कम है। प्रदेश में कहीं भी न तो गर्म रात रही और न ही लू का असर रहा है। मौसम का यही मिजाज बुधवार तक जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर की घोषणा

जबलपुर एयरपोर्ट और मदन महल फ्लाइओवर वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम से जाना जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के तालाबों व जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी प्राथमिकता से करेंगे

जबलपुर सहित प्रदेश में वीरांगना पर प्रतिमाह सांस्कृतिक एवं बौद्धिक आयोजन भी होंगे

वीरांगना रानी दुर्गावती के विविध पक्षों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा

गढ़ में रानी दुर्गावती के नाम पर स्टेडियम के लिए भी भारत सरकार से अनुमति दिलाने का प्रयास भी राज्य शासन से किया जाएगा

यादव ने यहां नरई नाला स्थित समाधि स्थल पहुंचकर पूजा-अर्चना की तथा रानी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती ने न केवल अकबर की सेना को तीन बार परास्त किया, बल्कि सुशासन और जल प्रबंधन के क्षेत्र में भी कई नवाचार करते हुए क्षेत्र को जनोन्मुखी शासन व्यवस्था प्रदान की। उन्होंने घोषणा की कि अब से जबलपुर एयरपोर्ट और मदन महल से होकर गुजरने वाला फ्लाइओवर वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम से जाना जाएगा।

वीरांगना के नाम पर 5 लाख रुपए का पुरस्कार

यादव ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवन, उनके पराक्रम और सुशासन के लिए किए गए नवाचारों को देश-दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से इन्हें पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ-साथ इन विषयों पर सेमिनार भी आयोजित किए जाएंगे। वीरांगना रानी दुर्गावती के विविध पक्षों को सामने लाने के लिए 5 लाख रुपए का पुरस्कार भी घोषित किया गया है। जबलपुर सहित प्रदेश में प्रतिमाह सांस्कृतिक एवं बौद्धिक आयोजन भी होंगे।

कलाकारों को 5-5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि

यादव का समाधि स्थल पर बैगा जनजातीय नर्तक दल ने बैगा नाचा नृत्य से स्वागत किया। जनजातीय नर्तकों ने खुमरी पहनाई। डॉ. यादव भी इस मौके पर कुछ अलग अंदाज में नजर आए। उन्होंने मोहगांव, मंडला से आए इन जनजातीय नर्तकों के साथ मादल की थाप पर नृत्य किया।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को रौंदकर लिया हार का बदला, टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में मारी एंट्री

गयाना: 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताबी मुकाबला हो या फिर वनडे वर्ल्ड कप 2023, 2003 हो, हर मौके पर ऑस्ट्रेलिया ने भारत का दिल तोड़ा था, लेकिन आज जैसे ही भारत ने उसे घुटनों पर लाया यकीन मानिए हर भारतीय क्रिकेट फैन की छाती गर्व से चौड़ी हो गई होगी। टी20 विश्व कप 2024 के सुपर-8 के अहम मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि ऑस्ट्रेलिया अब बाहर होने की कगार पर खड़ा है। उसकी किस्मत बांग्लादेश और अफगानिस्तान के बीच होने वाले मैच पर निर्भर है। भारत ने रोहित की कप्तानी पारी के दम पर 205 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने विध्वंसक आगाज किया। हमेशा दर्द देने वाले ट्रैविस हेड ने ताबड़तोड़ 76 रन ठोके, लेकिन जब वह आउट हुए तो ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों ने भी दम तोड़ दिया।

इससे पहले मिशेल मार्श ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी का न्योता दिया। कप्तान रोहित शर्मा के तूफानी अर्धशतक से भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच विकेट पर 205 रन बनाए। रोहित ने 41 गेंद में सात चौके और आठ छक्के से 92 रन की पारी खेली।

जल्द दीदार कर सकेंगे पर्यटक

मध्यप्रदेश में 'पहली बार' अफ्रीकन जेब्रा का जन्म

>> *जामनगर से पांच माह पहले अफ्रीकन जेब्रा का जोड़ा लाया गया था*

>> *इंदौर के इस चिड़ियाघर में हैं 1300 से ज्यादा वन्यजीव*

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

प्रदेश में पहली बार अफ्रीकन जेब्रा का जन्म हुआ है। इंदौर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय (चिड़ियाघर) में रविवार रात करीब साढ़े 10 बजे अफ्रीकन जेब्रा ने जन्म लिया। एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत जामनगर से पांच माह पहले अफ्रीकन जेब्रा का जोड़ा लाया गया था। चिड़ियाघर के अधिकारियों के मुताबिक बेबी जेब्रा और मां दोनों स्वस्थ हैं। पर्यटक जल्द ही इसके दीदार कर सकेंगे। चिड़ियाघर प्रबंधन के मुताबिक पूरे प्रदेश में जेब्रा सिर्फ इंदौर जू में है, जिनकी संख्या बढ़कर अब तीन हो गई है। चिड़ियाघर क्यूरेटर निहार पारुलेकर ने 'हरिभूमि' को बताया कि अफ्रीकन जेब्रा के जोड़े ने रविवार रात करीब साढ़े दस बजे एक बच्चे को जन्म दिया है। वह रातभर मां के ही पास रहा और सोमवार सुबह तक धीरे-धीरे पैरों पर खड़े होकर चहलकदमी करने लगा है। अफ्रीकन जेब्रा के लिए मुंबई के वीरमाता जीजाबाई भोंसले चिड़ियाघर को प्रस्ताव भेजा था।

भाजपा नेता की हत्या के आरोपी मंडीदीप से पकड़ाए

इंदौर। भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या करने वाले दोनो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस हत्या की वजह पुरानी रंजिश बता रही है, आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। उनके हाथ पैर में चोट भी आई है। पुलिस का कहना है कि पुलिस से बचने के लिए आरोपी भाग रहे थे और गिरने से उन्हें चोट आई है। चिमनबाग में भाजपा नेता मोनू कल्याणे की हत्या के बाद आरोपी अर्जुन पथरोड़ और पीयूष पथरोड़ ने छुपने के लिए अपने एक रिश्तेदार का घर चुना। जिस बाइक पर सवार होकर वे मोनू पर फायर करने आए थे।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला

अब सरोगेसी से मां बनने वाली महिलाओं को 6 महीने की छुट्टी

50 साल पुराने नियम में संशोधन

पैटरनिटी लीव का भी किया प्रावधान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सरोगेसी से मां बनने वाली महिलाओं के लिए अच्छी खबर है। अब सरकारी महिला कर्मचारी सरोगेसी से मां बनने पर भी छह महीने का मातृत्व अवकाश ले सकेंगी। केंद्र सरकार ने इस मामले में 50 साल पुराने नियम में संशोधन कर दिया है। सरोगेसी का मतलब किराए पर ली गई कोख के जरिए बच्चे को जन्म देना होता है। केंद्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियमावली, 1972 में किए गए बदलावों के मुताबिक मां (सरोगेसी के जरिए पालने वाली मां) बच्चे की देखभाल के लिए अवकाश ले सकती है। इतना ही नहीं, पिता 15 दिन का पितृत्व अवकाश ले सकता है। केंद्र सरकार की तरफ से जारी अधिसूचना के अनुसार सरोगेसी के जरिए बच्चों को जन्म देने वाली मां और बच्चों को अपनाने वाले माता-पिता की छुट्टियों की जरूरत को देखते हुए।

उत्पीड़न से दुनिया भर में हमारी बदनामी

पाकिस्तान का कबूलनामा- हमारे यहां अल्पसंख्यक 'सुरक्षित' नहीं

विदेश मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी स्वीकार किया

एजेंसी ⏭ इस्लामाबाद

पाकिस्तान में आए दिन ईशनिंदा के नाम पर हिंदू, अहमदिया या ईसाई समुदाय के किसी व्यक्ति की मॉब लिंचिंग की खबरें आती हैं।

अब पाकिस्तान के विदेश मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी स्वीकार किया है कि वहां अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। ख्वाजा आसिफ ने नेशनल असेंबली में बोलते हुए माना कि हमारे यहां मजहब के नाम पर अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न हो रहा है। यह चिंता की बात है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि हर दिन अल्पसंख्यकों का कत्ल होता है। इस्लाम की छाया में वे सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे। मैं उनकी चिंताओं को दूर करना चाहता हूं, लेकिन विपक्ष अड़ंगे लगाता है। पाकिस्तान की दुनिया भर में बदनामी हो रही है। उन्होंने कहा कि संविधान की ओर से संरक्षण दिए जाने के बाद भी इस्लाम से ही जुड़े छोटे पंथों के अलावा दूसरे मजहबों के लोग भी सुरक्षित नहीं हैं।

अनुप्रिया पटेल

अनुराग सिंह ठाकुर

धर्मेंद्र प्रधान

फग्गन सिंह कुलस्ते

जितेंद्र सिंह

कंगना रनौत

सुरेश गोपी

किरण रिजिजू

280 सांसदों ने ली शपथ

प्रधानमंत्री के आते ही विपक्ष ने शुरु किया हंगामा

1 आज 264 नवनिर्वाचित सांसद शपथ लेंगे

2 श्रीपद नाइक ने संस्कृत भाषा में शपथ ली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत 24 जून से हो गई। सोमवार सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरु होने के बाद सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी कैबिनेट में शामिल मंत्रियों ने बतौर संसद सदस्य शपथ ली। प्रधानमंत्री के बाद केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और नितिन गडकरी ने सहित 280 सांसदों ने शपथ ग्रहण किया। इसके बाद मंत्री परिषद के अन्य सदस्यों ने सांसद के रूप में शपथ ली।

सभी को प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने शपथ दिलाई। इसके बाद विभिन्न राज्यों के सांसदों ने वर्णमाला के क्रम में शपथ ली। यानी कि सबसे पहले असम राज्य के सांसदों ने शपथ ली, तो अंत में पश्चिम बंगाल के सांसदों का नंबर आया। सत्र के पहले दिन ही भाजपा नेता और सात बार के सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने पर विवाद हुआ। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने इस पद के लिए कांग्रेस सदस्य कोडिकुन्निल सुरेश के दावे को नजरअंदाज किया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस के सांसद लगातार नहीं जीते हैं, इसलिए उनकी वरिष्ठता का आधार नहीं बनता। पीएम मोदी की कैबिनेट में शामिल मंत्रियों में 58 लोकसभा के सदस्य हैं। जबकि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल 13 सदस्य राज्यसभा के सांसद हैं और एक मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू अभी किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं।

वह लुधियाना से भाजपा के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़े थे, लेकिन हार गए थे। संसद के इस सत्र में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं होगा। इससे पहले सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सबसे पहले राष्ट्रपति भवन में भर्तृहरि महताब को लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर के तौर पर शपथ दिलाई। इसके बाद सुबह 11 बजे से संसद की कार्यवाही शुरू की गई।

शुरू के तीन दिन यह होगा संसद में

18वीं लोकसभा की पहली बैठक के अवसर पर सदस्यों द्वारा मौन रखने के साथ कार्यवाही की शुरुआत की गई। इसके बाद लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह सदन के पटल पर लोकसभा के लिए चुने गए सदस्यों की सूची रखी। इसके बाद प्रोटेम स्पीकर महताब ने पीएम मोदी को सदन के सदस्य के तौर पर शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया। इसके बाद 26 जून को लोकसभा स्पीकर के चुनाव तक सदन की कार्यवाही चलाने में उनकी सहायता करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त अध्यक्षों के पैनल को शपथ दिलाई गई।

संविधान को कोई ताकत नहीं छू सकती: राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा सत्र के पहले दिन शपथ लेने के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि देखिए, प्रधानमंत्री और अमित शाह संविधान पर जो हमला कर रहे हैं। वह हमें मंजूर नहीं हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे। इसलिए हमने शपथ लेते वक्त संविधान की कॉपी को अपने साथ रखा था। कोई भी ताकत हिंदुस्तान के संविधान को नहीं छू सकती।

शपथ ले रहे थे पीएम मोदी, संविधान लेकर खड़े हो गए राहुल गांधी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने लोकसभा सांसद के तौर पर सोमवार को शपथ ली। इस दौरान विपक्षी गठबंधन के सांसद विरोध दर्ज कराने के लिए संविधान की प्रतियां लेकर पहुंचे थे। खास बात है कि पीएम मोदी के शपथ लेने के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने संविधान की प्रति दिखाई। इससे पहले विपक्षी सांसदों ने संसद के बाहर भी विरोध प्रदर्शन किया था। पीएम मोदी के शपथ ग्रहण के दौरान राहुल समेत विपक्ष के कई सांसदों ने संविधान की प्रति दिखाई। सदन में कांग्रेस सांसद के पास समाजवादी पार्टी प्रमुख और कन्नौज सांसद अखिलेश यादव और उत्तर प्रदेश की फैजाबाद सीट से विजयी हुए अवधेश पासी भी बैठे थे। खास बात है कि अयोध्या फैजाबाद सीट के तहत आती है। राहुल ने आरोप लगाए हैं कि पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह संविधान पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पीएम और अमित शाह जो संविधान पर हमला कर रहे हैं, वो हमें मंजूर नहीं है और हम ऐसा नहीं होने देंगे। इसलिए हम शपथ लेने के दौरान संविधान लेकर आए हैं...। हमारा संदेश है कि कोई भी ताकत भारत के संविधान को नहीं छू सकती।'

इस तरह खत्म हुआ पुराना लोकसभा सत्र

भारत में 17वीं लोकसभा सत्र 16 जून को खत्म हो गया था। हालांकि, इससे पहले ही निर्वाचन आयोग की ओर से नतीजे जारी कर दिए गए थे। इसके बाद से नए लोकसभा सत्र की शुरुआत मानी जाती है। सोमवार से शुरू हुआ लोकसभा सत्र पहला सत्र है, जो कि 3 जुलाई तक चलेगा। इस बीच 27 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदन को संबोधित करेंगी।

किस सांसद ने सबसे पहली ली शपथ

संसद के लोकसभा सदन में सबसे पहले शपथ लेने वाले व्यक्ति भृतहरी मेहताब थे, जिन्होंने प्रोटेम स्पीकर पद के रूप में शपथ ली थी। वहीं, सोमवार को सबसे पहले शपथ लेने वाले सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जिन्होंने लोकसभा सदस्य के रूप में तीसरी बार शपथ ली है।

किस सांसद ने किस भाषा में ली शपथ?

- विद्युत एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने संस्कृत भाषा में शपथ ली। नाइक ने उत्तरी गोवा निर्वाचन क्षेत्र से छठी बार जीत हासिल की थी।
- केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने बंगाली भाषा में शपथ ली।
- पुणे से सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने मराठी भाषा में शपथ ली।
- जम्मू कश्मीर की उधमपुर लोकसभा सीट से सांसद और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने डोगरी भाषा में शपथ ग्रहण की।
- केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल असमी भाषा और केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू ने तेलगू भाषा में शपथ ली।
- केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने और प्रह्लाद जोशी ने कन्नड़ भाषा में शपथ ली।
- कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलगू भाषा में शपथ ली।

कितने सांसदों ने ली शपथ

लोकसभा सदन में शुरुआती दो दिनों तक सांसदों को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ दिलाने का कार्यक्रम तय किया गया है। पहले दिन 280 सांसदों व अन्य सांसदों को मंगलवार को शपथ दिलाने का कार्यक्रम है।

अमृतपाल की शपथ को लेकर संशय

पंजाब के सांसदों को मंगलवार 25 जून को शपथ का समय दिया गया है। जिसमें जेल से चुनाव लड़ने और जीतने वाले अमृतपाल सिंह समेत सभी 13 सांसदों के नाम हैं। लेकिन अमृतपाल सिंह शपथ ले पाएंगे इसमें संशय है। संसद की तरफ से जारी समय, जिसमें अमृतपाल सिंह को मंगलवार 12 से 1 बजे के बीच शपथ लेने का समय दिया गया है। अमृतपाल सिंह के वकील एडवोकेट राजदेव सिंह खालसा ने बताया किअमृतपाल सिंह अभी जेल से शपथ के लिए नहीं आ पाएंगे। जब अमृतपाल सिंह के नाम के जब भी ऑर्डर निकलेंगे, उन्हें जेल से बाहर लाकर सांसद ले जाया जाएगा।

उमर अब्दुल्ला ने प्रतिनिधित्व की मांग की

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को लोकसभा के लिए चुने गए सांसद इंजीनियर राशिद को रिहा करने की मांग की है। वह आतंकवाद के लिए पैसे उपलब्ध कराने के एक मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं। राशिद ने पिछले दिनों हुए लोकसभा चुनाव में बारामूला सीट से उमर को दो लाख से ज्यादा वोटों से हराया था। उमर ने एक्स पर लिखा,उत्तरी कश्मीर के लोगों ने इंजीनियर राशिद को चुना है और उन्हें लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेने तथा अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलना चाहिए।

विपक्ष ने शेम-शेम के नारे लगाए

जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शपथ लेने जा रहें थें। तब नीट परीक्षा में कथित अनियमितता के मुद्दे की गूंज संसद में गुंजने लगी। प्रधान के सीट से उठते ही विपक्षी दलों के कुछ सदस्य 'नीट-नीट' और 'शेम-शेम' के नारे लगाने लगे। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा -स्नातक'(नीट-यूजी) 2024 में कथित अनियमितता और कथित रूप से प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में विपक्ष सरकार को घेर गया। हालांकि इससे संसद के कार्य पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। शपथ ग्रहण समारोह से पहले पीएम मोदी ने अपने संबोधन में विपक्ष से शांती की अपील की थी।

खबर संक्षेप

नौकरियों में 5 अंक के बोनस पर लगाई रोक

चंड़ीगढ। हरियाणा में सरकारी भर्ती परीक्षा में सामाजिक-आर्थिक आधार पिछड़े उम्मीदवारों को 5 नंबर का बोनस अंक दिए जाने के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि यह असंवैधानिक है। बता दें कि हरियाणा सरकार ने कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट में कम आय वालों को यह आरक्षण दिया था।

मॉल में टॉय ट्रेन पलटने से बच्चे की मौत

चंडीगढ़। एलांते मॉल में शनिवार देर रात बच्चों के लिए चलाई गई टॉय ट्रेन अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे ट्रेन के सबसे आखिरी वाले डिब्बे में बैठे बच्चे का सिर नीचे जमीन पर लगा और वह लहूलुहान हो गया। आनन-फानन बच्चे को सेक्टर-32 अस्पताल में ले जाया गया लेकिन बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने चालक व संचालकों पर केस दर्ज कर लिया है। टॉय ट्रेन के ऑपरेटर सौरभ को इंडस्ट्रियल एरिया थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मोदी 3.0 में नितिन गडकरी इस बार करने जा रहे यह बड़ा काम

30 हजार किमी हाईवे का प्लान 22 लाख करोड़ रुपए की मांग

देश में 30,600 किमी के हाइवे

- 18 हजार किलोमीटर एक्सप्रेसवे और हाई स्पीड कॉरिडोर बनाने की तैयारी
- उप्र,महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में तेजी से तैयार हुआ इंफ्रास्ट्रक्चर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मोदी सरकार अपने दो टर्म के रिपोर्ट कार्ड में हाइवेज और एक्सप्रेस के निर्माण का जिक्र करती रही है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में तेजी से इन्फ्रास्ट्रक्टर तैयार भी हुआ है। अब तीसरे कार्यकाल में भी एनडीए सरकार इन्फ्रास्ट्रक्चर पर फोकस करने पर जो दे रही है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने कैबिनेट से 22 लाख करोड़ रुपए के निवेश की मंजूरी मांगी है।

मंत्रालय का कहना है कि वह 2031-32 तक देश में 30,600 किलोमीटर हाइवे बनाएगा। यह प्लान वित्त मंत्रालय को सौंपा गया है। इस प्लान के मुताबिक, पूरे देश में 18 हजार किलोमीटर एक्सप्रेसवे और हाई स्पीड कॉरिडोर बनाने की तैयारी है। इसके अलावा शहरों के आसपास 4 हजार किलोमीटर हाईवेज को जाममुक्त करने का भी प्लान है। वहीं सीमांत इलाकों में भी सड़क बनाने की योजनाएं हैं, जो रणनीतिक लिहाज से बेहद अहम हैं।

मंत्रालय की योजना के मुताबिक, इसमें 25 फीसदी रकम प्राइवेट सेक्टर से आएगी। सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार, दो चरणों में योजना तैयार की गई है। पहले राउंड के तहत 2028-29 तक सभी टेंडर जारी हो जाएंगे और उन पर 2031 तक काम पूरा कर लिया जाएगा। इन प्रोजेक्ट्स में 22 लाख करोड़ रुपये की पूंजी लगेगी। मंत्रालय ने सालाना 10 फीसदी बजट आवंटन बढ़ाने की मांग की है। ताकि परियोजनाओं को समय पर सुचारु रूप से पूरा किया जा सके।

अंतरिम बजट में हाईवेज मिनिस्ट्री को 2.78 लाख करोड

बता दें, सरकार ने अंतरिम बजट में हाईवेज मिनिस्ट्री को 2.78 लाख करोड़ का बजट आवंटित किया था। यह बीते वित्त वर्ष की तुलना में 2.7 फीसदी ज्यादा था। सड़क परिवहन मंत्रालय ने दूसरे चरण की जो योजना तैयार की है, उसके तहत 28,400 किलोमीटर हाइवे बनेगा। इस प्लान के तहत पूरी कार्ययोजना और टेंडर का काम 2033-34 तक निपटा लिया जाएगा और इन पर काम 2036-37 तक निपटा लिया जाएगा। हालांकि, इसको लेकर अभी तक किसी तरह के फंड की मांग नहीं गई है। पहले चरण का काम पूरा होने के बाद इस पर फोकस किया जाएगा। बता दें, सड़क परिवहन एंव राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के कामकाज को लेकर तारीफ होती रहती है। ऐसे में सरकार भी चाहती है कि हाइवेज पर काम तेजी से चलता रहे।

तबीयत बिगड़ी... नहीं गईं अस्पताल

धरने पर बैठीं आतिशी का भर्ती होने से इनकार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी पानी की किल्लत को लेकर जंगपुरा के भोगल में अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी हैं। आतिशी के अनशन का आज चौथा दिन है। इस बीच उनके स्वास्थ्य को लेकर बड़ा अपडेट आया है। आतिशी की तबीयत खराब हो रही है। उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की सलाह डॉक्टर्स ने दी है। इसको लेकर आप ने एक्स पर एक पोस्ट कर जानकारी दी है। साथ ही अस्पताल में भर्ती होने से इनकार कर दिया है। पोस्ट में बताया कि जल मंत्री आतिशी का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। वजन कम हो रहा है। इसके साथ ही बीपी लो और शुगर लेवल बढ़ गया है। आतिशी का कीटोन लेवल भी काफी बढ़ गया है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर ने जल मंत्री आतिशी को अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी है, लेकिन आतिशी पानी की मांग को लेकर लड़ाई में डटी हुई हैं।

पीएम को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने की मांग

दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राजधानी में पानी संकट से अवगत कराया। साथ ही उनसे तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की। कैबिनेट मंत्रियों ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से अपील की कि वह वजीराबाद बैराज का संयुक्त दौरा करें, जिससे मामले की सच्चाई सामने आ सके। आम आदमी पार्टी सरकार का कहना है कि वजीराबाद बैराज (तालाब) पूरी तरह से सूख चुका है, जिसकी वजह से दिल्ली में पानी की आपूर्ति कम हो रही है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को लिखा पत्र

साठगांठ नहीं होती तो शायद 56 लोगों की जान बचाई जा सकती

तमिलनाडु में जहरीली शराब कांड को लेकर कांग्रेस की चुप्पी पर उठाए सवाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तमिलनाडु में जहरीली शराब कांड को लेकर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखा। नड्डा ने इस मामले पर उनकी पार्टी की चुप्पी पर सवाल उठाया। जहरीली शराब से राज्य में कई लोगों की मौत हुई है।

पत्र में कहा कि तमिलनाडु में जहरीली शराब त्रासदी मानव जनित है। अगर द्रमुक-विपक्षी गठबंधन सरकार और अवैध शराब माफियाओं के बीच सांठगांठ नहीं होती तो शायद 56 लोगों की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने कहा, शराब त्रासदी के बाद कल्लाकुरिची के करुणापुरम गांव में चिताएं जलाने की भयावह तस्वीरों ने पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा, करुणापुरम में अनुसूचित जाति की आबादी काफी ज्यादा है, जो गरीबी और भेदभाव के कारण कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। मैं हैरान हूं कि जब इतनी बड़ी आपदा आई है, तो आपके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने चुप्पी क्यों साध रखी है।

कुछ मुद्दों पर पार्टी लाइन से ऊपर उठने की जरूरत

भाजपा प्रमुख ने कहा, कुछ मुद्दों पर हमें पार्टी लाइन से ऊपर उठने की जरूरत है और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति समुदाय का कल्याण और सुरक्षा ऐसा ही मुद्दा है। नड्डा ने खरगे से कहा कि वह तमिलनाडु की द्रमुक-इंडि गठबंधन सरकार पर सीबीआई जांच कराने और राज्य के निषेध एवं उत्पाद शुल्क मंत्री एस मुथुसामी को उनके पद से तत्काल हटाने का अनुरोध करें। उन्होंने यह भी मांग की कि पीड़ितों के परिजनों को दी जाने वाली मुआवजे की राशि को उचित स्तर तक बढ़ाया जाए, ताकि इन परिवारों का पर्याप्त समर्थन सनिश्चित हो सके। पत्र में उन्होंने आगे कहा, आज समय है कि न्याय पर की गई बातों पर सही मायने में अमल किया जाए।

एससी-एसटी के अधिकारों पर राहुल के उपदेश बंद हो गए

नड्डा ने आरोप लगाया कि अचानक संविधान और अनुसूचित जाति /अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय के कल्याण व अधिकारों को सुनिश्चित करने के बारे में राहुल गांधी के सभी उपदेश बंद हो गए हैं। नड्डा ने कहा, कार्रवाई करने का समय आ गया है। खोखले शब्द, फर्जी बयानबाजी और खोखले वादे द्रमुक-इंडि गठबंधन सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के पीड़ितों और उनके परिवारों पर किए गए अन्याय को खत्म नहीं करेंगे। राहुल और प्रियंका चुप्पी साधने के बजाय पीड़ितों से मिलने जाएं या कम से कम इस मुद्दे पर आवाज उठाने का साहस जुटाएं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग साउथ सिविल लाईन जबलपुर

एनआईटी नं.-02/2023/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/2024 2025 — दिनांक 18.06.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (रू. लाख में)	भौतिक रूप सं एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ. डी. आर. एवं अन्य दस्तावेज)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2024_PWDRB_3 51759_1	मण्डला	बोरिंग एवं सर्वेक्षण कार्य	उपसंभाग मण्डला जिले के अंतर्गत जिला सर्वेक्षण कार्य मण्डला में प्रस्तावित पुल का विस्तृत अनुमान बोरिंग एवं सर्वेक्षण कार्य	प्रथम	16.90 लाख	समस्त दस्तावेज ऑनलाईन जमा किये जावेंगे।
2	2024_PWDRB_3 51785_1	डिण्डोरी	बोरिंग एवं सर्वेक्षण कार्य	उपसंभाग मण्डला जिले के अंतर्गत जिला सर्वेक्षण कार्य डिण्डोरी में प्रस्तावित पुल का विस्तृत अनुमान बोरिंग एवं सर्वेक्षण कार्य	प्रथम	16.94 लाख	

उपरोक्त बेबसाईड ऑन लाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्युमेंट) बेबसाईड के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा । निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 01/07/2024 शाम 18.00 बजे निर्धारित है । विस्तुत एन.आई.टी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त बेबसाईड में देखा जा सकता है । निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त बेबसाईड पर किया जावेगा । पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा । मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज ऑनलाईन प्राप्त की जावेगी।

G-12341/24

कर्यापालन यंत्री
लोग निर्माण विभाग
सेतु संभाग जबलपुर

जबलपुर
मंगलवार, 25 जून 2024
■ आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-4
■ वर्ष : 19, अंक : 56
■ पृष्ठ : 14 , मूल्य : 3.00 रुपये

मौसम
अधि. 33
न्यून. 26

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

एक प्रत्याशी का नामांकन पत्र विधिमान्य नहीं
नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी में 16 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र वैध

भोपाल। छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा विधानसभा के उप चुनाव में स्क्रूटनी के बाद कुल 16 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र वैध पाए गए है। हालांकि अंतिम सूची बुधवार को नाम वापसी के बाद साफ होगी। नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन तक में कुल 17 नामांकन पत्र दाखिल हुए थे।

उत्तर प्रदेश में रिव्यू ऑफिसर /असिस्टेंट रिव्यू ऑफिसर का एग्जाम 12 फरवरी 2024 को हुआ था, यह लीक पेपर कैंसिल हो गया था

भोपाल की प्रिंटिंग प्रेस में डैमेज प्रश्न पत्र के 'दो सेट' चुराए गए, होटल में हर एक विद्यार्थी को 12 लाख में ये दिखाए गए

मास्टर माइंड सुनील रघुवंशी क्वेश्चन पेपर के दो सेट की 6 कॉपी लेकर होटल पहुंचा

सुभाष प्रकाश ने एक असिस्टेंट के साथ पेपर सॉल्व किया। होटल में ही स्टूडेंट्स को आंसर याद कराए गए

हरिभूमि न्यूज ⏭भोपाल/लखनऊ

पुलिस की जांच में एक और क्वालिफाइंग एग्जाम के पेपर लीक में बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। उत्तर प्रदेश में रिव्यू ऑफिसर /असिस्टेंट रिव्यू ऑफिसर पोस्ट के लिए 11 फरवरी को हुआ एग्जाम पेपर लीक के आरोपों के बाद कैंसिल कर दिया गया है। इस एग्जाम में 10 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। हालांकि, यूपी प्रशासन ने पेपर लीक के आरोपों को खारिज किया है।

सुनील ने शर्त भी रखी कि उम्मीदवारों को उनके सामने पेपर पढ़ना होगा, ताकि यह वायरल न हो जाए

दो अन्य साथी विवेक उपाध्याय और अमरजीत शर्मा बाकी अभ्यर्थियों को होटल लेकर आए

4 इंजीनियरों ने किया था पेपर लीक

पेपर राजीव नयन मिश्रा, सुभाष प्रकाश, विशाल दुबे और सुनील रघुवंशी (प्रिंटिंग प्रेस कर्मचारी) नाम के 4 इंजीनियरों ने लीक किया था। चारों अलग-अलग प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़े थे। एग्जाम की मॉनिटरिंग कर रहे अर्पित विनीत यशवंत ने एग्जाम की सुबह 6.30 बजे क्वेश्चन पेपर की फोटो ली थी। पेपर भोपाल की किसी प्रिंटिंग प्रेस में छपे थे।

3 फरवरी को पेपर किया गया था चोरी

प्रिंटिंग के दौरान कोई क्वेश्चन पेपर डैमेज हो जाए, तो उसे अलग कर दिया जाता है। बाद में उन्हें श्रेडर के इस्तेमाल से नष्ट कर दिया जाता है। सुनील रघुवंशी को इसी मौके की तलाश थी। 3 फरवरी को सुनील मशीन रिपेयरिंग के लिए प्रिंटिंग प्रेस पर मौजूद था।

गोधरा पहुंची सीबीआई की टीम
नीट पेपर लीक मामले में अब तक 25 गिरफ्तारियां

इधर, नीट परीक्षा के पेपर लीक की जांच में अब तक देश के अलग-अलग राज्यों से 25 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। बिहार से 13, झारखंड से 5, गुजरात के गोधरा से 5 और महाराष्ट्र के लातूर से 2 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। मामले की जांच केंद्र सरकार ने सीबीआई को सौंपी है। सीबीआई की टीमें सोमवार को बिहार और गुजरात पहुंची है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कवच 4.0 तकनीक को जल्द लागू करने के निर्देश

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। हादसों से बचने और कम समय में लंबी दूरी तय करने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा 'कवच 4.0' प्रणाली पर काम किया जा रहा है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस नई और उन्नत प्रणाली 'कवच 4.0' की प्रगति की जानकारी ली। इससे पहले भारतीय रेलने ने कवच के 3.2 संस्करण को तैयार किया था।

केरल अब 'केरलम' होगा प्रस्ताव विधानसभा में पारित

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा ने सोमवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया और केंद्र से राज्य का नाम आधिकारिक तौर पर बदलकर 'केरलम' करने का आग्रह किया। विधानसभा ने दूसरी बार प्रस्ताव पारित किया। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने पहले प्रस्ताव की समीक्षा की थी।

पेरिस ओलंपिक के लिए किया क्वालिफाई

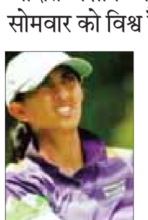

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फ स्टार अदिति अशोक और दीक्षा डागर ने सोमवार को विश्व रैंकिंग के जरिए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया। दोनों महिलाएं, पुरुष वर्ग के शुभांकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर के साथ मिलकर 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाले इस टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा

25 जून को लोकतंत्र पर काला धब्बा लगा था, अब कोई ऐसा नहीं कर सकेगा

18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत

पीएम ने कहा कि भारत की नई पीढ़ी कभी नहीं भूलेगी कि भारत के संविधान को पूरी तरह से नकार दिया गया था, संविधान के हर हिस्से की धज्जियां उड़ा दी गई थीं, देश को जेलखाना बना दिया गया था, लोकतंत्र को पूरी तरह दबा दिया गया था।

विपक्ष ने नीट-यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने की रणनीति बनाई

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत 24 जून से हो गई। सोमवार सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरु होने के बाद सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी कैबिनेट में शामिल मंत्रियों ने बतौर संसद सदस्य शपथ ली। प्रधानमंत्री के बाद केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान ने शपथ ग्रहण किया। इसके बाद मंत्री परिषद के अन्य सदस्यों ने सांसद के रूप में शपथ ली। सभी को प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने शपथ दिलाई। इसके बाद विभिन्न राज्यों के सांसदों ने वर्णमाला के क्रम में शपथ ली।

राष्ट्रपति ने दिलाई प्रोटेम स्पीकर को शपथ

कटक के सांसद भर्तृहरि महताब ने प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भर्तृहरि महताब को पद की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने सदन में नवनिर्वाचित सांसदों को पद की शपथ दिलाई।

जेपी नड्डा को बनाया गया राज्यसभा में सदन का नेता

आज बाकी बचे सांसद भी लेंगे शपथ

संसद परिसर में विपक्ष का संविधान की कॉपी लेकर प्रदर्शन

राहुल बोले-मोदी-शाह संविधान पर आक्रमण कर रहे, ये हमें स्वीकार्य नहीं

विपक्षी सांसदों ने भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने पर विरोध-प्रदर्शन किया। सांसदों ने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने संविधान की कॉपी लहराई और संविधान बचाओ के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने कहा कि सरकार ने नियमों के खिलाफ जाकर प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। नियम के मुताबिक कांग्रेस के के.सुरेश को प्रोटेम स्पीकर बनाया जाना था, क्योंकि वे 8 बार के सांसद हैं। महताब तो 7 बार के ही सांसद हैं। प्रदर्शन में सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और सांसद राहुल गांधी भी शामिल हुए।

युवा सांसदों और गीता का जिक्र किया

18वीं लोकसभा में युवा सांसदों की अच्छी खासी संख्या का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत से परिचित लोगों को पता है कि हमारे यहां 18 अंक का बहुत सात्विक मूल्य है। उन्होंने गीता के 18 अध्याय, पुराणों और उप-पुराणों की संख्या भी 18 होने का जिक्र किया और कहा कि इसका मूलांक नौ है और नौ पूर्णता की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि नौ पूर्णता का प्रतीक अंक है। 18 वर्ष की आयु में हमारे यहां मताधिकार मिलता है। 18वीं लोकसभा भारत के अमृतकाल की, इस लोकसभा का गठन, वो भी एक शुभ संकेत है।

लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव कल

बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। विपक्ष ने प्रोटेम अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा नीट-यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है, जिससे पहले दिन ही हंगामे के आसार हैं।

पीयूष गोयल की जगह लेंगे नड्डा

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को राज्यसभा में सदन के नेता होंगे। वह राज्यसभा में पीयूष गोयल की जगह लेंगे। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में गोयल महाराष्ट्र से निर्वाचित हुए हैं। नड्डा के पास केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और उर्वरक व रसायन मंत्रालय का जिम्मा भी है। राज्यसभा की वेबसाइट पर भी नड्डा का नाम बतौर सदन का नेता अपडेट किया गया है।

इंदौर में 8वीं मंजिल से युवती ने लगाई छलांग
पिता को मैसेज में लिखा-आई एम सॉरी, फिर छत से कूदी

टीसीएस कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर थी युवती, डिप्रेशन बनी वजह

हरिभूमि न्यूज ⏭इंदौर

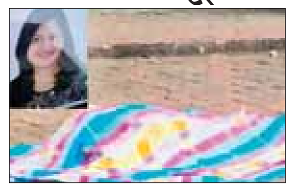

विजय नगर इलाके में एक युवती ने 8वीं मंजिल के कूदकर खुदकुशी कर ली। मृतक युवती की पहचान सुरभि जैन (37) के रूप में की गई है। वह टीसीएस कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर थी। सुसाइड से पहले उसने अपने पापा को फोन पर मैसेज किया। जिसमें उसने लिखा आई एम सॉरी पापा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंच गई। टीआई सीबी सिंह के मुताबिक सोमवार दोपहर में सूचना मिली थी कि एक युवती ने बीसीएम हाइट्स की 8वीं मंजिल से छलांग लगा दी है।

भारत में भी लॉन्च हुआ मेटा एआई
अब गूगल और चैटजीपीटी की बढ़ेगी मुसीबत, कंटेंट भी बनेगा

मेटा एआई से आप तमाम तरह के सवाल पूछ सकते हैं

एजेंसी ⏭नई दिल्ली

मेटा ने अपने एआई टूल मेटा एआई को भारत में भी लॉन्च कर दिया है। इससे पहले यह टूल अमेरिका जैसे कई देशों में लाइव था। मेटा एआई भी ओपनएआई के चैटटूल चैटजीपीटी की तरह ही है। मेटा एआई से आप तमाम तरह के सवाल पूछ सकते हैं। इसके अलावा आप इससे एआई इमेज भी बनवा सकते हैं। मेटा एआई का सपोर्ट फेसबुक, वॉट्सएप, इंस्टाग्राम और मेटा डॉट एआई के लिए भी जारी किया गया है। मेटा एआई का इस्तेमाल आप फीड, चैट के अलावा कई सारे एप्स में कर सकते हैं।

ट्रिपल मर्डर से दहल उठा दमोह
होमगार्ड जवान को तलवार से काटा, बेटे और भतीजे को सड़क पर मारी गोलियां

आरोपी के बछड़े के पैर पर होमगार्ड जवान का वाहन चढ़ गया था, इससे हुआ विवाद

दमोह। जिले के देहात थाना क्षेत्र के बांसा तारखेडा गांव में सोमवार सुबह तीन लोगों की हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड से पूरा दमोह जिला एक बार फिर दहल गया है। तीन आरोपियों ने होमगार्ड जवान पर उनके चाचा के घर तलवारों से हमला किया। दमोह से कोचिंग पढ़कर लौट रहे बेटे-भतीजे पर सरेराह फायरिंग की। मृतक और तीन आरोपी एक ही परिवार के हैं। एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि होमगार्ड जवान रमेश विश्वकर्मा (50) का उसके ही परिवार के लोगों से विवाद चल रहा था। आरोपियों ने सोमवार को रमेश पर तलवारों से हमला कर दिया।

आरोपी ने हत्या की दी थी धमकी

रमेश के चाचा राजेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे मेरे बेटे सौरभ के मोबाइल पर आरोपी का फोन आया था। उसने सौरभ से कहा था कि वह रमेश और उनके परिवार के लोगों की हत्या करेगा। राजेंद्र ने बताया कि उमेश और विक्की कोचिंग पढ़ने दमोह गए हुए थे।

झांसी में दुल्हन की हत्या
शादी से पहले तैयार होने ब्यूटी पार्लर गई थी दुल्हन, सिरफिरे ने मारी गोली

हरिभूमि न्यूज ⏭दतिया

■ आरोपी प्रेमी था और साथ चलने को कह रहा था

शादी से पहले एक युवती तैयार होने ब्यूटी पार्लर गई थी। जब वह ब्यूटी पार्लर में तैयार हो रही थी, इसी दौरान एक युवक बाइक से वहां आया और तमंचे से युवती को गोली मारकर भाग गया। गोली लगने से युवती घायल हो गई। उसे आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। दतिया के ग्राम बरगांय निवासी राजू अहिरवार की पुत्री काजल की शादी झांसी के चिरगांव में तय हो गई थी। रविवार को शादी थी। इसके लिए सीपरी बाजार थाना क्षेत्र स्थित हरकिशन महाविद्यालय के पास एक विवाहघर को परिजनों ने बुक किया गया था। वर व वधू पक्ष के लोग तैयारियों में जुटे थे। उधर, बरात आने में थोड़ा समय था। इसलिए काजल अपनी सहेलियों के साथ तैयार होने के लिए विवाहघर के पास स्थित एक ब्यूटी पार्लर में चली गई। रात लगभग 9.30 बजे एक युवक बाइक से आया।

उसके हाथ में तमंचा था। उसने ब्यूटी पार्लर के दरवाजे का कांच तोड़ा। युवक को देख काजल घबरा गई। वह कुछ बोल पाती, इससे पहले ही युवक ने तमंचे से उस पर गोली चला दी।

राधा रानी पर दिए व्याख्यान पर नही थम रहा विवाद
पंडित प्रदीप मिश्रा को गुरु सांदीपनि के वंशजों ने दी चेतावनी

पंडित रूपम व्यास बोले-नाक रगड़ कर माफी मांगें, नहीं तो कोर्ट जाएंगे

प्रेमानंद महाराज और अन्य संतों के पास जाकर पंडित मिश्रा को माफी मांगनी चाहिए

इस विवाद पर प्रेमानंद महाराज भी जता चुके हैं नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭उज्जैन

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के राधा रानी पर दिए व्याख्यान पर छिड़े विवाद में अब गुरु सांदीपनि के वंशज रूपम व्यास भी कूद पड़े हैं। उन्होंने पंडित मिश्रा से नाक रगड़ कर माफी मांगने की मांग की है। साथ ही ये भी चेतावनी

दी है कि पंडित प्रदीप मिश्रा ने मथुरा जाकर प्रेमानंद महाराज से माफी नहीं मांगी तो वे अपने विद्वत परिषद से बात कर कोर्ट जाएंगे। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम के पुजारी और सांदीपनि जी की 202वीं पीढ़ी के रूपम व्यास, पंडित प्रदीप मिश्रा के बयान से बहुत नाराज हैं। उन्होंने कहा कि प्रेमानंद महाराज और अन्य संतों के पास जाकर पंडित मिश्रा को माफी मांगनी चाहिए। शिव पुराण के नाम वे कई प्रकार के टोने-टोटके कर रहे हैं, विद्वत परिषद् से बात कर हम कोर्ट भी जा सकते हैं।

◆ मिश्रा लोगों को बरगलाने का काम कर रहे

पंडित रूपम व्यास ने कहा कि पंडित प्रदीप मिश्रा लोगों को बरगलाने का काम करते हैं। उन्हें न शास्त्रों का ज्ञान है, न वो जानते हैं, अपना पुराण खुद ही लिखते हैं। मिट्टी के शिवलिंग का पूजन शाम को करने की सलाह देते हैं। कई ऑनलाइन पूजन करा दिए। व्यास पीठ से राधा रानी पर अर्नगल बातें बोलीं, कौन से शास्त्र में पढ़ लिया। प्रदीप मिश्रा को 84 कोस की परिक्रमा करनी चाहिए। माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सांदीपनि आश्रम में पंडित मिश्रा के प्रवेश पर प्रतिबंध भी लगा सकते हैं।

रॉकेट को पूरी तरह से ऑपरेशनल होने का मिलेगा दर्जा

अगले महीने इसरो लॉन्च करेगा नया रॉकेट...छोटे सैटेलाइट्स के बाजार में बन जाएगा 'सुप्रीम लीडर'

इसरो अपने छोटे रॉकेट की तीसरी और अंतिम डेवलपमेंटल उड़ान के लिए तैयार है। यह लॉन्च 10 जुलाई 2024 के आसपास होगी। इस रॉकेट की उड़ान से भारत सस्ती लॉन्चिंग की दुनिया में ऊंची छलांग लगा लेगा।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 10 जुलाई 2024 के आसपास अपने स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल की तीसरी डिमॉन्सट्रेशन डी-3 उड़ान करने जा रहा है। यह रॉकेट इसलिए बनाया गया है ताकि मिनी, माइक्रो और नैनो सैटेलाइट्स की लॉन्चिंग की जा सके। वह भी कम कीमत में इस लॉन्चिंग के बाद ररछ को पूरी तरह से ऑपरेशनल रॉकेट का दर्जा मिल जाएगा। साथ ही भारत दुनिया में सबसे सस्ती लॉन्चिंग के मामले में

ऊंची उड़ान भर लेगा। इससे पहले इस रॉकेट के दो उड़ान हो चुके हैं। पहली उड़ान एसएसएलवी-डी-1 7 अगस्त 2022 को हुई थी। हालांकि मिशन में कुछ टारगेट अचीव नहीं हुए थे।

फिर अगली उड़ान यानी एसएसएलवी-डी-2 10 फरवरी 2023 को की गई थी। इसमें तीन सैटेलाइट भेजे गए थे। ईओएस -07, जानूस-1- और आज़ादीसैट-2 इन सैटेलाइट्स को 15 मिनट के अंदर ही तय 450 किलोमीटर ऊंची गोलाकार ऑर्बिट में तैनात कर दिया गया था। इसी सफलता के बाद इसरो ने तीसरी उड़ान का फैसला लिया।

तमिलनाडु में बन रहा है नया स्पेसपोर्ट

इस रॉकेट की लॉन्चिंग के लिए अलग से स्मॉल सैटेलाइल लॉन्च कॉम्प्लेक्स (एसएसएलसी) बनाया जा रहा है। तमिलनाडु के कुलाशेखरापट्नम में नया स्पेसपोर्ट बन रहा है। फिर एसएसएलवी की लॉन्चिंग वहीं से होगी। एसएसएलव्ही की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि छोटे सैटेलाइट्स को लॉन्च करने के लिए पीएसएलवी के बनने का इंतजार करना पड़ता था। वो महंगा भी पड़ता था। उन्हें बड़े सैटेलाइट्स के साथ असेंबल करके भेजना होता था।

खबर संक्षेप

बोहरी कदल में भीषण आग से मचा हड़कंप

श्रीनगर। श्रीनगर के बोहरी कदल में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। आग इतनी भयानक थी कि ऊंची-ऊंची लपटें आसमान को छू गई। इस घटना से आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। अभी तक आग पर काबू नहीं पाया गया है। लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। हालांकि आग के कारणों का अभी तक पता नहीं लग पाया है।श्रीनगर के बोहरी कदल में स्थित मस्जिद शरीफ और एक व्यावसायिक ढांचे में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि उसकी ऊंची-ऊंची लपटें आसमान को छू रही हैं।

युद्ध समाप्त समझौते पर सहमत नहीं होंगे: नेतन्याहू

तेल अवीव। गाजा में आठ महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका समर्थित प्रस्ताव की व्यवहारिकता पर सोमवार को उस समय संदेह के बादल छा गए जब इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि वे केवल 'आंशिक' युद्धविराम के समझौते पर सहमत होने के लिए तैयार होंगे, जिससे युद्ध समाप्त नहीं होगा। नेतन्याहू की इस टिप्पणी से हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों में आक्रोश फैल गया। नेतन्याहू ने कहा गाजा पट्टी में अब भी बंधक बनाए गए है। 120 लोगों का जिक्र करते हुए कहा कि वह आंशिक समझौता करने के लिए तैयार हैं ।

विदेश मंत्री जयशंकर ने पासपोर्ट सेवा दिवस पर की बड़ी घोषणा

पासपोर्ट बनवाना होगा आसान, पुलिस वेरिफिकेशन में नहीं चलेगी 'दादागीरी'

पासपोर्ट बनवाने के दौरान सबसे बड़ी दिक्कत पुलिस वेरिफिकेशन में आती है। कई बार पुलिस वेरिफेकेशन के नाम पर आवेदकों को परेशान भी किया जाता है। ऐसे में विदेश मंत्रालय इस परेशानी को दूर करने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पासपोर्ट बनवाना अब और आसान होने वाला है। इसके लिए विदेश मंत्रालय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस के साथ मिलकर एक उपाय पर काम कर रहा है, जिससे कि लोगों को चंद दिनों के भीतर पासपोर्ट मिल जाए। सोमवार को पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि बेहतर पासपोर्ट सेवा के लिए मंत्रालय ने 440 पोस्टऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्रों की स्थापना की है। इसके अलावा 93 पासपोर्स सेवा केंद्र हैं। देश में इस वक्त 533 पासपोर्स प्रोसेसिंग सेंटर और 37 रिजिनल पासपोर्ट ऑफिस हैं। विदेश मंत्रालय ने विदेश में मौजूद 187 भारतीय मिशनों को भी इससे जोड़ा है। दरअसल, पासपोर्ट बनवाने में सबसे बड़ी दिक्कत पुलिस वेरिफिकेशन में आती है। इसमें काफी समय लग जाता है।

पासपोर्ट विकास में अहम योगदान देता है

उन्होंने आगे कहा कि विदेश मंत्रालय ने बीते साल 2023 में पासपोर्ट से जुड़ी 1.65 करोड़ सेवाएं दीं। 2023 में मासिक पासपोर्ट आवेदन 14 लाख को पार कर गए थे। उन्होंने आगे कहा कि पासपोर्ट नागरिकों के विकास में अहम योगदान देता है। इससे देश के विकास पर सीधे असर पड़ता है।

9 हजार पुलिस थानों में पुलिस एप किया शुरू

जयशंकर ने कहा, पासपोर्ट वितरण पारिस्थितिकी तंत्र को और बेहतर बनाने के लिए मंत्रालय पुलिस सत्यापन में लगने वाले समय को कम करने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस के साथ लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस सत्यापन प्रक्रिया को सरल बनाने वाला एमपासपोर्ट पुलिस ऐप 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 9,000 पुलिस स्टेशनों में शुरू किया गया है. उन्होंने आगे कहा, "पासपोर्ट सेवा प्रणाली को कागज रहित दस्तावेजीकरण प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए डिजिलॉकर प्रणाली के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया है।

एप से वेरिफिकेशन का समय हुआ कम

दिसंबर 2023 में लोकसभा में जयशंकर ने जानकारी देते हुए कहा था, पुलिस सत्यापन के लिए राष्ट्रव्यापी औसत समय 14 दिन है। हालांकि, जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एमपासपोर्ट पुलिस ऐप लॉन्च किया गया है, वहां पुलिस सत्यापन का औसत समय पांच दिन से भी कम रह गया है।

'एमपासपोर्ट पुलिस एप' से काम होगा आसान

कई बार तो पुलिस वेरिफिकेशन के नाम पर आवेदकों को परेशान भी किया जाता है। ऐसे में विदेश मंत्रालय इस परेशानी को दूर करने में लगा है। एस. जयशंकर ने कहा कि पुलिस वेरिफिकेशन में तेजी लाने के लिए 'एमपासपोर्ट पुलिस ऐप' लाया गया है। इससे 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 9 हजार पुलिस थानों को जोड़ा गया है। इसके साथ ही पेपेरलेस डॉक्यूमेंटेशन के लिए पासपोर्ट सेवा सिस्टम को डीजी लॉकर से जोड़ा गया है। इससे पुलिस वेरिफिकेशन का काम आसान हो जाएगा।

नवीनतम बायोमेट्रिक्स तकनीक का उपयोग

ई-पासपोर्ट सेवा 2.0 के तहत नवीनतम बायोमेट्रिक्स तकनीक का उपयोग किया जाएगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत डेटा विश्लेषण, चैट बॉट, भाषा प्राथमिकता के साथ क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग किया जाएगा। इससे पासपोर्ट बनवाना आसान हो जाएगा और डेटा भी सुरक्षित रहेगा। ई-पासपोर्ट सेवा के लिए सॉफ्टवेयर आईआईटी कानपुर और एनआईसी द्वारा विकसित किया गया है।

29 जून से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा

एडीजीपी ने उच्च अधिकारियों व सुरक्षा बलों के साथ की बैठक

बाबा बर्फानी की यात्रा 29 जून से शुरू होकर 29 अगस्त को समाप्त होगी

एजेंसी ▶▶ कश्मीर

एडीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) और एसडीआरएफ के सह कमांडेंट जनरल विजय कुमार ने आईजीपी कश्मीर वीके बिरदी और अन्य अधिकारियों के साथ 29 जून से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर समीक्षा बैठक की। अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होने वाली है और इस साल 29 अगस्त को समाप्त होगी। वहीं, आगामी वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू में 26 जून से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो रही है।

शीर्ष अधिकारियों ने उपकरणों का निरीक्षण किया: एक अधिकारी ने बताया कि शीर्ष अधिकारियों ने उपकरणों का निरीक्षण भी किया और यात्रा से पहले टीमों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनके साथ डीआईजी दक्षिण कश्मीर, डीआईजी सशस्त्र, कमांडिंग ऑफिसर एनडीआरएफ और कमांडिंग ऑफिसर एसडीआरएफ भी थे।

श्री अमरनाथ यात्रा के लिए करवाएं तत्काल पंजीकरण

वहीं दूसरी ओर श्री अमरनाथ यात्रा को जिन श्रद्धालुओं ने अभी तक पंजीकरण नहीं करवाया है उन्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि यात्रा के लिए जम्मू में 26 जून से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो रही है। जिसके लिए पांच पंजीकरण केंद्र बनाए गए हैं और इनमें से दो केंद्र साधुओं के लिए आरक्षित रहेंगे। चूंकि बड़ी संख्या में साधु यात्रा में शामिल होते हैं। ऐसे में शहर के गीता भवन व राम मंदिर में पंजीकरण के साथ ठहरने व खाने-पीने की व्यवस्था की गई है। जबकि जम्मू शहर में वैष्णवी धाम, पंचायत भवन रेलवे स्टेशन के पास व शालामार रोड स्थित महाजन हाल में तीर्थ यात्रियों का तत्काल पंजीकरण किया जाएगा।

श्रद्धालुओं व साधु-संतों की स्वास्थ्य जांच होगी

इसके अतिरिक्त तत्काल पंजीकरण के दौरान ही इन श्रद्धालुओं व साधु-संतों की मौके पर स्वास्थ्य जांच होगी और स्वास्थ्य प्रमाण पत्र मिलने पर ही यात्रा पंजीकरण होगा। पंजीकरण करवाने के लिए श्रद्धालु अपनी पहचान के लिए आधार कार्ड लाना न भूलें, मेडिकल जांच मौके पर ही होगी। यह सुविधा उन सब श्रद्धालुओं को राहत देगी जो पंजीकरण कराने से चूक गए हैं।

दो लाख से ज्यादा श्रद्धालु एडवांस पंजीकरण करा चुके

बता दें कि दो लाख से ज्यादा श्रद्धालु एडवांस पंजीकरण करा चुके हैं। तत्काल पंजीकरण के लिए श्रद्धालुओं की संख्या उपलब्ध कोटे के आधार पर होगी और यह पूरी तरह पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगी। अर्थात पहले से पंजीकृत श्रद्धालुओं को अवसर मिलने के बाद कोटा प्रतिदिन जारी किया जाएगा और उस कोटा के आधार पर श्रद्धालुओं का पंजीकरण किया जाएगा।

सिंधु जल संधि में बिजली परियोजनाओं का निरीक्षण शुरू

किश्तवाड़ पहुंचा भारत-पाक का 40 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी ▶▶ जम्मू

भारत और पाकिस्तान के दलों का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल सोमवार को तटस्थ विशेषज्ञों के साथ जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में पहुंचा और सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के तहत दो बिजली परियोजनाओं का निरीक्षण शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि 40 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल रविवार की शाम को जम्मू पहुंचा और चेनाब घाटी क्षेत्र में विभिन्न निर्माणाधीन बिजली परियोजनाओं के निरीक्षण के लिए आज सुबह किश्तवाड़ के लिए रवाना हुआ।

वर्ष 1960 की संधि के विवाद निपटान तंत्र के तहत पांच साल से अधिक समय में किसी पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की यह पहली जम्मू-कश्मीर यात्रा है। भारत और पाकिस्तान ने नौ साल की बातचीत के बाद सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें विश्व बैंक भी हस्ताक्षरकर्ता के रूप में शामिल हुआ था।

2019 में किया था दौरा

यह संधि सीमा के दोनों ओर की नदियों के पानी के उपयोग पर समन्वय एवं सूचनाओं के आदान प्रदान का प्रावधान करती है। अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। इससे पहले जनवरी 2019 में तीन सदस्यीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने आखिरी बार आईडब्ल्यूटी के प्रावधानों के तहत पाकल दुल और लोअर कलनाई जलविद्युत परियोजनाओं का निरीक्षण किया था। अधिकारियों ने बताया कि सैन्य शिविर में उतरने के तुरंत बाद प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय जलविद्युत निगम (एनएचपीसी) मुख्यालय का दौरा किया।

द.कोरिया: फैक्टरी में लगी आग

16 की मौत, 7 घायल, 6 लापता, ज्यादातर विदेशी

एजेंसी ▶▶ सियोल

दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के समीप लिथियम बैटरी बनाने वाली फैक्टरी में सोमवार को आग लगने से 16 लोगों की मौत हो गयी, सात घायल हो गए तथा छह लोग लापता हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय दमकल अधिकारी किम जिन-यंग ने बताया कि बचाव कर्मियों ने सियोल के दक्षिणी क्षेत्र ह्वासियोंग शहर में फैक्टरी की तलाशी के बाद शव बरामद किए। किम ने पहले बताया था कि ज्यादातर लापता लोग विदेशी हैं जिनमें चीनी नागरिक भी शामिल हैं। लापता लोगों के मोबाइल फोन के सिग्नल फैक्टरी की दूसरी मंजिल से आने का पता चला है। उन्होंने कहा कि एक प्रत्यक्षदर्शी ने प्राधिकारियों को बताया कि जब कर्मचारी बैटरियों की जांच और उन्हें पैक कर रहे थे तो उनमें विस्फोट हो गया ।

अंतरिक्ष से ऐसा दिखता है रामसेतु ...

नई दिल्ली। यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने रामसेतु की बेहद खूबसूरत तस्वीर साझा की है। तमिलनाडु के रामेश्वरम से श्रीलंका तक फैला यह चूना पत्थर का स्ट्रक्चर है जिसका हिंदू धर्म में बहुत महत्व है।

विज्ञान ने किया दुनिया का सबसे बड़ा कमाल

क्या कभी आप सोच भी सकते हैं कि मरे हुए व्यक्तियों से बात करना संभव है, शायद नहीं...मगर अब विज्ञान और तकनीकि ने इसे भी संभव बना दिया है

अब मरे हुए पूर्वजों से बात करना संभव

एजेंसी ▶▶ कैनबरा

विज्ञान के विकास और तकनीकि के तजुर्बे ने अब वह भी संभव कर दिखाया है, जिसकी कल्पना तक कर पाना संभव नहीं था। क्या आप कभी सोच भी सकते थे कि सैकड़ों वर्ष पहले मर चुके अपने पूर्वजों से बात करना संभव है?....शायद नहीं। मगर वैज्ञानिकों ने अब इस असंभव को संभव कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक अब विज्ञान और तकनीकि के बल पर आप भी अपने मरे हुए पूर्वजों से आमने-सामने बैठकर बात कर सकते हैं। उन्हें अपनी बातें बता सकते हैं, उनका सारा हालचाल जान सकते हैं। पूर्वज आपके हर सवाल का जवाब भी देंगे और आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए मर चुका होने के बाद भी सामने से आकर आशीर्वाद देंगे।

डिजिटल पदचिन्हों से होगा आभासी पुनर्निर्माण

जैसे ही आप इस डिजिटल पर पिता के साथ बातचीत शुरू करेंगे। आप खुद को एक भावनात्मक रोलरकोस्टर पर पाएंगे। फिर आप उन रहस्यों और कहानियों को उजागर करेंगे, जिन्हें आप कभी नहीं जानते थे, जिससे वास्तविक व्यक्ति को याद करने का आपका तरीका बदल जाता है। यह कोई दूर की बात या काल्पनिक परिदृश्य नहीं है। अब यह डिजिटल आफ्टरलाइफ़ उद्योग की वजह से संभव हो गया है, जो तेजी से विकसित हो रहा है। कई कंपनियां मृत व्यक्तियों के डिजिटल पदचिह्नों के आधार पर उनका आभासी पुनर्निर्माण करने का वादा करती हैं।

सुविधा के साथ खतरे भी अधिक

यह तकनीकि सुविधा के साथ खतरे भी लेकर आई है। यथार्थवाद का उच्च स्तर वास्तविकता और अनुकरण के बीच की रेखा को धुंधला कर सकता है। यह उपयोगकर्ता के अनुभव को बढ़ा सकता है, लेकिन भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक संकट भी पैदा कर सकता है। डिजिटल आफ्टरलाइफ़ प्रौद्योगिकियाँ मृतक के साथ निरंतरता और संबंध प्रदान करके शोक प्रक्रिया में सहायता कर सकती हैं। किसी प्रियजन की आवाज़ सुनने या उनकी समानता देखने से आराम मिल सकता है और नुकसान से उबरने में मदद मिल सकती है।

मौत के बाद भी पूर्वजों का आएगा संदेश

यह बात और अधिक कौतूहल पैदा करने वाली है और हैरान करने वाली भी...कि मरने के बाद क्या कोई व्यक्ति आपको मोबाइल पर संदेश भेज सकता है? आपको फिलहाल भरोसा तो नहीं होगा, मगर अब इसका उत्तर हां हो सकता है। दरअसल माईविशिज जीवित लोगों के जीवन में उपस्थिति बनाए रखते हुए मौत के बाद पूर्व-निर्धारित संदेश भेजने की क्षमता प्रदान करता है। हैनसन रोबोटिक्स ने रोबोटिक बस्ट बनाए हैं जो मृतक की यादों और व्यक्तित्व लक्षणों का उपयोग करके लोगों के साथ संवाद करते हैं। प्रोजेक्ट दिसंबर उपयोगकर्ताओं को उन लोगों के साथ पाठ-आधारित बातचीत में संलग्न होने के लिए तथाकथित "डीप एआई" तक पहुंच प्रदान करता है जिनकी मौत हो चुकी है। जनरेटिव एआई डिजिटल आफ्टरलाइफ़ उद्योग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ये प्रौद्योगिकियाँ अत्यधिक यथार्थवादी और इंटरैक्टिव डिजिटल व्यक्तित्व के निर्माण को सक्षम बनाती हैं।

बोइंग के स्टारलाइनर कैप्सूल में आई खराबी

अंतरिक्ष में फंसी भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर इंटरनेशनल स्पेस सेंटर (करर) पर फंस गए हैं। उनकी धरती पर वापसी की उम्मीद एक बार फिर टूट गई है। 6 जून को उन्होंने करर पर कदम रखा था। इसके बाद उन्हें 13 जून को वापस लौटना था लेकिन बोइंग के स्टारलाइनर कैप्सूल में खराबी आ गई। इससे उनकी यात्रा का 22 जून तक टाल दिया गया। 22 जून को भी किसी तकनीकि कारणों से उनका धरती पर वापसी नहीं हो पाई।

5 जून को भरी थी उड़ान

पांच जून को अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता ने उड़ान भरी थी. 2019 के बाद से इसे दो बार बिना इंसान के अंतरिक्ष में भेजा जा चुका है। हालांकि इसके थ्रस्टर्स 5 बार खराब हो चुके हैं। वहीं, पांच हीलियम रिसाव का सामना भी करना पड़ा है। नासा और बोइंग को खराबी का सामना भी करना पड़ा है। ऐसे में अब ये सवाल उठ रहा है कि स्टारलाइनर अपने चालक दल को कब तक वापस ला पाएगा।

एयरपोर्ट और फ्लाईओवर रानी दुर्गावती के नाम पर करने की घोषणा

प्रजा की भलाई के लिए वीरांगना ने सुशासन के सभी मापदंडों को अपनाया: डॉ. यादव

जबलपुर। समूचे भारतवर्ष को गौरवान्वित करने वाली अद्भुत व्यक्तित्व वीरांगना रानी दुर्गावती का शासन काल अपनी प्रजा की भलाई के लिए जाना जाता है। उनके द्वारा सुशासन के सभी मापदंड पूरे किए गए, जिसमें लोक कल्याणकारी राज्य की कल्पना परिलक्षित होती है। उन्होने अपने राज्य की रक्षा करने के लिए न सर्फि अपने बलबूते पर 52 युद्ध लड़े बल्कि मुगलकाल के शासक अकबर को भी तीन बार हराया। विगत 500 वर्ष का इतिहास रानी दुर्गावती के अदम्य शौर्य एवं साहस का प्रतीक है। यह उद्बोधन प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड जबलपुर में रानी दुर्गावती के 461 वें बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित पुण्य स्मरण समारोह में कहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुये कहा कि हमारे लिए यह गर्व की बात है कि वीरांगना रानी दुर्गावती ने अपने पराक्रम से शेरशाह सूरी एवं मालवा के शासक बाज बहादुर के भी दाँत खट्टे किए। उनके इस शौर्य एवं पराक्रम को दुनिया के सामने लाने की आवश्यकता है।

52 तालाबों का निर्माण कर जल प्रबंधन कराया

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुग़ल सम्राट अक़बर से युद्ध के दौरान रानी दुर्गावती की दूरदर्शिता का वर्णन भी किया। उन्होने कहा कि रानी दुर्गावती ने यह पहले ही भाँप लिया था कि अक़बर द्वारा युद्ध में तोपों का प्रयोग किया जा रहा है इसके लिए उससे लड़ने में हमें रात्रि में भी युद्ध करना चाहिए। डॉ.यादव ने कहा कि रानी दुर्गावती एक रानी के साथ ही माँ के रूप में पूजी जाती है। क्योंकि उन्होंने समाज के सभी वर्गे के लिये कल्याणकारी योजनायें बनाई। उनके सुशासन जनोन्मुखी शासन व्यवस्था में 52 तालाबों का निर्माण कर जल प्रबंधन के नवाचार कराया। अपने शासन काल में अपनी प्रजा एवं अपने सहयोगियों का भी ख़याल रखा। इस कड़ी में उन्होंने अपने सहयोगी के नाम से अधारताल, सहेली के नाम पर जबलपुर में चेरीताल बनवाया। साथ ही अनेक जल संरचनायें बनवाई। उनके द्वारा बनाये ताल, जल संरचनायें ही नहीं बल्कि एक जीवन है। उन्होंने बताया कि जल गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत तालाबों की सफ़ाई एवं जीर्णेद्धार का कार्य समूचे प्रदेश में 30 जून तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय इतिहास में उनके द्वारा किए गए इन कार्यो को जो अहमियत मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिली। भारतीय संस्कृति सभ्यता और परंपराओं के सम्मान व रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाली रानी दुर्गावती के इस योगदान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहडोल आकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और यहां प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उनकी 500वीं जन्म जयंती को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। उनके प्रति सम्मान और इस परम्परा को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार द्वारा पहली कैबिनेट जबलपुर में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। रानी दुर्गावती के जन्मदिवस 5 अक्टूबर 2024 तक यह जन्म शताब्दी के कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे जिसके अंतर्गत हर माह आयोजन भी किये जायेंगे।

वीरगाथा को पाठ्यक्रम में शामिल कराया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बताया कि सरकार आदिवासी वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। आदिवासी वर्ग से संबंध रखने वाली देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू महिला शक्ति का प्रतिनिधित्व कर रही है। रानी दुर्गावती के जीवन से संबंधित विविध पक्षों को सामने लाने के लिये 5 लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान करने का भी निर्णय लिया है। वीरांगना रानी दुर्गावती की वीरगाथा को पाठ्यक्रम में शामिल करने के साथ ही विभिन्न सेमिनार कार्यक्रमों के माध्यम से इनके जीवन को समाज के सामने लाया जाएगा। इसके अलावा मध्य प्रदेश के सबसे बड़े फ़्लाइओवर का नाम रानी दुर्गावती के नाम पर किए जाने की घोषणा की। साथ ही जबलपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम भी रानी दुर्गावती के नाम पर किये जाने के लिये भारत सरकार को उक्त आशय का प्रस्ताव भेजा जायेगा।

हनुमानताल और माढ़ोताल का होगा उद्धार

उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक अभिलाष पांडे ने सभा के दौरान माढ़ोताल और हनुमानताल के सौंदर्यीकरण के उद्धार को लेकर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षण कराया गया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा जल संवर्धन अभियान 30 जून तक बढ़ा दिया गया है जितने भी ताल तलैया है उनका सरकार की तरफ से हर संभव संरक्षण संवर्धन किया जाएगा।

वीरांगना की शहादत पर हमें गर्व : प्रहलाद पटेल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि आज का दिन वीरांगना रानी दुर्गावती को नमन करने का दिन है। उनकी शहादत पर हमें गर्व है लेकिन यह दिन हमें हमारी संस्कृति और जमीन को रौंदने वाले लोगों की क्रूरता के इतिहास का स्मरण भी कराता है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हमने वह तिथियां भी देखी हैं जब इतिहास अपनी पुनरावृत्ति करता है। हमें दोनों पक्षों को याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है रानी दुर्गावती की 500 वीं जयंती में वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों में हम सभी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का भी सौभाग्य प्राप्त है कि चार दशक पहले जब हम समाधि स्थल पर नमन करने जाते थे। उनकी सरकार ने समाधि स्थल को विशाल और भव्य स्वरूप दिया है। उसके लिए मध्यप्रदेश की सरकार बधाई की पात्र है। श्री पटेल ने कहा कि उन्होंने दमोह जिले में स्थित सिंगौरगढ़ का वह किला भी देखा है। जो वीरांगना रानी दुर्गावती की पहली राजधानी थी। जब अकबर से युद्ध करने का समय आया तो रानी दुर्गावती ने नरसिंहपुर जिले में स्थित चौरागढ़ को अपनी राजधानी बनाया। जब हमारे पास संचार तंत्र नहीं था, तब रानी दुर्गावती का अनुमान उनकी दूरदर्शिता का प्रमाण है। मंत्री श्री पटेल ने सभा में उपस्थित लोगों को रानी दुर्गावती से संबंधित कलिंजर के किले का भी स्मरण कराया।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जबलपुर के कलाकारों द्वारा रानी दुर्गावती के जीवन चरित्र की अद्भुत प्रस्तुति करने पर कलाकारों को धन्यवाद भी प्रेषित किया। उन्होंने रानी दुर्गावती के जीवन चरित्र से जुड़े प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग ई.रमेश कुमार ने रानी दुर्गावती की पेंटिंग और पारितोष वर्मा द्वारा रानी दुर्गावती के जीवन पर आधारित पुस्तक वीरांगना दुर्गावती भेंट की। इस दौरान राज्य सभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीक, महापौर जगत बहादुर अन्नू, विधायक अजय विश्नोई, सुशील इंदू तिवारी, अशोक रोहाणी, डॉ अभिलाष पांडे, संतोष बरकड़े, नीरज सिंह के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया सहित अन्य जनप्रतिनधि व कमिश्नर अभय वर्मा, आईजी अनिल कुशवाहा, कलेक्टर दीपक सक्सेना, पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी व बड़ी तदाद में जन मानस उपस्थित थे।

रानी दुर्गावती अपनी प्रजा के लिए सिर्फ माँ थी : राकेश सिंह

इस अवसर पर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर कहा कि महारानी दुर्गावती बावन गढ़ों की मालकिन थीं पर अपनी प्रजा के लिए सिर्फ मां थी। इतिहास में उनके साथ न्याय नहीं हुआ लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहडोल जिले में आयोजित भव्य कार्यक्रम में न केवल वीरांगना रानी दुर्गावती को श्रद्धांजलि दी बल्कि उनकी 500 वीं जयंती को धूमधाम से मनाने का निर्णय भी लिया। मंत्री श्री सिंह ने रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति पर खुशी जाहिर की। श्री सिंह ने कहा कि रानी दुर्गावती के बारे में मुख्यमंत्री डॉ यादव की जानकारियां असीमित हैं। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती के सुशासन और जल प्रबंधन की गूंज संपूर्ण विश्व में है। रानी दुर्गावती ने 23 हजार गांवों को चिन्हित किया था। इन गांवों में समयानुसार होने वाली खेती की जानकारी थी। वह किसानों के साथ खेती के संबंध में निर्णय भी करती थी। उन्होंने कहा कि जितने भी युद्ध जीती थी उनकी स्मृति में अपने सहयोगियों के नाम पर तालाब बनाकर जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य करती थी। सुशासन और जल प्रबंधन के लिये वह हमेशा प्रेरणा स्त्रोंत रहेंगी।

मुख्यमंत्री ने वीरांगना रानी दुर्गावती को दी श्रृद्धाजंलि

जबलपुर। गोंडवाना साम्राज्य की महारानी अदम्य शौर्य, पराक्रम और स्वाभिमान की प्रतीक वीरांगना रानी दुर्गावती के 461 वें बलिदान पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सोमवार को यहाँ नरई नाला स्थित समाधि स्थल पहुँचकर पूजा.अर्चना की तथा वीरांगना को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ यादव के साथ प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने समाधि स्थल पहुँचकर वीरांगना रानी दुर्गावती को दी श्रद्धांजलि अर्पित की। जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह, विधायक सुशील कुमार तिवारी इंदु, संतोष वरकड़े, डॉ अभिलाष पांडे एवं नीरज सिंह, पूर्व विधायक श्रीमती नन्दिनी मरावी, भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष सुभाष तिवारी रानू भी इस अवसर पर मौजूद थे।

सीएम ने पौधा रोपा

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने समाधि स्थल पर रानी दुर्गावती अमर रहे के नारों के बीच रानी की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया तथा समाधि स्थल पर पौधे रोपे। रानी की समाधि पर पूजा और श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री ने समाधि स्थल पर ही रानी दुर्गावती के सुपुत्र वीरनारायण को भी पुष्पांजलि अर्पित की। डॉ यादव ने आदिवासी समाज के आराध्य बड़ादेव की पूजा अर्चना की।

मुख्यमंत्री ने शैला नृत्य किया

इसके पहले वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित करने समाधि स्थल पहुँचे मुख्यमंत्री डॉ यादव ने आदिवासी समाज के लोगों का अभिवादन किया। समाधि स्थल पर मुख्यमंत्री का स्वागत बैगा आदिवासी नर्तक दल ने शैला नृत्य किया। मुख्यमंत्री को आदिवासी नर्तकों ने खुमरी पहनाई। डॉ यादव भी इस मौके पर कुछ अलग अंदाज में नजर आये। उन्होंने मोहगांव, मंडला से आये इन आदिवासी नर्तकों के साथ मादल की थाप पर नृत्य किया। समाधि स्थल से प्रस्थान करते समय मुख्यमंत्री डॉ यादव बैगा नर्तक दल के सदस्यों से आत्मीयता से मिले। उन्होंने दल में शामिल कलाकारों को पाँच.पाँच हजार रुपये देने की घोषणा भी की।

वीरांगना रानी दुर्गावती की भूमि पर जन्म लेना हमारे लिए गौरव की बात: महापौर

जबलपुर।

मातृभूमि की रक्षार्थ आक्रमणकारी सेनाओं से वीरता पूर्वक युद्ध करते हुये अपने प्राणों का प्रेरणादायी बलिदान देषभक्ति का अप्रतिम आर्दश प्रस्तुत करने वाली गौड़वाना गढ़ा मण्ड़ला की महारानी वीरांगना रानी दुर्गावती के 461वें बलिदान दिवस परंपरागत तरीके से नगर निगम ने मित्रसंघ-मिलन दुर्गावती स्मृति रक्षा अभियान, कार्पोरेषन एथलेटिक संघ, एवं अन्य संस्थाओं के सहायोग से मनाया। नगर निगम द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह “अन्नू” के नेतृत्व में वीरांगना की बारहा स्थित समाधि स्थल तथा भंवरताल में प्रतिमा स्थल पर भव्यता के साथ कार्यक्रम आयोजित किये गए। इस मौके पर महापौर जगत बहादुर सिंह “अन्नू” ने अपने उद्बोधन में कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती माँ भवानी का अंश है। उन्होंने कहा कि हम सब गौरवशाली हैं कि जिस धरती को वीरांगना रानी दुर्गावती जी ने अपने खून से सिंचित किया उस धरती पर हम सब जन्में हैं और आज उनकी कीर्ति और शौर्य गाथा के कारण खुली हबा में स्वतंत्र होकर जीवन जीकर धन्य कर रहे हैं। मंच से महापौर जगत बहादुर सिंह “अन्नू” ने यह भी कहा कि हम सब आज धन्य है कि हमें इनके चरणों में वंदन अभिनंदन और पुष्पांजलि अर्पित करने का मौका मिला। इस अवसर पर जगत बहादुर सिंह “अन्नू” ने घोषणा की कि अगले साल इस आयोजन को और विशाल और भव्यता प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के मौके पर महापौर अन्नू ने विचार व्यव्त किये और वीरांगना रानी दुर्गावती की कीर्ति एवं गाथाओं का बखान किया और युवा पीढ़ी को संदेश दिया। महापौर जगत बहादुर सिंह “अन्नू” ने मंच से मित्रसंघ एवं मिलन के सहयोग की भी सराहना की। कार्यक्रम के दौरान निगमाध्यक्ष रिकुंज विज, मेयर इन काउंसिल के सदस्य डॉं. सुभाष तिवारी, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, पार्षद श्रीमती प्रतिभा भापकर, मित्रसंघ एवं मिलन के संयोजक सच्चिदानंद शेकटकर, सह संयोजक पारितोष वर्मा, नगर निगम के अपर आयुक्त आर.पी. मिश्रा, उपायुक्त मनोज श्रीवास्तव, शिक्षा अधिकारी बीना वर्गीस, खेल अधिकारी राकेश तिवारी, कार्यालय अधीक्षक दिलीप दुबे, प्राचार्य डॉं. शैलेन्द्र पाण्डेय, महेन्द्र विश्वकर्मा, साहित्यकार अभिमन्यू जैन, सुरेश मिश्रा, यू.एस. दुबे, डॉं व्ही.व्ही. श्रीवास्तव, एडवोकेट रविन्द्र श्रीवास्तव, हरिओम हजारी, राहुल अग्रवाल, अनिल ठाकुर, सतीश तिवारी आदि उपस्थित रहे।

विजेताओं को महापौर ने दिये पुरूस्कार

वीरांगना दुर्गावती मैराथन दौड़ प्रतियोगिता पुरूष तथा महिला वर्ग के खिलाड़ियों को महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू द्वारा पुरस्कार वितरण किये गए तथा विजेता बालक एवं बालिकाओं को प्रथम पुरूस्कार के रूप में 21 हजार, द्वितीय को 11 हजार, तृतीय को 51 सौ रूपये पुरस्कार के साथ-साथ 7-7 धावकों को सांत्वना पुरूस्कार के रूप में 2-2 हजार रूपये प्रदान किये गए। उन्होंने बैंडदल जो धुन की प्रस्तुति एवं पुलिस बल जिनके द्वारा सलामी दी गई उन्हें 5-5 हजार की पुरूस्कार राशि प्रदान किये। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र पाण्डेय ने किया तथा आभार प्रदर्शन सह संयोजक परितोष वर्मा ने किया।

पुलिस ने अपहृत नाबालिग को किया हाईकोर्ट के समक्ष पेश

आरोपी को दुष्कर्म व अपहरण के मामले में भेजा जेल

जबलपुर। पूर्व निर्देश के पालन में गढ़ा पुलिस ने अपहृत नाबालिग को हाईकोर्ट के समक्ष पेश किया। जस्टिस प्रणय वर्मा की एकलपीठ ने बच्ची को मां के साथ घर जाने का आदेश दिया। वहीं आरोपी को दुष्कर्म व अपहरण की धाराओं के तहत जेल भेज दिया गया। जबलपुर निवासी याचिकाकर्ता नाबालिग की मां की ओर से अधिवक्ता अक्षय झा व अतुल जैसवानी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि एक युवक ने नाबालिग पुत्री को बंधक बनाया है। इस सिलसिले में इंस्टाग्राम पर नाबालिग के साथ उक्त युवक की पोस्ट की गई फोटो का हवाला भी दिया गया। इसके बावजूद गढ़ा पुलिस ने कार्रवाई नहीं कर रही है। याचिका में कहा गया कि 14 वर्षीय नाबालिग सात मई को अचानक लापता हो गई थी। पतासाजी के बाद नौ मई को उसके गायब होने की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने अपहरण का प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लिया था। इसके बाद लापता बेटी का घर पर फोन आया था। इतना ही नहीं बेटी के इंस्टाग्राम आईडी से बेटी तथा एक युवक की फोटो अपलोड की गयी थी। इस संबंध में उन्होंने संबंधित थाने व पुलिस अधीक्षक को सूचित किया था। इसके बावजूद पुलिस उसकी बेटी को तलाशने के लिए कोई ठोस कार्यवाही नहीं कर रही है। विगत 20 जून को कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए थे कि नाबालिग को ढूंढ़ कर पेश करें।

रोड डिवाइडर पर लगी नुकीली लोहे की जालियां हटाने की हाईकोर्ट बार अध्यक्ष ने की मांग

कलेक्टर को लिखा पत्र दी सड़क हादसों की जानकारी

जबलपुर। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर के नव निर्वाचित अध्यक्ष धन्य कुमार जैन न केवल अधिवक्ता समुदाय के कल्याण बल्कि व्यापक जनहित से जुड़े पर भी आवाज बुलंद कर रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने कलेक्टर दीपक सक्सेना को पत्र लिखकर अधारताल जोन अंतर्गत धनी की कुटिया की दोहरी सड़क के बीच लगी लोहे की जालियां हटाए जाने पर बल दिया है। ऐसा इसलिए क्योंकि पौधारोपण अभियान अंतर्गत लगाई गई ये जालियां ऊपर से नुकीली होने के कारण सड़क हासदों का सबब बन रही हैं। पत्र में साफ किया गया है कि यादि शीघ्र शिकायत दूर न की गई तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही दोषी अधिकारियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कराए जाएंगे। इससे पूर्व नगर निगम के अधारताल कार्यालय के अलावा महापौर व पार्षद से शिकायत की गई थी। लेकिन गंभीरता नहीं बरती गई। स्कूल के नजदीक थोड़े से स्थान पर नुकीली सरिया को मुडवा कर कर्त्तव्य की इतिश्री मात्र कर ली गई। सवाल उठता है कि जब पौधे पेड़ बन गए हैं तो जालियों का क्या औचित्य।

लोगों का पैदल चलना तक हुआ मुश्किल

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल जगह-जगह लगे कचरे के ढेर

सिहोरा। नगर पालिका सफाई कर्मचारियों के हड़ताल पर बैठने से शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से डगमगा गई है। पिछले करीब चार दिनों से अगर शहर की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया जाये तो हाल हर जगह पर कूड़ा-करकट के ढेर लगे हुए हैं। ऐसे में सड़कों एवं नालियों की साफ-सफाई कचरे को उठाने के लिए एक भी सफाई कर्मचारी काम पर नहीं आ रहा है। शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में पालिका द्वारा बनाए गए डंपिंग ग्राउंड्स का हाल इन दिनों ऐसा है कि उसके बाहर भारी मात्रा में कचरा फैला हुआ है। ऐसे में जहां पूरे इलाके गंदी बदबू फैली हुई है, वहीं शहर की सुंदरता भी पूरी तरह से प्रभावित है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होती, तब तक उनका रोष ऐसे ही जारी रहेगा और भविष्य में यह कड़ा रूप धारण करेगा।

मुख्यमार्गों से लेकर अंदरूनी मार्गों तक फैला कचरा

विगत चार दिनों से सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते मुख्य मार्गो सहित आंतरिक मार्गों में जगह-जगह लगे कचरे के ढेर अब दुर्गंध करने लगे हैं जिसके चलते स्वच्छता के साथ-साथ वातावरण पूरी तरह से प्रदूषित होता जा रहा है। सड़क किनारे लगे कचरे की ढेर को आवारा पशुओं द्वारा फैलाने के कारण नालियां भी चौंक हो गई है जिसके चलते गंदा पानी सहित कचरा सड़कों पर बह रहा है। गंदगी एवं दुर्गंध ने लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालना प्रारंभ कर दिया है यदि हालात शीघ्र नहीं सुधरे तो भयानक बीमारियों के प्रकोप से आम जन जीवन बुरी तरह प्रभावित हो सकता है।

क्या है सफाई कर्मचारियों की मांग

सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारी का कहना है कि नगर को स्वच्छ एवं स्वस्थ रखने में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले कर्मचारीयों को समय से वेतन तक प्राप्त नहीं हो रहा है प्रतिमाह 20 तारीख के बाद ही वेतन प्राप्त होता है वहीं नगर पालिका अन्य विभागों मे विनियमित कर्मचारियों की संख्या तो बड़ा रही है लेकिन चुनाव के दौरान घोषणा के बाद भी सफाई कर्मचारियों की संख्या नहीं बढ़ाई जा रही जबकि नगर पालिका क्षेत्र में बसाहट का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। बढ़ते बसाहट क्षेत्र को देखते हुए न्यूनतम 50 सफाई कर्मचारियों की भर्ती की मांग नगर पालिका सफाई कर्मचारी संघ ने की है।

92 पद के विरुद्ध 200 सफाई कर्मी

नगर पालिका स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्वक्षता कर्मी के कुल 92 स्विक्रत पद के विरुद्ध 200 सफाई कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं जिनका वेतन निकाय निधि चुंगी क्षतिपूर्ति से बा मुश्किल किया जा रहा है ऐसे में सफाई कर्मचारियों के नियुक्ति का फैसला प्रेसिडेंट इन काउंसिल में ही संभव हो सकता है। नगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग एवं सफाई कर्मचारी संघ के अपने-अपने दावों का खामियाजा नगर के आमजन को भोगना पड़ रहा है।

फैक्ट फाइल

नियमितकर्मी/विनियमितकर्मी/दैनिक श्रमिक की संख्या	- 370
सफाई कर्मी की संख्या	- 200
अन्य शाखा में कार्यरत	- 170
स्वीकृत पदों की संख्या	- 207

कल तक हो जाएगा निराकरण

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का कल तक निराकरण हो जाएगा। सफाई कर्मचारी संघ की वेतन संबंधी सहित अन्य मांगों का निराकरण कर दिया गया है वहीं सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाए जाने की मांग को 15 दिनों के अंदर प्रेसिडेंट इन काउंसिल की बैठक में रखने का लिखित में दे दिया है।

जयश्री चौहान
मुख्य नगर पालिका अधिकारी

ग्राम पंचायत खुडावल के सरपंच की अनुकरणीय पहल

कनाडी नदी को मिला पुनर्जीवन

सिहोरा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के जल गंगा अभियान में पारंपरिक जल स्त्रोत नदी तालाब बावड़ी कुआं का जीर्णोद्धार कर सभी स्त्रोतों वर्षा जल के संरक्षण बनाने का सफल क्रियान्वयन का उदाहरण मझौली तहसील की पड़ोसी ग्राम पंचायत खुडावल के सरपंच पंडित गजेंद्र खंपरिया ने प्रस्तुत किया है सिहोरा से महज 3 किलोमीटर दूर स्थित वीर सैनिकों की धरा नाम से विख्यात ग्राम खुडावल के किसानों को अच्छी फसल उत्पादन और खुशहाली देने वाली हिरन नदी की सहायक कनाड़ी नदी किसानों की जीवन रेखा है। सिहोरा खुडावल मार्ग में स्थित कनाडी नदी में 10 साल पहले तक साल भर पानी रहता था और गर्मी में बच्चे अठखेलियां करते थे लेकिन पर्यावरण में आए तेजी से बदलाव से कनाडी नदी की धार ठंड आते-आते थम जाती और गर्मी आने के पहले पूरी नदी सूख जाती थी। इससे किसानों को सब्जी एंव मूंग उड़द की फसल उगाने में दिक्कत जाती थी। किसानों ने जब ग्रांम सरपंच को अपनी समस्या बताई तो उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव के जल गंगा अभियान को सफल बनाने की कड़ी में कनाड़ी नदी का जीर्णोद्धार कर उसे नया जीवन देने का बीड़ा उठाया सरपंच के आवाहन पर ग्राम पंचायत के पचास से अधिक किसान कनाडी नदी को नया जीवन देने के भागीरथी प्रयास में जुट गए किसानों की मेहनत रंग लाई और कनाडी नदी का गांव के खेतों तक सिंचाई का लगभग एक किलोमीटर लंबाई क्षेत्र की खुदाई में नदी में जमी सिल्ट बाहर आने से कनाड़ी नदी को एक बार फिर नया जीवन मिल गया ।

इनका कहना है

कनाडी नदी का जीर्णोद्धार कर उसे नया जीवन देने का काम बिना किसी शासकीय सहयोग से ग्राम पंचायत खुडावल के वीर किसानो की मेहनत से हुआ है।

गजेंद्र खंपरिया

रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर किया उनका पुण्य स्मरण

पाटन। आज 500 वर्ष बाद भी यदि हम रानी दुर्गावती का पुण्य स्मरण कर रहे हैं तो इसका कारण उनका राज परिवार की बेटी होना नहीं बल्कि उनकी दूरगामी सोच उनका शौर्य, उनकी जन कल्याणकारी नीतियां, अद्भुत पराक्रम है ! केवल 40 वर्ष का अल्पकालीन जीवन भी हम सबके लिए प्रेरणादाई है ! रानी दुर्गावती का जल प्रबंधन तो विश्व स्तरीय था, उनके जल संरक्षण के मानक आज के वैश्विक मानकों के अनुरूप हैं। उक्त उद्गार मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद एवं उनके सहयोगी संगठनों द्वारा दीनदयाल उपाध्याय स्टेडियम मूर्ति स्थल के समीप आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने व्यक्त किये, इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ विशाल रैली ने नगर भ्रमण किया। आयोजन में जिला पंचायत सदस्य मनोहर सिंह,उदयभान सिंह ठाकुर, पूर्व प्राचार्य राघवेंद्र शुक्ला ,मुकेश दुबे, जनपद सदस्य मीना ठाकुर ,बसंत तेकाम , प्रकाश सिंह कुलस्ते, श्याम तिवारी, पप्पू करपेती, जगदीश सिंह ठाकुर, हूमन सिंह, किशोरी मरकाम ,राम श्याम ताराम ,नरेंद्र सिंह ,दुर्जन सिंह परतेती, मंगल सिंह मरकाम, गोविंद सिंह एवं संदीप सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में जनजाति समाज के बंधु भगिनी उपस्थित थे।

स्कूल में हुआ कापी-किताबों का वितरण

सिहोरा। वामा शिक्षा समिति द्वारा ए वी किडीज स्कूल महाराजपुर में मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा चलाए गए स्कूल चलें अभियान के तहत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कॉपी किताबों का वितरण किया गया समिति के अध्यक्ष जगमोहन त्रिपाठी के कर कमलों से छात्र-छात्राओं को किताबें कॉपियों तथा लेखन सामग्री प्रदान की गई कार्यक्रम में स्कूल की प्राचार्य श्रीमती मधु त्रिपाठी ,उप प्राचार्य रेखा तिवारी,कीर्ति,संध्या मिश्रा,सपना ठाकुर सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

दुर्गावती के बलिदान दिवस पर किया गया 251 पौधों का पौधारोपण

सिहोरा। गोंडवाना साम्राज्य की परमप्रतापी रानी दुर्गावती का 461 वा बलिदान दिवस समारोह रानी मां की बगिया नया गांव राजा भंडरा(पचेल गढ़) में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नीलेश प्रताप सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा पुष्प हार चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात रानी मां की बगिया जो हजारों वर्ष पहले की है समय के चलते क्षतिग्रस्त ग्रस्त होती गई जिसमे पुनः पौधे लगाकर पर्यावरण को सवारने की पहल की गई, जिसमे सर्वप्रथम 9 कन्याओं द्वारा पौधे रोपे गए। तथा लगभग 3-4 एकड़ में फलदार पौधों का रोपण किया गया।गोंड समाज महासभा सिहोरा, पचेल गढ़ महासभा,जय मां रेवा जनविकास समिति एवं गोंडीयन चेरिटेबल ट्रस्ट जैसे संगठनों का सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में नवनीत सिंह तहसील अध्यक्ष गोंड समाज महासभा सिहोरा,विशिष्ट अतिथि के रूप में सुशील मरावी,वीरेंद्र पटेल आदि उपस्थित थे।

भव्य स्वर्ण कलश रोहन समारोह संपन्न

पाटन। परम पूज्य आचार्य गुरुदेव विद्यासागरजी के आशीर्वाद से से निर्मित श्री महावीर जिनालय पाटन का परम पूज्य आचार्य श्री समय सागरजी महाराज के आशीर्वाद से एवं निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर जी मुनि श्री पदम सागर जी मुनिश्री शीतल सागर जी के पावन सानिध्य में बाल ब्रह्मचारी जिनेश भैया जी एवं बाल ब्रह्मचारी श्री अंकित भैयाजी सहज के निर्देशन में संपन्न हुआ स्वर्ण कलश स्थापना का सौभाग्य रत्नचंद बजाज परिवार पाटन को एवं धर्म ध्वजा का सौभाग्य पन्नालाल जी जैन को प्राप्त हुआ चतुर्विद् संघ के सानिध्य में याग मंडल विधान संपन्न हुआ और आसपास क्षेत्र में सभी हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में भव्य 6 फुट का स्वर्ण कलश एवम 12 कलश शिखर पर स्थापित किये गए मुनिश्री की मांगलिक प्रवचन संपन्न हुए सभी का आभार प्रशांत पाल बजाज द्वारा किया।

प्रवेश उत्सव मनाकर नन्हे-मुन्ने बच्चों को दिया आशीर्वाद

पाटन। नगर स्थित तान्या कॉन्वेंट हायर सेकंडरी विद्यालय पाटन में आज सत्र के प्रथम दिवस में प्रवेश उत्सव बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया गया जिसमें नव प्रवेशित नन्हे मुन्ने नौनिहालों को फूल माला ,मिठाई, टॉफी एवं उपहार के रूप में कॉपी,पेंसिल देकर उनका स्वागत किया तथा उन्हें आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह,अध्यक्ष ठाकुर राकेश सिंह ,मुख्य वक्ता जिला प्रचारक मोहन जी एवं विशिष्ठ अतिथि जिला सह सरकार्यवाह नंदकिशोर पटेल,एड देवेंद्र यादव भाजपा जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष, देवकुमार यादव उपाध्यक्ष नगर परिषद, ब्रजमोहन सिंह कृषक ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर एवं माँ वीणा पाणी की पूजन अर्चन कर किया । कार्यक्रम में बच्चों में बड़ा ही उल्लास पूर्ण वातावरण था तथा सामूहिक रूप से की गई पुष्प वर्षा ने उनको मंत्र मुग्ध कर दिया। अंत मे संस्था के प्राचार्य चरण सिंह ठाकुर ने इस अवसर पर बच्चों को आशीर्वचन देते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का संयोजन संस्था के उपप्राचार्य सुजीत सिंह ठाकुर ने तथा संचालन नीरज पटेल ने किया इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक बृजेश विश्वकर्मा ,जसपाल सिंह, हेमंत शर्मा ,अनिल पटेल ,कमलेश नामदेव ,अंशुल दुबे , श्रीमती मनीषा ठाकुर ,अनीता पटेल ,अंजलि श्रीवास ,अर्चना बर्मन सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

व्हीव्हीआईपी गेट पर कटी भाजपा नेता की जेब

जबलपुर। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर खास उस व्हीआईपी गेट में एक भाजपा कार्यकर्ता की जेब कट गई। जिस गेट से मुख्यमंत्री और अन्य व्हीआईपी प्रवेश कर रहे थे। बताया गया है कि भाजपा नेता शुभम अवस्थी जब विटनरी कॉलेज ग्राउंड में बने व्हीव्हीआईपी गेट से प्रवेश कर रहे थे तभी उनकी जेब किसी ने काट ली। जेब में रखे 5 हजार रुपए चोरी हो गए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब व्हीव्हीआईपी गेट पर सुरक्षा की यह व्यवस्था रही तो आमजनता की बैठने की जगह तो और ज्यादा असुरक्षित रही होगी।

शराब पीने के लिए रुपए देने से मना करने पर मारपीट, महिला सहित 5 घायल

जबलपुर। बेलबाग और पनागर थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपए देने से मना करने की बात पर बदमाशों ने मिलकर चार युवकों और बीच बचाव करने आई एक महिला के साथ मारपीट कर चोटें पहुंचा दी। बेलबाग पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस सुबह 9.30 बजे चौधरी मोहल्ला भानतलैया निवासी 35 वर्षीय धर्मेन्द्र चौधरी के घर के सामने रखी बल्ली महेश चौधरी उठाने लगा, जिसे उसने मना किया तो, महेश शराब पीने के लिए उससे रुपए मांगने लगा, रुपए देने से मना करने पर गालीगलौज कर अपने घर के अंदर गया और अपने बेटे रोहित और राहुल के साथ तलवार लेकर आया और उसके साथ मारपीट कर दी, उसकी माँ और भांजे अनुज ने बीच बचाव किया तो उनके साथ भी मारपीट कर चोटें पहुंचा दी। रिपोर्ट पर धारा 294,323,324,327,34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है। इसी प्रकार पनागर सकरी निवासी 25 वर्षीय पूरनलाल यादव अपने ममेरे भाई विकास के साथ पेट्रोलपंप से डीजल लेकर सकरी जा रहा था। रास्ते में छतरपुर रोड पर राहुल यादव, शेखर, रवि कुशवाहा और अमन कोरी मिले और शराब पीने के लिए रुपए की मांग करने लगे, उसने रुपए देने से मना किया तो चारों गालीगलौज करने लगे, मना करने पर चारों ने दोनों के साथ मारपीट कर चोटें पहुंचा दी। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 294, 323,327 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई

जबलपुर। शहर पुलिस ने जुआ, सट्टा खिलाने वालों एवं अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार, के कारोबार में लिप्त आरोपियों के साथ-साथ ही चोरी, नकबजनी, एवं मारपीट करने वालें आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। कंट्रोल रुम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 22 आरोपियों के विरूद्ध धारा 110 जा.फौ. के तहत, तथा वाद विवाद करने वाले 81 व्यक्तियों के विरूद्ध 107/116 जा.फौ. के तहत, एवं 25 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 151 जा.फौ. के तहत की गयी है, इसी प्रकार, 3 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है तथा 30 व्यक्तियों के विरूद्ध 34 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 173 पाव देशी/अंग्रेजी एवं 21 लीटर कच्ची शराब, जप्त की गयी तथा 4 व्यक्तियो के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 1तलवार, 1 बका, 2 चाकू जब्त किये गये।

ईसीसी सोसायटी चुनाव के लिए रेल मजदूर संघ ने की द्वार सभा

जबलपुर। 110 वर्षे से लाल झंडा यूनियन संचालित ईसीसी सोसायटी में रेल कर्मचारियो के खून पसीने की कमाई के पैसे की बंदरवॉट की जा रही है। सोसायटी के चीफ मैनेजर की सैलरी रेल अधिकारियो, रेलवे बोर्ड के अधिकारियो से भी कही ज्यादा है, उव्त खुलासा महाप्रबंधक कार्यालय में रेल मजदूर संघ ने आयोजित द्वार सभा में किया। संघ के मंडल सचिव डी.पी. अग्रवाल व संघ प्रवव्ता, संयुव्त महामंत्री सतीष कुमार ने कहा कि पुरानी प्रणाली के हिसाब से सोसायटी चलाकर सोसायटी को कई दषकों पीछे कर दिया है। संघ डिजिटल ऑन लाईन प्रक्रिया व पारदर्षी प्रणाली से कम ब्याज दर घटते क्रम में बिना जमानतदार के तत्काल लोन एप के माध्यम से दिया जायेगा। प्रत्येक लेन देन पर एसएमएस अलर्ट सुविधा, सोसायटी में पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया , सीएमटीडी सुविधा, एटीम से निकासी सुविधा समेत शेयर होल्डर कर्मचारियों के हित में कार्य किया जायेगा।

संघ के अवधेश तिवारी, एस.के. वर्मा, बॉबी धौलपुरी आदि वक्ताओं ने सोसायटी संचालकों पर भ्रष्टचार का आरोप लगाते हुए कहा कि सोसायटी में अनाप सनाप पैसा खर्च कर, घोटाले में लिप्त है कर्मचारियों ने बदलाव का मन बना लिया है सत्ताधारी बौखलाकर अनाप शनाप बाते कर मतदाताओं को भ्रमित कर रहे है। इस सभा में "गाय" चुनाव चिन्ह के पैनल प्रत्याशी रोशन सिंह यादव, आरए सिंह, संजय चौधरी, संतोष त्रिवेणी, भूपत सिंह, योगेन्द्र कुमार, शरद कुमार, दुर्गा तिवारी, विकास चंद्र, अफजल हाशमी, संजय कुमार सिंह श्यामकला श्रीवास्तव आदि ने संघ "गाय" को बहुमत मिलने पर सभी वादे पूरे करने का संकल्प लिया।

आटो में अवैध रूप से हो रही थी घरेलू गैस रिफलिंग

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत ग्राम फूटाताल में आटो में अवैध रुप से घरेलू गैस सिलेंडर से गैस रिफलिंग कर रहे एक आरोपी को गिफ्तार कर उसके कब्जे से एक घरेलू गैस सिलेंडर, एक इलेक्ट्रानिक तराजू और एक विद्युत मोटर जब्त की है। पनागर थाना प्रभारी अजय बहादुर सिंह ने बताया कि पनागर निवासी 35 वर्षीय विक्की उर्फ दुर्गा प्रसाद शर्मा गत दिवस ग्राम फूटाताल में आटो में घरेलू गैस सिलेण्डर से रिफलिंग कर रहा था। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी विक्की उर्फ दुर्गा प्रसाद शर्मा को गिरफ्तार कर लिया वहीं पुलिस को देखकर आटो चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 घरेलू गैस सिलेण्डर, 1 इलेक्ट्रानिक तराजू एवं 1 विद्युत मोटर जप्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध धारा 285, 34 एवं 3, 7 ईसी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए मामला जांच में लिया है।

श्री शिवचरण (गुड्डा) दीक्षित-सदर बाजार गली नंबर 10 कैंट निवासी श्री शिवचरण (गुड्डा) दीक्षित का लंबी बीमारी के चलते सोमवार को देवलोक गमन हो गया है। अंतिम यात्रा आज मंगलवार 25/06/24 को सुबह 10:00 बजे निज निवास से मुक्तिधाम ग्वारीघाट के लिए प्रस्थान करेगी ।

श्री संजय गुप्ता- कछपुरा गणेश नगर निवासी श्री संजय गुप्ता (97) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री निर्मल कुमार रैकवार- हनुमानताल निवासी श्री निर्मल कुमार रैकवार (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मालती राजपूत- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री वीरेंद्र सिंह राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती मालती राजपूत (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री पारस अहिरवार- सिंधी कैंप ठक्कर ग्राम निवासी श्री राजेश अहिरवार के पुत्र श्री पारस अहिरवार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सद्दू बर्मन- ललपुर ग्वारीघाट निवासी श्री मौली बर्मन के पुत्र श्री सद्दू बर्मन (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सावित्री बाई बंशकार- प्रेमसागर साहू मोहल्ला निवासी श्री महेश बंशकार की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री बाई बंशकार (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती प्रमिला टेमले- छापर रामपुर निवासी श्री विकास टेमले की धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला टेमले (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सुश्री नीलम पिल्ले- आजाद नगर गोकलपुर निवासी श्री गोविंद पिल्ले की पुत्री सुश्री नीलम पिल्ले (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती अनीता- शिवशक्ति नगर महाराजपुर निवासी श्री शिव कुमार धुर्वे की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ममता खरे- शक्ति नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री हरीश खरे की धर्मपत्नी श्रीमती ममता खरे (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती शांता पटेल- चिमनी प्लाट महानद्दा रोड स्थित गुजराती कॉलोनी निवासी श्री सुंदर लाल पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती शांता पटेल (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइजः-	8x4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइजः-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभागः-0761-4048310, 2757175

खबर संक्षेप

सोने में 120 रुपए की गिरावट और चांदी 400 रुपए टूटी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सोना 120 रुपये के नुकसान के साथ 73,480 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी पिछले बंद भाव के मुकाबले 400 रुपये की गिरावट के साथ 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी।

एलएंडटी को बिहार में मिला सौर संयंत्र का ठेका

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एलएंडटी को बिहार में ग्रिड से जुड़े सौर संयंत्र और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली बनाने का महत्वपूर्ण ऑर्डर मिला है। अनुबंध का मूल्य 1,000 करोड़ रुपये से 2,500 करोड़ रुपये के बीच होता है। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में कहा कि यह ठेका एलएंडटी के बिजली पारेषण और वितरण खंड को मिला है।

क्रिसुमी आवास निर्माण पर करेगी 2000 करोड़ निवेश

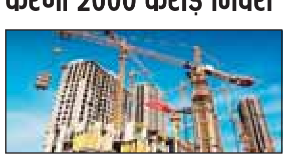

नई दिल्ली। रियल्टी एस्टेट कंपनी क्रिसुमी कॉरपोरेशन गुरुग्राम में आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग के बीच अपनी विस्तार योजना के तहत 1,051 लग्जरी अपार्टमेंट बनाने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। जापान की सुमितोमो कॉरपोरेशन का संयुक्त उद्यम है। यह गुरुग्राम के सेक्टर-36ए में पहले से ही एक बड़ी लग्जरी टाउनशिप 'क्रिसुमी सिटी' विकसित कर रहा है।

ब्रिटानिया के तारातला संयंत्र में वीआरएस योजना स्वीकार

कोलकाता। रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कोलकाता के तारातला कारखाने के सभी स्थायी कर्मचारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) स्वीकार कर ली है। स्थायी कर्मियों द्वारा वीआरएस स्वीकार किये जाने से कंपनी के कारोबारी परिचालन पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा।

चालू खाते में 5.7 अरब डॉलर का अधिशेष

मुंबई। देश के चालू खाते में इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में अधिशेष की स्थिति रही और यह 5.7 अरब डॉलर रहा जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 0.6 प्रतिशत है। आरबीआई ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक साल पहले की समान तिमाही में चालू खाता में 1.3 अरब डॉलर के घाटे की स्थिति थी जो जीडीपी का 0.2 प्रतिशत थी।

सोनी पिक्चर्स ने बनर्जी को किया नया सीईओ नियुक्त

नई दिल्ली। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) ने डिज्नी के पूर्व कार्यकारी गौरव बनर्जी को अपना प्रबंध निदेशक और सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की है। उनकी नियुक्ति 26 अगस्त या उससे पहले प्रभावी होगी। यह नियामकीय मंजूरियों पर निर्भर करेगा। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) ने सोमवार को बयान में कहा कि बनर्जी, एन पी सिंह की जगह लेंगे, जो 25 साल के कार्यकाल के बाद गैर-कार्यकारी चेयरमैन की भूमिका में आ जाएंगे।

पहले से कहीं अधिक मजबूत समूह, सर्वश्रेष्ठ आना बाकी : अदाणी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- समूह ने दिया सबसे कम कर्ज अनुपात का हवाला

जाने-माने उद्योगपति गौतम अदाणी ने सोमवार को कहा कि उनका बंदरगाह से लेकर ऊर्जा कारोबार से जुड़ा समूह पहले से कहीं ज्यादा मजबूत है और इसका सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है। उन्होंने रिकॉर्ड कमाई, नकदी की मजबूत स्थिति और सबसे कम कर्ज अनुपात का हवाला देते हुए यह बात कही। अदाणी ने कहा कि भारत 2032 तक 10,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है और बुनियादी ढांचे के 20-25 प्रतिशत की दर से बढ़कर 2,500 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। 'ऐसे में अदाणी समूह एक बुनियादी ढांचा कंपनी होने के नाते आने वाले इस अवसर का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में है।'

बंदरगाह से लेकर ऊर्जा कारोबार से जुड़ा है समूह

नवीकरणीय ऊर्जा पार्क का विकास

अदाणी ने गुजरात के खावड़ा में अपने समूह द्वारा विकसित किए जा रहे 30 गीगावाट (30,000 मेगावाट) क्षमता की नवीकरणीय ऊर्जा पार्क का उल्लेख किया। यह सौर पार्क बेल्जियम और स्विट्जरलैंड जैसे देशों को बिजली देने के लिए पर्याप्त होगा। धारावी पुनर्विकास का जिक्र किया जो दुनिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती में आमूल-चूल बदलाव लाएगा।

हमने 45 फीसदी की वृद्धि हासिल की

अदाणी ने कहा, 'हमने जो कदम उठाया, उसके परिणाम वित्तीय आंकड़ों में दिखते हैं। हमने 2023-24 में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की। हमने 82,917 करोड़ रुपये यानी लगभग 10 अरब डॉलर का अपनी उच्चतम कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) अर्जित की। इसमें 45 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

अदाणी हुए 62 साल के

समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लि. के शेयरधारकों की सालाना बैठक में उन्होंने पिछले साल अमेरिकी निवेश और शोध कंपनी की रिपोर्ट के बाद आए अभूतपूर्व संकट का जिक्र किया। सोमवार को 62 साल के हुए अदाणी ने कहा, हमें एक विदेशी निवेश और 'शॉर्ट सेलर' कंपनी के निराधार आरोपों का सामना करना पड़ा।

अदाणी ने हिंडनबर्ग के आरोपों से किया था इंकार

हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह पर शेयरों के मूल्य में हेराफेरी, अकउंटिंग के स्तर पर धोखाधड़ी, मुखौटा कंपनियों का एक जटिल जाल बनाकर नियमों की अनदेखी कर समूह की कंपनियों में निवेश करने जैसे आरोप लगाये।

रिटेलर 3000 मीट्रिक टन तक गेहूं का स्टॉक रख सकते हैं

केंद्र ने गेहूं पर भंडारण सीमा लगाई, कीमतों पर नियंत्रण के लिए आयात शुल्क घटाने पर विचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली।

केंद्र ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने के किसी भी प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया और कहा कि खुदरा कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए जरूरत पड़ने पर खाद्यान्न पर आयात शुल्क में कमी सहित अन्य नीतिगत विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। वर्तमान में गेहूं पर 40 प्रतिशत आयात शुल्क है।

देश में गेहूं की पर्याप्त उपलब्धता

निर्णय की घोषणा करते हुए केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि देश में गेहूं की पर्याप्त उपलब्धता है और बाजार में सट्टेबाजी और खाद्यान्न की जमाखोरी को रोकने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

गेहूं की कमी सिर्फ 3 लाख टन सिर्फ

चोपड़ा ने समझाया कि इसलिए गेहूं की कमी (शुरुआती स्टॉक में) सिर्फ 3 लाख टन का ही है। खाद्य कानून और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की आवश्यकता को पूरा करने के बाद, जो लगभग 184 लाख टन है, आवश्यकतानुसार बाजार में हस्तक्षेप करने के लिए गेहूं का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

केंद्र ने सोमवार को थोक और खुदरा विक्रेताओं के साथ प्रसंस्करणकर्ताओं के लिए गेहूं भंडार रखने की सीमा को तय कर दिया। इस पहल का मकसद जमाखोरी को रोकना और कीमतों को काबू में रखना है। गेहूं पर स्टॉक सीमा 31 मार्च, 2025 तक वैध रहेगी।

- गेहूं पर स्टॉक सीमा 31 मार्च 2025 तक वैध रहेगी
- पहल का मकसद जमाखोरी को रोकना व कीमतों पर काबू पाना है
- गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने से केंद्र ने किया इंकार

सभी राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों के लिए लागू

यह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 31 मार्च, 2025 तक लागू रहेगा। स्टॉक सीमा प्रत्येक इकाई पर व्यक्तिगत रूप से लागू होगी। जैसे व्यापारी/थोक व्यापारी- 3000 टन, बड़े खुदरा श्रृंखला विक्रेता- प्रत्येक बिक्रीकेन्द्र के लिए 10 टन तथा उनके सभी डिपो और प्रोसेसर के लिए 3000 टन है।

तुअर व चना दाल पर भी स्टॉक सीमा लगी

चोपड़ा ने कहा, 'मैं देश में गेहूं की कमी को दूर करना चाहता हूं...हम चाहते हैं कि गेहूं की कीमतें स्थिर रहें।' पिछले हफ्ते केंद्र ने कीमतों पर लगाम लगाने के लिए तुअर और चना दालों पर स्टॉक सीमा लगा दी थी।

आदेश आज से ही प्रभावी

यदि उनके पास मौजूद स्टॉक निर्धारित सीमा से अधिक है तो उन्हें इस अधिसूचना के जारी होने के 30 दिनों के भीतर इसे निर्धारित स्टॉक सीमा तक लाना होगा। एक सरकारी बयान के अनुसार लाइसेंस आवश्यकताएं हटाना, स्टॉक सीमाएं और निर्दिष्ट खाद्य पदार्थों पर आवाजाही प्रतिबंधों को हटाना (संशोधन) आदेश 24 जून 2024 से प्रभाव में आ गया है।

हर शुक्रवार को स्टॉक की घोषणा करनी होगी

चोपड़ा ने कहा कि स्टॉक सीमा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के व्यापारियों/थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करणकर्ताओं पर लागू होगी। उन्हें हर शुक्रवार को एक पोर्टल पर गेहूं के स्टॉक की घोषणा करनी होगी।

टाटा मोटर्स के विभाजन से तालमेल बैठाने में मदद मिलेगी : चंद्रशेखरन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- टाटा मोटर्स के 79वीं वार्षिक आमसभा को चेयरमैन ने संबोधित किया

घरेलू वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि मौजूदा वाहन कारोबार को दो सूचीबद्ध इकाइयों में बांटने से यात्री वाहन एवं जेएलआर खंडों के बीच ईवी और स्वचालित वाहनों के क्षेत्र में तालमेल बिठाने में मदद मिलेगी। टाटा मोटर्स की 79वीं वार्षिक आमसभा (एजीएम) को संबोधित करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि प्रस्तावित विभाजन से प्रत्येक कंपनी ग्राहकों को बेहतर अनुभव, कर्मचारियों के लिए बेहतर विकास संभावनाएं और शेयरधारकों के लिए बेहतर मूल्य प्रदान करने में सक्षम होगी। चंद्रशेखरन ने कहा, 'इस कदम से यात्री वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और जेएलआर में विशेष रूप से ईवी, स्वचालित वाहनों (एवी) और वाहन सॉफ्टवेयर के क्षेत्रों में काफी तालमेल सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।' यात्री वाहन खंड को दो अलग-अलग सूचीबद्ध इकाइयों में विभाजित करने की घोषणा की थी।

ग्राहक अनुभव को बढ़ाने पर ध्यान

चंद्रशेखरन ने शेयरधारकों से कहा कि ये तीनों व्यवसाय अपनी वित्तीय ताकत में सुधार और ग्राहक अनुभव को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे। इनकी रणनीति अपनी बाजार स्थिति, ब्रांड की ताकत और वृद्धि आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक लक्षित और परिष्कृत होगी।

इस साल रेंज रोवर का पहला ईवी मॉडल

इसके साथ ही टाटा मोटर्स के चेयरमैन ने कहा कि अगले तीन वर्षों में पेश किए जाने वाले उत्पादों की एक रोमांचक श्रृंखला है। इस साल कंपनी रेंज रोवर मॉडल का पहला इलेक्ट्रिक संस्करण लाने वाली है और आने वाले समय में जगुआर का इलेक्ट्रिक अवतार भी पेश करने की योजना है।

मेटा एआई अब भारत में व्हाट्सएप, फेसबुक व मैसेंजर पर भी उपलब्ध

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मेटा ने भारत में अपने एआई असिस्टेंट 'मेटा एआई' को व्हाट्सएप, फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम और मेटा.एआई पोर्टल पर उपलब्ध कराने की घोषणा की है।

सोशल मीडिया क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि इसके साथ लोग अब मेटा एआई का इस्तेमाल उसके विभिन्न ऐप पर फीड्स और चैट में कर अपना काम पूरा कर सकेंगे, सामग्री बना सकेंगे और किसी विषय में गहराई तक जा सकेंगे और इसके लिए उन्हें उस ऐप से हटना नहीं होगा, जिसका वे इस्तेमाल कर रहे हैं।

मेटा एआई दुनिया के अग्रणी एआई असिस्टेंट में से है। अब व्हाट्सएप, फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम और मेटा.एआई पर यह उपलब्ध है। कंपनी ने कहा कि इसे मेटा लियामा 3 के साथ बनाया गया है, जो हमारा अब तक का सबसे उन्नत एलएलएम है। मेटा ने इसे भारत में अंग्रेजी और हिंदी में पेश करने की घोषणा की है।

- भारत में अंग्रेजी और हिंदी में पेश करने की घोषणा

पहली बार कनेक्ट में आई

मेटा ने पिछले साल पहली बार 'कनेक्ट' में मेटा एआई की घोषणा की थी, और अप्रैल से यह दुनियाभर के उपयोगकर्ताओं के लिए लियामा 3 के साथ निर्मित मेटा एआई का नवीनतम संस्करण पेश कर रही है।

कृषि, ग्रामीण आय पर ध्यान दे रही है सरकार

नई दिल्ली। स्वराज इंजन लिमिटेड का मानना है कि भारत में कृषि की स्थिति में सुधार लाने की ओर सरकार द्वारा दिये जा रहे प्रयासों तथा ग्रामीण आय बढ़ाने के लिए उसके द्वारा की गई विभिन्न पहल से ट्रैक्टर मांग की गति बरकरार रखने में मदद मिलने की संभावना है।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 131 अंक मजबूत

एजेंसी ⏭ मुंबई

- निफ्टी में भी 37 अंक की बढ़त दर्ज
- बिजली, वाहन व पूंजीगत सामान के शेयर चले

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 131 अंक की बढ़त में रहा। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच बिजली, वाहन और पूंजीगत सामान बनाने वाली कंपनियों शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आयी। कारोबारियों के मुताबिक, इस सप्ताह वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के मासिक निपटान से पहले बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। धातु तथा तेल एवं गैस शेयरों में बिकवाली दबाव देखा गया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 131.18 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,341.08 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 36.75 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,537.85 अंक पर बंद हुआ। मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, 'इस सप्ताह वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के मासिक निपटान से पहले बाजार में उतार-चढ़ाव रहा और प्रमुख सूचकांक शुरूआती कारोबार में तेजी से गिरने के बाद हल्की मजबूती के साथ बंद हुए।

इन शेयरों में लाभ दर्ज

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, सन फार्मा, नेस्ले, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं।

नुकसान में रहे शेयर

दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक और बजाज फाइनेंस शामिल हैं।

एसएंडपी ने भारत के वृद्धि दर अनुमान को यथावत रखा

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर कायम रखते हुए कहा है कि ऊंची ब्याज दरों और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में कमी आएगी। एशिया प्रशांत के लिए सोमवार को जारी अपने आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आर्थिक वृद्धि के साथ हैरान कर रही है और बीते वित्त वर्ष (2023-24) में यह 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। एसएंडपी ने कहा, ''हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर घटकर 6.8 प्रतिशत पर आ जाएगी। ऊंची ब्याज दरों और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से गैर-कृषि क्षेत्रों की मांग प्रभावित होगी।''

- प्रोसस की हिस्सेदारी 2022 में घटकर 9.6 फीसदी रह गई

प्रोसस ने बायजू का 57.8 करोड़ डॉलर निवेश बट्टे खाते में डाला

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

निवेश कंपनी प्रोसस ने शिक्षा-प्रौद्योगिकी मंच बायजू का संचालन करने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न में निवेश किए गए 57.8 करोड़ डॉलर (करीब 4,800 करोड़ रुपये) को बट्टे खाते में डाल दिया है। प्रोसस की सितंबर 2022 में थिंक एंड लर्न में हिस्सेदारी घटकर 9.6 प्रतिशत रह गई थी जिससे उसका महत्वपूर्ण प्रभाव कम हो गया था। प्रोसस ने 2024 में समाप्त वित्त वर्ष के लिए जारी अपनी रिपोर्ट में कहा, समूह की अन्य समग्र आय के माध्यम से उचित मूल्य पर बायजू में 9.60 प्रतिशत प्रभावी हित रखता है। महत्वपूर्ण प्रभाव गंवाने के बाद बायजू में हमारे निवेश का उचित मूल्य 57.8 करोड़ डॉलर है। प्रोसस उन चार निवेशक कंपनियों में शामिल है जिन्होंने बायजू के प्रबंधन और इसके 20 करोड़ डॉलर के राइट इश्यू के खिलाफ एनसीएलटी का दरवाजा खटखटाया हुआ है।

- नीदरलैंड की कंपनी ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में दी जानकारी

एक जुलाई से महंगी हो जाएगी हीरो की गाड़ियां

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प अपने चुनिंदा स्कूटर और मोटरसाइकिल मॉडल की कीमतों में एक जुलाई, 2024 से 1,500 रुपये तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। कंपनी ने सोमवार को यह घोषणा करते हुए कहा कि उत्पादन की ऊंची लागत की वजह से उसे यह कदम उठाना पड़ रहा है। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी ने कहा कि कीमत में संशोधन 1,500 रुपये तक होगा और यह बढ़ोतरी अलग-अलग मॉडल और बाजार के हिसाब से भिन्न होगी। हीरो मोटोकॉर्प स्प्लेंडर श्रृंखला, एचएफ डीलक्स और ग्लैमर सहित कई बाइक बेचती है। इसकी स्कूटर श्रृंखला में जूम और डेस्टिनी 125 एक्सटीईसी शामिल हैं।

भारत में बढ़ती आर्थिक असमानता की खाई पाटने उठने लगी मांग

भारत में 74 प्रतिशत लोग अमीरों पर कर लगाने के पक्ष में : सर्वे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- जी20 देशों के वित्त मंत्री सुपर रिच पर टैक्स लगाने के प्रस्ताव पर करेंगे विचार

भारत में बढ़ती आर्थिक असमानता की खाई को पाटने के लिए अमीरों पर अलग से टैक्स लगाने की मांग तेज हो रही है। अब एक सर्वे में ये बात सामने आई है कि ज्यादातर भारतीय लोग अमीरों पर सुपर रिच टैक्स लगाए जाने के पक्षधर हैं।

एक रिपोर्ट में अर्थ फोर ऑल और ग्लोबल कॉमन्स अलायंस के द्वारा किए गए एक सर्वे के हवाले से कहा गया है- 74 फीसदी भारतीय मानते हैं कि आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए अमीरों पर सुपर रिच टैक्स लगाना उचित है। यानी हर चार में से 3 भारतीय सुपर रिच टैक्स लगाए जाने के समर्थन में है। जी20 देशों में ऐसे लोगों का हिस्सा 68 फीसदी है।

इन मुद्दों पर मुखर हैं भारतीय

सर्वे के अनुसार, भारतीय लोग भुखमरी, अमीरी और गरीबी की खाई, पर्यावरण के संरक्षण जैसे मुद्दों पर मुखर हैं। सर्वे में शामिल 68 फीसदी भारतीयों ने माना कि पर्यावरण और प्रकृति की सुरक्षा के लिए अगले दशक में सभी इकोनॉमिक सेक्टरों में व्यापक बदलाव लाने की जरूरत है। भारतीयों का मानना है कि ज्यादा प्रदूषण फैलाने वालों से ज्यादा टैक्स वसूले जाने चाहिए। वहीं 74 फीसदी लोगों ने वेल्थ टैक्स या सुपर रिच टैक्स का समर्थन किया।

सालों से चल रही है वेल्थ टैक्स पर बहस

यह पहली बार नहीं है, जब आर्थिक असमानता को लेकर चिंताएं तेज हुई हैं और अमीरों पर अलग से टैक्स लगाए जाने की पैरवी हो रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कम से कम 2013 से सुपर रिच टैक्स की मांग जोर पकड़ रही है और इसके बारे में चर्चाएं चल रही हैं। कोविड के बाद आर्थिक असमानता की खाई चौड़ी होने के साथ उसे पाटने के प्रयासों पर बातें भी बढ़ गई हैं। अभी जी20 की अध्यक्षता कर रहा ब्राजील सुपर रिच टैक्स पर अधिक मुखर है।

जी20 में वेल्थ टैक्स लगाने का प्रस्ताव

अर्थ फोर ऑल और ग्लोबल कॉमन्स अलायंस ने यह सर्वे ऐसे समय किया है, जब जी20 देशों के वित्त मंत्री सुपर रिच लोगों पर वेल्थ टैक्स लगाए जाने के प्रस्ताव पर अगले महीने विचार करने वाले हैं। सुपर रिच लोगों पर जिस वेल्थ टैक्स को लगाए जाने की चर्चा हो रही है, उसे सुपर रिच टैक्स के नाम से भी जाना जाता है। इस सर्वे में दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के 22 हजार नागरिकों से सवाल पूछे गए।

यूनिवर्सल बेसिक इनकम की व्यवस्था हो

सर्वे के अनुसार, 71 फीसदी भारतीय मानते हैं कि यूनिवर्सल बेसिक इनकम की व्यवस्था होनी चाहिए। वहीं 74 फीसदी भारतीय उत्सर्जन कम करने के लिए हेल्दी डाइट को बढ़ावा देने वाली नीतियां जरूरी मानते हैं। सर्वे में 76 फीसदी भारतीयों ने वर्क-लाइफ बैलेंस को अहम बताया है।

पेटीएम की हवाई यात्रा बुकिंग में 19 फीसदी की वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में हवाई यात्रा के लिए बुकिंग में सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजारों को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। पेटीएम का यात्रा के लिए टिकट बुकिंग कारोबार इसके विपणन सेवा खंड के तहत आता है। कंपनी के टिकट बुकिंग कारोबार का राजस्व मार्च, 2024 की तिमाही में सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 395 करोड़ रुपये हो गया है। 2023-24 की चौथी तिमाही में पेटीएम ने ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर (ओटीए) के बीच अपनी बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी को कायम रखा है।

चिंतन

संसद में पक्ष व विपक्ष दोनों रचनात्मक भूमिका निभाएं

मोदी 3.0 सरकार के पहले संसद सत्र का आगाज हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत लोकसभा के सांसदों के शपथग्रहण के साथ संसद की कार्यवाही शुरू हुई है। दस कार्यदिवस तक चलने वाले इस संक्षिप्त सत्र के दौरान 18वीं लोकसभा के लिए निर्वाचित सांसद शपथ लेंगे, लोकसभा का अध्यक्ष चुना जाएगा, राष्ट्रपति का संयुक्त संबोधन होगा और फिर धन्यवाद प्रस्ताव होगा। कायदे से देखा जाय तो इस सत्र के दौरान किसी विधेयक पर न चर्चा होगी, न नया विधेयक आएगा, इसके बावजूद यह सत्र हंगामेदार रहेगा, इसकी झलक पहले ही दिन देखने को मिल गई। विपक्ष सांसद संसद में संविधान लेकर पहुंचे, जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शपथ ले रहे थे, तो विपक्ष ने नीट, नीट के नारे लगाए। ऐसा नजारा आगे भी रहने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परिपक्वता दिखाई कि वे विपक्ष की तरफ मुखातिब होकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के साथ साथ अन्य विपक्षी सांसदों का शिष्टाचार अभिवादन किया। सत्र शुरू होने से पहले पीएम ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार सहमति से चलेगी, लेकिन देश भी जिम्मेदार विपक्ष चाहता है, जो रचनात्मक लोकतंत्र में अपनी भूमिका निभाएं, संसद में राष्ट्रीय विषयों पर गंभीर बहस करे, सुझाव दे, केवल हंगामा और विरोध में ही मशगूल न रहे। पीएम का संदेश साफ है कि विपक्ष अपनी जिम्मेदारी समझे। हालांकि पिछले दो दशक से विपक्ष संसद में व्यवधान, हंगामा, नारेबाजी करता रहा है, ऐसे में विपक्ष से सदन में रचनात्मक भूमिका की अपेक्षा बिल्कुल नई बात है। इसलिए प्रधानमंत्री ने जिस रचनात्मकता व गरिमा की बात की है, इसे मिसाल के तौर पर जिन राज्यों में भाजपा विपक्ष में है, वहां अगर वह हंगामा व नारेबाजी से हटकर ठोस काम व सार्थक बहस में भाग लेकर रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाए, तो इससे कांग्रेस व दूसरे दलों पर भी नैतिक दबाव पड़ेगा व देश में रचनात्मक विपक्ष की परिपाटी फिर से शुरू होगी। केवल संसद में विपक्ष से ही रचनात्मक भूमिका की उम्मीद रखना पॉलिटिकली करेक्ट नहीं है। वैसे भी इस बार विपक्ष अधिक मजबूत और संगठित है, ऐसे में पीएम मोदी की राजग सरकार को नजाकत के साथ सदन को चलाने का प्रयास करना होगा। इस बार पीएम मोदी का सामना मजबूत विपक्ष के साथ राजग के घटक दलों से भी है, जो सरकार को स्तंभ प्रदान कर रहे हैं। वैसे भी सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है, ऐसे में पीएम मोदी व उनकी राजग सरकार के मंत्री व सांसदों को संसद में अधिक विनम्र, लोकतांत्रिक, रचनात्मक व संवाद फ्रेंडली रहना होगा। पीएम मोदी हमेशा लोकतांत्रिक बहस व विमर्श की वकालत करते रहे हैं। वर्ष 2014 के बाद से जितने भी संसद सत्र आहूत हुए हैं, पीएम ने विपक्ष से रचानात्मक व ठोस भूमिका की अपील करते रहे हैं, पर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने संसद सत्र के दौरान हमेशा व्यवधान डाला है, हांगामा किया है, नारेबाजी की है, विधेयक पर बहस में खलल डाली है। कांग्रेस ने एक भी सत्र सुचारू नहीं चलने दिया है। विपक्ष की हुल्लड़बाजी का नतीजा रहा है कि सत्र के दौरान विपक्षी सांसदों को कई बार निलंबित करना पड़ा है। इसलिए 18वीं लोकसभा में विपक्ष को चाहिए कि हंगामे से बाहर निकल कर देशहित में रचनात्मक भूमिका निभाए। पीएम ने राहुल गांधी के संविधान पुस्तिका की नौटंकी का करारा जवाब भी आपातकाल को लोकतंत्र का धब्बा व संविधान का गला घोंटने वाला बता कर दिया है। अब पक्ष व विपक्ष दोनों की रचनात्मक भूमिका निभाने की बारी है।

आपातकाल
सुरेश हिंदुस्थानी

आज भी डराती है वो काली रात

सत्ता की ताकत का दुरुपयोग कैसे किया जाता है, इसका उदाहरण कांग्रेस सरकार द्वारा 1975 में देश पर तानाशाही पूर्वक लगाया गया आपातकाल है। जिसमें अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार ही समाप्त कर दिया था। इंदिरा शासन द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल में सरकार के विरोध में आवाज उठाने को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया था। यहां तक कि सरकार ने विपक्ष की राजनीति करने वालों के साथ ही उन समाजसेवियों और राष्ट्रीय विचार के प्रति समर्पित उन संस्थाओं के व्यक्तियों को जेल में ठूंस दिया था, जो सरकार की कमियों के विरोध में लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे थे। सरकार के इस कदम को पूरी तरह से अलोकतांत्रिक कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इंदिरा गांधी की सरकार ने अपनी सरकार के खिलाफ उठने वाली हर उस आवाज को दबाने का प्रयास किया, जो लोकतांत्रिक रूप से भी सही थी। वैसे देखा जाए तो कांग्रेस शासन का यही चरित्र रहा है कि उनके खिलाफ उठने वाली आवाज को किसी भी प्रकार से शांत किया जाए। आज भी कांग्रेस ठीक इसी पद्धति से काम करती हुई दिखाई दे रही है। कांग्रेस में लोकतांत्रिक सिद्धांतों की बलि दी जाती रही है।

वर्तमान में कांग्रेस पार्टी ने कई बार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर राष्ट्र विरोधी ताकतों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देने काम किया है, लेकिन जो कांग्रेस आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की वकालत कर रही है, उसने ही 25 और 26 जून 1975 की रात को आपातकाल लगाने के बाद अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पूरी तरह गला घोंट दिया था। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर किस प्रकार कुठाराघात किया जाता है, इस तथ्य को जानने के लिए कांग्रेस के नेताओं को आपातकाल के काले अध्याय का अध्ययन करना चाहिए। आपातकाल के नाम पर कांग्रेस ने अंग्रेजों से भी भयंकर यातनाएं देते हुए देश भक्तों पर कहर बरपाया। जिसके स्मरण मात्र से दिल में सिरहन दौड़ जाती है। जिन लोगों ने इस काली रात का साक्षात्कार किया, उनके अनुभव सुनने मात्र से ही लगता है कि इन्होंने आपातकाल को किस कदर भोगा होगा। आपातकाल लगाने के पीछे के कारणों पर दृष्टिपात किया जाए तो यही तथ्य सामने आते हैं कि उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पूरी तरह से तानाशाह शासक की भूमिका में दिखाई दीं। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को ठेंगा बताते हुए अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास किया, यह प्रकार से सत्ता का दुरुपयोग ही था। वह निर्णय क्या था? इसकी जड़ में 1971 में हुए लोकसभा चुनाव था, जिसमें उन्होंने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राजनारायण को पराजित किया था, लेकिन चुनाव परिणाम आने के चार साल बाद राज नारायण ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनाव परिणाम को चुनौती दी। 12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी का चुनाव निरस्त कर उन पर छह साल तक चुनाव न लड़ने का प्रतिबंध लगा दिया और उनके मुकाबले हारे और श्रीमती गांधी के चिर प्रतिद्वंद्वी राजनारायण सिंह को चुनाव में विजयी घोषित कर दिया था। राजनारायण सिंह की दलील थी कि इंदिरा गांधी ने चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया, तय सीमा से अधिक पैसा खर्च किया और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया। न्यायालय ने इन आरोपों को सही ठहराया था। इसके बावजूद श्रीमती गांधी ने प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र देने से इनकार कर दिया और देश में आपातकाल घोषित कर दिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्णय के साथ ही गुजरात में चिमनभाई पटेल के विरुद्ध विपक्षी जनता मोर्चे को भारी विजय मिली। इस दोहरी चोट से इंदिरा गांधी बौखला गईं। इन्दिरा गांधी ने न्यायालय के इस निर्णय को मानने से इनकार करते हुए सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने की घोषणा की और आपातकाल लागू करने की घोषणा कर दी।

आपातकाल के नाम पर केवल उन्हीं लोगों को जेल में जबरदस्ती बंद किया था, जो सरकार के विरोधी थे। देश भर में इंदिरा शासन के विरुद्ध जबरदस्त आंदोलन खड़ा किया। आपातकाल में शासन, प्रशासन ने लोकनायक जयप्रकाश के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन में हिस्सा लेने वाले हर उस व्यक्ति को प्रताड़ना दी, जो लोकतांत्रिक तरीके सरकार के विरोध में आवाज उठा रहे थे। विपक्षी राजनेताओं ने देश में केन्द्र सरकार के विरोध में ऐसा वातावरण बनाया कि इंदिरा गांधी को अपना सिंहासन हिलता हुआ दिखाई दिया। जॉर्ज फर्नांडीज को लोहे की जंजीरों से बांधकर यातनाएं दी गईं। देश के जितने भी बड़े नेता थे, सभी के सभी सलाखों के पीछे डाल दिए गए। एक तरह से जेलें राजनीतिक पाठशाला बन गईं। जिन लोगों ने यह दृश्य देखा, उनका यही कहना था कि ऐसा दृश्य तो अंग्रेज़ों के शासनकाल में भी नहीं दिखा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आपातकाल था संविधान का अपमान

काला अध्याय
अरविंद जयतिलक

इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की गर्दन मरोड़कर देश में आपातकाल थोप दिया था। श्रीमती गांधी ने सिर्फ संविधान की धज्जियां ही नहीं उड़ायी बल्कि जनतांत्रिक मूल्यों को भी नजरअंदाज कर मानवीय मूल्यों को निर्ममता से रौंद डाला था। संविधान के अपमान से देश कराह उठा था। जब भी 25 जून का दिन आता है, आपातकाल की टीसें उभरने लगती है। उसी टीस का नतीजा है कि आपातकाल के पांच दशक बाद भी इस पर विमर्श जारी है। उचित होगा कि संविधान में कुछ इस तरह का प्रावधान किया जाए कि दोबारा आपातकाल थोपे जाने की न तो गुंजाइश बचे और न ही कोई निर्वाचित सरकार दुस्साहस दिखाए। मौजूदा सरकार को यह काम करना चाहिए।

25 जून, 1975। वह काला दिन जब देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की गर्दन मरोड़कर देश में आपातकाल थोप दिया था। श्रीमती गांधी ने सिर्फ संविधान की धज्जियां ही नहीं उड़ायी बल्कि जनतांत्रिक मूल्यों को भी नजरअंदाज कर मानवीय मूल्यों को निर्ममता से रौंद डाला। देश कराह उठा और संविधान को बर्फखाने में डाल दिया गया। जब भी 25 जून का दिन आता है, आपातकाल की टीसें उभरने लगती है। उसी टीस का नतीजा है कि आपातकाल के पांच दशक बाद भी इस पर विमर्श जारी है। इन पांच दशकों में देश में युवाओं की ऐसी पीढ़ी आयी है जो न सिर्फ लोकतंत्र की समर्थक है बल्कि उन सभी विचारों का विरोधी है, जो मानवीय गरिमा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाफ है। फिलहाल कहना मुश्किल है कि देश की युवा पीढ़ी इंदिरा गांधी द्वारा थोपे गए आपातकाल से खुद को कितना जोड़ पाई है या इसे लेकर उनका सोचने का तरीका क्या है? ऐसा इसलिए कि आपातकाल के बारे में न तो नई पीढ़ी को संपूर्ण जानकारी है और न ही उन्हें पता है कि आपातकाल क्या होता है? एक जिम्मेदार जनतांत्रिक राष्ट्र का कर्तव्य है कि वह अपनी आने वाली पीढ़ी को देश का इतिहास, संस्कृति धर्म-दर्शन राजनीति और जनतांत्रिक मूल्यों से सुपरिचित कराए। साथ ही उन अलोकतांत्रिक और जनविरोधी तानाशाही विचारों को भी उद्घाटित करे जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मानवीय मूल्यों और जनतांत्रिक गरिमा के खिलाफ है। यह तभी संभव होगा जब राष्ट्र के प्रत्येक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक प्रसंगों को ईमानदारीपूर्वक शिक्षा के पाठ्यक्रम से जोड़ा जाएगा। अगर आपातकाल के तत्काल बाद ही इस घटना को शिक्षा के पाठ्यक्रमों में जोड़ दिया गया होता तो देश की युवा पीढ़ी लोकतांत्रिक और तानाशाही विचारों के फर्क को बेहतर ढंग से समझती। इससे लोकतंत्र मजबूत होता। नागरिक कर्तव्यों और अधिकारों को लेकर जागरूकता बढ़ती और इस विषय पर नजरिया स्पष्ट होता।

यह अच्छी बात है कि अब आपातकाल के काले अध्याय को शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने की मांग तेजी से मुखर हो रही है। अगर आपातकाल के प्रसंग को इतिहास के पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया जाता है तो युवा पीढ़ी को जानने-समझने का मौका मिलेगा कि किस तरह एक जनता द्वारा निर्वाचित सरकार अपने हठीले रवैए से लोकतंत्र को तबाह कर जनतांत्रिक मूल्यों को रौंद डाला था। भारत एक लोकतांत्रिक देश है। एक स्वस्थ संसदीय लोकतांत्रिक परंपरा में धरना-प्रदर्शन, सत्याग्रह और सिविल नाफरमानी जनतंत्र के बुनियादी सिद्धांत और आधार होते हैं। कोई भी निर्वाचित सरकार इन लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकती है। अगर दशकों पहले इस प्रसंग को शिक्षा पाठ्यक्रम से जोड़ दिया गया होता तो उसके गुण-दोष से आज की युवा पीढ़ी सुपरिचित होती। आपातकाल को शिक्षा के पाठ्यक्रम से जोड़ा जाना इसलिए भी आवश्यक है कि आपातकाल लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों के विपरित एक ऐसी तानाशाही विचारधारा है जिसे भारत ही नहीं दुनिया का हर सभ्य समाज और लोकतांत्रिक देशों द्वारा खारिज किया जाता है।

युवाओं को जानना होगा कि आपातकाल का मूल कारण 12 जून, 1975 का इलाहाबाद उच्च न्यायालय का वह फैसला था जिसमें न्यायमूर्ति जगमोहनलाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी के रायबरेली चुनाव को यह कहकर रद कर दिया था कि चुनाव भ्रष्ट तरीके से जीता गया। इसे ध्यान में रखते हुए न्यायमूर्ति ने इंदिरा गांधी पर छः साल चुनाव न लड़ने का प्रतिबंध लगा दिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी इस फैसले का सम्मान करने के बजाए सत्ता बचाने के खेल में जुट गयी। उनके पास बचाव के सिर्फ दो ही उपाय थे। या तो वह न्यायालय के फैसले का सम्मान करते हुए अपने पद से इस्तीफा देतीं या संविधान का गला घोंटती। उन्होंने दूसरे रास्ते को चुना और संविधान को निलंबित कर दिया। आंतरिक सुरक्षा को मुद्दा बनाकर बगैर कैबिनेट की मंजूरी लिए ही देश पर आपातकाल थोप दिया। यही नहीं उन्होंने संवैधानिक नियमों को ताक पर रख उच्चतम न्यायालय के तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों की वरिष्ठता की अनदेखी कर चैथे नंबर के न्यायाधीश को मुख्य न्यायाधीश बना दिया। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्णय पर स्थगनादेश जारी किए जाने के बाद श्रीमती गांधी और उग्र हो उठी। उन्होंने संविधानेत्तर सरकार चला रहे अपने पुत्र संजय गांधी की मदद से उन सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं को मटियामेट करना शुरू कर दिया जो लोकतंत्र की संवाहक थी। श्रीमती गांधी की सरकार अत्याचार की सभी सीमाएं लांघ गई, जयप्रकाश नारायण समेत उन सभी आंदोलनकारियों को मीसा और डीआईआर कानूनों के तहत जेल भेज दिया जो आपातकाल का विरोध कर रहे थे। सरकार ने प्रेस की आजादी पर प्रतिबंध लगा दिया। यहां तक कि समाचार पत्रों को अपने संपादकीय का स्थान रिक्त छोड़ने की भी अनुमति नहीं दी। दरअसल वे संपादकीय को रिक्त छोड़ा जाना अपनी सरकार के खिलाफ समझती थी। उन्होंने निष्पक्ष पत्रकारों और संपादकों पर भी डंडा चलाना शुरू कर दिया। मोरार जी देसाई के शासन काल में गठित शाह आयोग की रिपोर्ट में सरकार की निरंकुशता का दिलदहला देने वाले सच उजागर हुआ। इस रिपोर्ट में कहा गया कि आपातकाल के दौरान गांधी जी के विचारों के साथ-साथ गीता से भी उद्धरण देने पर पाबंदी थी। श्रीमती गांधी के समर्थकों ने आंदोलन की धार कुंद करने के लिए यह प्रचारित करना शुरु कर दिया कि जयप्रकाश नारायण का आंदोलन फासिस्टवादी है।

सरकार के अत्याचार की पराकाष्ठा का परिणाम रहा कि बिना अभियोग चलाए ही लाखों आंदोलनकारियों को हिरासत में ठूंस दिया गया। सरकारी संस्थाएं सरकार से डर गयी और उसके सुर में सुर मिलाने लगी। लेकिन कहते हैं न कि लोकतंत्र में तानाशाही की उम्र ज्यादा लंबी नहीं होती और अंततः लोकतंत्र ही जीतता है। कुछ ऐसा ही हश्र श्रीमती गांधी की तानाशाह सरकार के साथ भी हुआ। लोकतंत्र जीत गया। वर्ष 1977 के आम चुनाव में जनता ने श्रीमती गांधी की सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंका और आपातकाल की रीढ़ तोड़ दी। विश्व इतिहास गवाह है कि जन आंदोलनों के आगे दुनिया की हर तानाशाह सरकार झुकती रही है। रूस की जारशाही और फ्रांस की राजशाही भी जन आंदोलनों को डिगा नहीं पायी। आज सर्वाधिक चिंता इस बात की है कि देश में आपातकाल थोपे जाने के पांच दशक बाद भी उसे रोकने का अभी तक कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं बनाया गया है। उचित होगा कि संविधान में कुछ इस तरह का प्रावधान किया जाए कि दोबारा आपातकाल थोपे जाने की न तो गुंजाइश बचे और न ही कोई निर्वाचित सरकार ऐसा दुस्साहस दिखाए। स्वाभाविक है कि जब इस तरह का कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं होगा तो आपातकाल की आशंका बनी रहेगी। इसलिए मोदी 3.0 सरकार को संवैधानिक रूप से यह कोशिश करनी चाहिए। नागरिक अधिकारों व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर सतर्कता बढ़ी है। न्यायपालिका दबावमुक्त, स्वतंत्र और सक्रिय हुई है। मीडिया आजादी की कुलांचे भर रही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

अहंकार ही अज्ञान

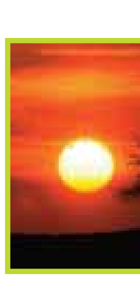

संकलित
दर्शन

सूर्य वैसे तो सारे संसार को प्रकाश और ताप देता है, पर यदि वह मेघ से आच्छन्न हो जाए तो ऐसा नहीं कर पाता। इसी भांति जब तक हृदय अहंकार के आवरण से आच्छादित रहता है, तब तक उसमें भगवान प्रकाशित नहीं हो पाते। यह अहं मेघ की तरह है। इसी के कारण हम ईश्वर को नहीं देख पाते। यदि श्रीगुरु की कृपा से अहं-बुद्धि दूर हो जाए तो फिर ईश्वर के पूर्ण दर्शन हो जाते हैं। जैसे, सिर्फ ढाई हाथ की दूरी पर ही साक्षात पूर्णब्रह्म श्रीरामचंद्र जी हैं, किंतु बीच में सीता रूपिणी माया का आवरण होने के कारण लक्ष्मण जी रूपी जीव को ईश्वर राम के दर्शन नहीं होते। जीव का अहंकार ही माया है। यही अहंकार सब आवरण का मूल है। मैं के मरने पर ही सारा जंजाल दूर होगा। अगर किसी को ईश्वर की कृपा से मैं कर्ता नहीं हूं- यह ज्ञान हो जाए, तब तो वह जीवनमुक्त ही हो गया। फिर उसे किसी बात का भय नहीं। अगर मैं अपने को इस अंगोछे की ओट में कर लूं तो तुम मुझे नहीं देख सकते, पर मैं तुम्हारे बिल्कुल नजदीक ही हूं। इसी भांति और सभी चीजों की अपेक्षा ईश्वर ही तुम्हारे सबसे ज्यादा निकट है, किंतु अहं रूपी आवरण के कारण तुम उनके दर्शन नहीं कर सकते। जब तक अहंकार रहता है, तब तक न ज्ञान होता है, न मुक्ति मिलती है। हांडी में रखे पानी और चावल, दाल, आलू आदि को तब तक छुआ जा सकता है, जब तक हांडी आग पर नहीं रखी जाती। जीव की देह मानो हांडी है और धन, मान, विद्या, बुद्धि, जाति, कुल आदि मानों दाल, चावल, आलू की तरह हैं।

झूठ बोलकर हासिल ज्ञान ज्यादा दिन नहीं चलता

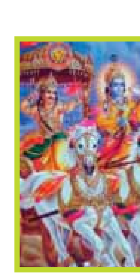

संकलित
प्रेरणा

परशुराम अष्ट चिरंजीवियों में से एक हैं, योद्धा और गुरु हैं। महाभारत के समय भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण इनके शिष्य थे। परशुराम जी से ज्ञान हासिल करने के लिए कर्ण ने झूठ बोला था कि मैं ब्राह्मण पुत्र हूं, क्योंकि उस समय परशुराम जी ब्राह्मणों को ही ज्ञान दे रहे थे। कर्ण परशुराम जी का शिष्य बन गया और ज्ञान हासिल करने लगा। एक दिन जब परशुराम कर्ण की गोद में सिर रखकर सो रहे थे। उस समय कर्ण की जांघ पर एक बड़े कीड़े ने काट लिया। गुरु की नींद न टूटे ये सोचकर कर्ण दर्द सहते रहे, लेकिन उन्होंने परशुराम को नींद से नहीं जगाया। नींद से जागने पर जब परशुराम ने देखा कि कर्ण के पैर से खून बह रहा है तो वे समझ गए कि कर्ण ब्राह्मण पुत्र नहीं है। तब परशुराम ने क्रोधित होकर कर्ण को शाप दिया था कि मेरी सिखाई हुई विद्या की जब तुम्हें सबसे ज्यादा आवश्यकता होगी, उस समय तुम ये विद्या भूल जाओगे। महाभारत युद्ध में जब कर्ण और अर्जुन का आमना-सामना हुआ, उस समय कर्ण अपने दिव्यास्त्रों को प्रकट करने की विधि भूल गए थे। इसके बाद अर्जुन ने श्रीकृष्ण के कहने पर कर्ण का वध कर दिया। झूठ बोलकर हासिल की गई विद्या लंबे समय तक साथ नहीं देती है। ज्ञान सीखने के लिए त्याग और तप दोनों ही करना पड़ता है तब कहीं सही मायनों में ज्ञान अर्जित हो पाता है। दूसरा सही गुरु का मिलना भी जरूरी है अन्यथा भटकते रहना पड़ता है।

सटाका

आज की पाती

परीक्षाओं में घोटाले देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण

मोदी सरकार ने छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले बेईमान लोगों को सबक सिखाने के लिए एंटी पेपर लीक कानून अर्थात लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम-2024 अमल में ला दिया है। यह कानून परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने के लिए कामयाब होगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन सवाल तो यह है कि सरकारें इतने लंबे समय तक क्यों युवाओं के कैरियर को दांव पर लगते हुए तमाशा देखती रहीं। नीट परीक्षा की गड़बड़ी से पहले भी दूसरी प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक के मामले सामने आए हैं। उसके लिए अगर सख्ती बरती होती तो आज नीट के परीक्षार्थियों के साथ धोखा नहीं होता।

– मुकेश पाठक, रायगढ़

ट्रेंड

सामान काफी सस्ता हुआ

हमारे लिए सुधार 140 करोड़ भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाने का एक साधन है। जीएसटी लागू होने के बाद घरेलू उपयोग का सामान काफी सस्ता हो गया है। इससे गरीबों और आम आदमी को काफी बचत हुई है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सरकार नहीं सुन रही

संविधान देश में जनता के अधिकारों का सुरक्षा कवच है। पिछले 10 सालों में सरकार ने इस कवच को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। आज भी युवा परीक्षाओं में पारदर्शिता को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार नहीं सुन रही है।

-प्रियंका गांधी, कांग्रेस नेता

गलत दावा

जो कोई यह दावा करता है कि उसका राजनीतिक दल कभी भी कोई ग़लत काम नहीं करता और दूसरा दल कोई सही काम नहीं करता, वह या तो झूठा है, मूर्ख है या दोनों है। गलत किए बिना कोई राजनीतिक दल चल नहीं सकता।

-एलन मास्क, उद्योगपति

कोला और जंक फूड

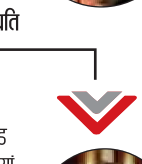

मेरा मुद्दा यह है कि कोला और जंक फूड का विज्ञापन करने वाली अधिकांश हस्तियां अपने बच्चों को वही उत्पाद नहीं खाने देंगी जो दूसरों के बच्चों को खाने के लिए प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए।

-शेखर कपूर, फिल्म निर्माता

करंट अफेयर

यूरोपीय संघ में शामिल होने छूट नहीं मांगेगा यूक्रेन

यूरोपीय संघ द्वारा इस सप्ताह औपचारिक रूप से यूक्रेन को प्रवेश देने के लिए वार्ता शुरू करने पर सहमति व्यक्त करने के बाद युद्धग्रस्त देश यूक्रेन पश्चिम के साथ एकीकरण के 'अपरिवर्तनीय' रास्ते पर है। एक शीर्ष यूक्रेनी अधिकारी ने यह बात कही। यूरोपीय और यूरो-अटलांटिक एकीकरण की उप प्रधानमंत्री ओल्गा स्टेफनिशिना ने कहा कि इस सप्ताह प्रवेश वार्ता शुरू करने का निर्णय उनके देश के लिए एक 'बड़ा दिन' है। ओल्गा ने रविवार को कीव में कहा, 'यह यूक्रेनी लोगों की सर्वोच्च इच्छा है और यह अपरिवर्तनीय है। और आपने देखा है कि यूक्रेन के लोग अपनी पसंद के लिए खड़े हुए हैं।' यूक्रेन के यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने के लिए मुख्य वार्ताकार नियुक्त किए जाने के बाद यह उनका पहला साक्षात्कार था। ईयू नेताओं ने शुक्रवार को यूक्रेन और मोल्दोवा के साथ प्रवेश वार्ता शुरू करने पर सहमति व्यक्त की। ओल्गा मंगलवार को लक्जमबर्ग में प्रवेश वार्ता के उद्घाटन की अध्यक्षता करेंगी जिसमें कई शीर्ष सरकारी अधिकारी शामिल होंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के उद्घाटन समारोह में भाषण देने की उम्मीद है। जेलेंस्की ने शुक्रवार के फैसले को एक 'ऐतिहासिक कदम' बताया।

ऑफ बीट

बालों का विग हो सकता है महिलाओं के लिए जहरीला

अच्छी तरह से संवारे हुए बाल बहुत सी अश्वेत अफ्रीकी महिलाओं के लिए सुंदरता का प्रतीक हैं। हालाँकि, प्राकृतिक बालों को विशेष देखभाल और ध्यान देने की आवश्यकता होती है, जिसमें समय लग सकता है। विग (मानव या सिंथेटिक बाल), वीव-ऑन और अन्य कृत्रिम बाल एक्सटेंशन महिलाओं को उनके प्राकृतिक बालों का विकल्प प्रदान करते हैं। नाइजीरिया में, ये विकल्प युवा और वृद्ध दोनों ही महिलाओं के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। सिंथेटिक बाल लाखों डॉलर का एक बड़ा व्यवसाय है और स्थानीय और विदेशी दोनों उद्योगों द्वारा चलाया जाता है। हेयरड्रेसिंग सैलून फल-फूल रहे हैं, जो महिलाओं के लिए स्टाइलिंग और सौंदर्य सेवाएँ प्रदान करते हैं। लेकिन हमने पाया है कि सिंथेटिक बालों में प्रदूषक तत्व छिपे होते हैं। मानव निर्मित रेशे विभिन्न रासायनिक प्रक्रियाओं से गुजरते हैं ताकि वे मानव बाल की तरह दिखें और महसूस हों। कुछ उत्पादों को बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल जहरीले होते हैं। और बाल उत्पाद मुख्य रूप से प्लास्टिक से बने होते हैं जो बायोडिग्रेडेबल नहीं होते हैं, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक होते हैं।

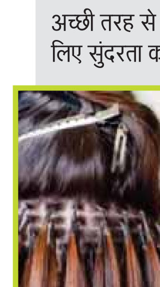

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

सीएम सचिवालय में ज्यादातर कार्य देखेंगे डॉ. राजौरा, शुक्ला और राघवेंद्र को भी जिम्मेदारी

यादव के पास जनसंपर्क व पीडब्ल्यूडी सहित कई विभागों की जवाबदारी

मुख्यमंत्री कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों के बीच हुआ कार्य विभाजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों के बीच नवीन कार्य विभाजन किया गया है। यह सभी अधिकारी इन निर्देशों के अधीन रहेंगे। अधिकारियों को स्पष्ट किया गया है कि सभी अधिकारी उनके सौंपे गए विभागों एवं कार्यों की नस्तियों को अपर मुख्य सचिव के माध्यम से सीएम को प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ ही साथ समस्त अधिकारी सहयोग के लिए कनिष्ठ अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन अपने स्तर पर करेंगे।

मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा मुख्यमंत्री की घोषणाओं ए प्लस और ए मानिट के संदर्भों का पालन एवं मॉनिटरिंग तथा फॉलोअप कार्य देखेंगे। इसके साथ ही संकल्प पत्र 2023 संबंधी कार्य, कैबिनेट से संबंधित कार्य एवं नीतिगत विषय, कैबिनेट की बैठकों से संबंधित कार्य एवं ट्रेकर से संबंधित कार्य, मुख्यमंत्री कार्यालय स्थापना एवं आंतरिक व्यवस्था, प्रशासनिक सुधार एवं नवाचार, राज्य के मेगा प्रोजेक्ट की मैन्युफैक्चरिंग, विभिन्न शासकीय नियुक्तियां, मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रेषित स्थानांतरण, पद स्थापना संबंधी प्रकरण, मुख्यमंत्री के दिल्ली भ्रमण कार्यक्रम संबंधित फोल्डर इत्यादि तैयार करने के अलावा प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, केंद्रीय राज्य मंत्री के मुख्यमंत्री तथा संसद सदस्यों से प्राप्त पत्रों का संधारण, उत्तर समय सीमा में स्वीकृत, भारत सरकार के समस्त लंबित विषयों के संबंध में आवश्यक तैयारियां, कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस, ऐसे समस्त विभाग जो किसी अन्य अधिकारी को आवंटित नहीं है, वह सभी कार्य डॉ. राजौरा देखेंगे।

प्रमुख सचिव संजय शुक्ला को आवंटित कार्य

प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला को समस्त विभागों के लंबित मामलों के संबंध में समय-समय पर मुख्यमंत्री को अवगत कराने, सीएम डैशबोर्ड, मुख्यमंत्री कार्यालय वेबसाइट, मुख्यमंत्री कार्यालय पोर्टल से संबंधित कार्य सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े विषय, प्रगति पोर्टल, राजकीय विभिन्न वृहद परियोजनाओं के नियमित समीक्षा, मानिट, सांसदों मंत्रियों, विधायक से प्राप्त पत्रों का संधारण एवं कार्रवाई, प्रदेश सरकार की उपलब्धियां, आंकड़ों का संग्रह, शिक्षा अनुदान, विधानसभा से संबंधित कार्य, सीएम हेल्पलाइन समाधान, ऑनलाइन के अलावा मुख्यमंत्री की ओर से सौंपे गए अन्य कार्य तथा कुल 19 विभागों से संबंधित कार्य देखेंगे। इसमें गृह, वित्त, नगरीय प्रशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, परिवहन, जल संसाधन, वन, ऊर्जा जैसे विभाग शामिल है।

प्रमुख सचिव राघवेंद्र को मिला यह दायित्व

प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह के पास कल 21 विभागों से संबंधित मुख्यमंत्री की घोषणाओं, ए प्लस और ए मानिट के संदर्भों का पालन, मानिटरिंग व फॉलोअप, इन विभागों से संबंधित मामलों को समय-समय को मुख्यमंत्री को अवगत कराने, सांसद विधायकों के इन विभागों के कार्य संबंधित कार्य समय पर सौपने के अलावा स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा पर्यावरण, पर्यटन, जनजाति, आयुष, श्रम, प्रवासी भारतीय, संस्कृति, महिला बाल विकास जैसे कार्य भी देखेंगे।

मुख्यमंत्री के सचिव भरत यादव को आवंटित कार्य

मुख्यमंत्री के सचिव भरत यादव को 13 विभागों से संबंधित मुख्यमंत्री की घोषणाओं की मानिटरिंग, फॉलोअप इन विभागों से संबंधित मामलों को मुख्यमंत्री को समय-समय पर अवगत कराने, मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम की पूर्व तैयारी, समन्वय, मुख्यमंत्री से भेंट, सांसद विधायक के विकास कार्यों से संबंधित पत्रों की मानिटिरिंग, उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ 2028 से संबंधित कार्य के अलावा जनसंपर्क, पीडब्ल्यूडी, वाणिज्य कर, खनिज, विमानन, सहकारिता जैसे विभागों के अलावा जबलपुर रीवा संभागों से जुड़े प्रशासनिक विषयों का कार्य भी देखेंगे।

इनको भी जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री के ओएसडी महेश चौधरी को के पास सांसद, विधायक अन्य जन प्रतिनिधियों से संबंधित संदर्भों के निराकरण, मुख्यमंत्री कार्यालय में लंबित संदर्भ घोषणाओं की नियमित विभागीय समीक्षा बैठकों का आयोजन जैसे कार्य सौंपे गए हैं। इसीतरह मुख्यमंत्री के ओएसडी राजेश हिंगणकर को गृह, जेल, खेल युवा कल्याण से संबंधित विभागों की घोषणाओं की मॉनिटरिंग और फॉलोअप, समय-समय पर मुख्यमंत्री को अवगत कराने, पुलिस, पूर्व सैनिकों के कल्याण संबंधित मामले आदि की जिम्मेदारी दी गई है। अपर मुख्य सचिव अविनाश लवानिया को एसीएस डॉ. राजेश राजौरा को आवंटित समस्त कार्य और मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारियों की समस्याओं पर गए कार्य की जिम्मेदारी दी गई है। इन अधिकारियों उप सचिव लक्ष्मण मरकाम, उप सचिव मनीष पांडे, ओएसडी लोकेश शर्मा, अपर सचिव चंद्रशेखर वालिंबे, उप सचिव अदिति गर्ग, उपसचिव अंशुल गुप्ता, उप सचिव हृदयेश श्रीवास्तव और उप सचिव ऋषि पवार, अवर सचिव आदित्य कुमार शर्मा, अवर सचिव संदीप अस्थाना, अवर सचिव आशीष कुमार पांडे, अवर सचिव श्रीमती श्रीलेखा, अवर सचिव आशुतोष गोस्वामी और अवर सचिव केवल राम धुर्वे, आदि को भी उसी अनुसार जवाबदारी सौंपी गई है।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर अर्पित किए श्रद्धासुमन

मुखर्जी ऐसे महानायक थे, जिन्होंने आजादी के पहले और बाद की विभीषिका को भांपा

बलिदान दिवस से जयंती तक कार्यकर्ता 'एक पेड़ मां के नाम' से रोपें पौधा

कश्मीर समस्या के लिए आंदोलन किया और धारा 370 हटाने बलिदान दे दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे महानायक थे, जो आजादी के पहले और बाद की विभीषिका को भांप लिया था। उन्होंने आजादी से पहले अंग्रेजों के बंग-भंग करने की साजिश को भांपकर आंदोलन चला दिया था। वहीं, आजादी के बाद कश्मीर समस्या को भांपकर आंदोलन किया। जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाने बलिदान दे दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के दो महानायकों डॉ. मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय की संदिग्ध मौत का जिम्मेदार कौन है, इसका आज तक पता नहीं चला है।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर रविवार को प्रदेश भाजपा

कार्यालय के सामने स्थित डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, संगठन महामंत्री हितानंद सहित पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हे नमन किया। इसके बाद प्रदेश कार्यालय प्रांगण में स्थित डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए एवं पौधरोपण किया। भाजपा की ओर से प्रदेश भर में बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संदिग्ध मौत का जिम्मेदार कौन?

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने कहा कि आज देश के ऐसे महान सपूत को श्रद्धांजलि देने यहां एकत्रित हुए हैं, जिनके संकल्प से कश्मीर से धारा-370 हटी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मौलिक चिंतक, राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जीवन मूल्यों के संस्कारित पुजारी थे। उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी। वही जनसंघ आज विश्व के सबसे बड़े राजनैतिक दल भाजपा के रूप में आप सबके सामने है।

प्रदेशभर में 6 जुलाई तक चलाया जाएगा पौधरोपण अभियान

प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद शर्मा ने कहा कि देश के लिए अपना बलिदान देने वाले वीर महापुरूष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के श्री चरणों में आज हर भाजपा का हर कार्यकर्ता श्रद्धासुमन अर्पित करता है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस से 6 जुलाई जयंती के दिन तक एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है।

प्रदेश के सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं ने किया डॉ. मुखर्जी को याद

भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश के सभी बूथों पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर रविवार को श्रद्धासुमन अर्पित किए। भाजपा के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के सभी बूथों पर कार्यक्रम आयोजित कर डॉ. मुखर्जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया।

भाजपा कार्यालय में पुष्पांजलि अर्पित कर किया पौधरोपण

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में डॉ. मुखर्जी के बलिदान दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में मीडिया से चर्चा में बोले मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर मध्यप्रदेश को बनाएंगे नंबर वन राज्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में आवागमन के साधन विकसित करने को लेकर हमारी सरकार गंभीरता से काम कर रही है। वर्तमान में इंदौर और भोपाल मेट्रो ट्रेन का प्रोजेक्ट चल रहा है। यहां आखिरी चरण का काम शेष रह गया है, जल्द ही दोनों मेट्रो ट्रेन की शुरुआत होने जा रही है।

मुख्यमंत्री रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदे भारत ट्रेन का नया वर्जन निकाला है, जिसमें हमारी बनी बनाई पटरियों पर वन्दे मेट्रो ट्रेन चलाई जाएगी। जिसकी स्पीड भी डबल हो जाएगी। साथ ही, ऐसे छोटे इलाके में जहां आवागमन ज्यादा है, यहां मेट्रो के प्रोजेक्ट को लेकर कठिनाइयां आती हैं। ऐसे में रोप-वे, केबल कार के माध्यम से यातायात की व्यवस्था में सुव्यवस्था स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे कई विषयों को लेकर हमने जॉइंट मीटिंग की है। खासकर पहले चरण में

5 शहर इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में हम काम कर रहे हैं। इंदौर से उज्जैन मेट्रो ट्रेन की एक फिजिबिलिटी रिपोर्ट आई थी, सिंहस्थ से पहले इस प्रोजेक्ट को हाथ में लेने का निर्णय किया है। हम अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए, मध्यप्रदेश को नंबर वन राज्य बनाएंगे।

महिला के साथ में रहना चाहता था आरोपी, मना करने पर पत्थर मारकर कर दी हत्या; गिरफ्तार

रायगढ़। 26 मार्च को ग्राम सहसपुर कमतरा के गौलोचन राठिया (50) द्वारा ग्राम सहसपुर टिहली पहाड़ जंगल में एक अज्ञात महिला उम्र करीब 35-40 वर्ष का शव पड़े होने की सूचना देकर मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। अज्ञात मृतका की शिनाख्तगी का प्रयास किया जा रहा था। घरघोड़ा थाना पुलिस द्वारा मृतका की शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त की गई, जिसमें मृतका के सिर में चोट लगने से मौत होने की पुष्टी हुई। मामले की जांच के दौरान अकलसाय केरकेट्टा के खिलाफ 23 जून को केस दर्ज किया गया। सहसपुर गांव के टिहली पहाड़ जंगल में महिला की लाश मिलने के मामले में जांच दौरान आठ जून को अज्ञात मृतका की पहचान उर्मिला मिंज पति स्व. एडमोन मिंज सकरलिया पारा बोंकी ग्राम पंचायत के रूप में हुई। मृतका के परिजनों ने बताया कि महिला उर्मिला मिंज को 10-12 वर्ष से अकलसाय केरकेट्टा निवासी ग्राम बरपालीए चौकी रैरूमा खुर्द पत्नी बनाकर रखा था, जिसके साथ उर्मिला को अंतिम बार देखे थे और अकलसाय केरकेट्टा पर घटना कारित करने की शंका जाहिर किए। संदेही अकलसाय केरकेट्टा को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसने बताया कि करीब डेढ़ साल से उर्मिला इसके साथ नहीं रह रही थी, जिसे साथ रहने के लिये मना रहा था। इसी बीच 16 मार्च की दोपहर उर्मिला को मिला और साथ रहने के लिए बुलाया। नहीं मानने पर ग्राम सहसपुर टिहली पहाड़ जंगल में ठोस पत्थर से सिर पर मारकर हत्या कर दी।

भाटापारा में आसमान से गिरी आफत

खेत में काम कर रहे दो किसानों पर गिरी आकाशीय बिजली, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भाटापारा

पलारी थाना क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से दो ग्रामीणों की मौत का मामला सामने आया है। पलारी थाना पुलिस मर्ग कायम कर मृतकों के शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा है। पूरा मामला इस प्रकार है कि बीते रविवार को दोपहर 12 बजे ग्राम गातापार निवासी भोला निषाद 34 वर्ष एवम सहयोगी नंद कुमार वर्मा दोनों अपने खेतो में काम करने गए हुए थे।

तभी दोपहर में मौसम खराब होने और आकाशीय बिजली गिरने से दोनों की मौत हो गई। दोनों की खेत में ही मौत हो गई। जिसका पता परिजनों को सुबह चला। जब दोनों युवक देर रात तक घर नहीं पहुंचे तो उनके परिजन उन्हें ढूंढते हुए खेतों की ओर गए। जहां खेत में दोनों के शव पड़े मिले। उन्होंने इसकी सूचना थाना पलारी पुलिस को दी। जांच में दोनों किसानों की मौत बिजली गिरने से होने का पता चला। पुलिस ने पंचनामा आदि की कार्रवाई के बाद शव को पोरस्टमार्टम के लिए भेजा।

विस्फोट से हो गया था लगभग आठ फीट गहरा और 12 फीट चौड़ा गड्ढा

सुकमा में 50 किलो आईईडी का हुआ इस्तेमाल निशाने पर था जवानों से भरा वाहन, प्लान फेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

सुकमा में रविवार को जगरगुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत टैकलगुडम से एक किलोमीटर दूर नक्सलियों ने एक बड़ा विस्फोट किया। जिसमें एक वाहन के परखच्चे उड़ गए। इस दौरान वाहन में सवार दो जवान मौके पर ही शहीद हो गए। वहीं इस घटना के बाद जवान मौके पर पहुंचे और शवों को निकाल कर कैंप ले जाया गया। इस घटना को नक्सलियों ने अंजाम दिया। जहां सड़क पर नक्सलियों ने 50 किलो की आईईडी का उपयोग किया था। जिससे लगभग आठ फीट गहरा और 12 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया।

बता दें कि रविवार को जवानों के लिए राशन पूवर्ती और टेकलगुडम कैंपों के लिए जा रहा था। वहीं ऑपरेशन पर गए जवानों की वापसी भी इस दौरान होनी थी। घटना को देख अनुमान लगाया जा सकता है कि दंतेवाड़ा जिले में 26 अप्रैल 2023 को हुए अरनपुर ब्लास्ट में जिस प्रकार 10 जवान और एक वाहन चालक शहीद हुए थे।

10 साल में सैकड़ों जवानों की गई जान

राशन से भरा हुआ था वाहन

ठीक उसी प्रकार नक्सली जवानों से भरी वाहन को निशाना बनाना चाह रहे थे। जिसमें 10, 15, 20, 25 या 30 जवान होंगे। लेकिन नक्सलियों ने जिस वाहन को निशाना बनाया उसमें सिर्फ दो जवान ही मौजूद थे और वह वाहन राशन से भरा हुआ था। वाहन के पीछे तिरपाल लगी होने की वजह से नक्सली यह नहीं समझ पाए की इस वाहन के पीछे कितने जवान हैं।

छत्तीसगढ़ के बस्तर में पिछले 10 सालों में सैकड़ों जवान शहीद हुए हैं। सैकड़ों की नक्सलियों ने जवानों और बेस कैंप को घेरकर उन पर हमला किया। हालांकि जवानों ने भी नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दिया, लेकिन अचानक हुए नक्सली हमलों में सुरक्षा बलों को ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं प्रशासन ने भी नक्सलियों के खत्मे के लिए अभियान चला रखा है। रोजाना जवान सर्चिंग कर रहे हैं। इस दौरान नक्सलियों से मुठभेड़ भी हो रही है। वहीं सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी भी मिली है, जिसमें भारी मात्रा में नक्सलियों के पास मौजूद सामान और हथियार और ब्लास्ट करने के सामान भी बराम किए।

नक्सलियों के आईईडी ब्लास्ट में शहीद हुए थे दो जवान

नम आंखों से दी श्रद्धांजलि, गार्ड ऑफ ऑनर के साथ दी शहीदों को अंतिम विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

सुकमा जिले के जगरगुंडा में रविवार को नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईईडी ब्लास्ट में कोबरा बटालियन के दो आरक्षक शहीद हो गए। घटना के बाद शहीद जवानों के शव को मेकाज लाया गया। जहां देर रात जवानों के शव को पहले एम्बोम्बिंग किया गया, उसके बाद पीएम हुआ।

सोमवार की सुबह जवानों का पार्थिव शरीर करनपुर स्थित कोबरा बटालियन ले जाया गया। जहां आला अधिकारियों के द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बता दें कि 23 जून की सुबह जगदलपुर के करनपुर से राशन सामग्री को लेकर 201 कोबरा बटालियन के दो आरक्षक सामान लेकर टेकलगुड़ा कैंप जा रहे थे। जिसमें शैलेन्द्र (30) ग्राम नबगांव गौतम थाना महराजपुर जिला कानपुर यूपी और विष्णु आर 35 वर्ष निवासी कुरुपूजा पोस्ट आफिस चिरंगतेल जिला तिलवेंद्रपुरम राज्य केरल से थे। अचानक पहले से घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर दिया। इस घटना में मौके पर ही दोनों आरक्षक शहीद हो गए थे।

सूर्यकांत केलकर शालिगराम तोमर स्मृति राष्ट्र सेवी सम्मान से सम्मानित, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा...

शालिगराम तोमर ने विद्यार्थी परिषद के एक-एक विद्यार्थी को गढ़ने का कार्य किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विद्यार्थी परिषद के संस्थापक शालिगराम तोमर ने विद्यार्थी परिषद के एक-एक विद्यार्थी को गढ़ने का कार्य किया। उन्होंने कार्यकर्ता की गलतियों को क्षमा कर उनके अंदर छुपी अच्छाइयों को निखारने का कार्य किया। उन्होंने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के निर्माण के लिए उनके गुण-अवगुणों का बारीकी से अध्ययन कर उनकी प्रतिभा को उभारने में योगदान दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मानस भवन में नवलय संस्था की ओर से आयोजित शालिगराम तोमर स्मृति समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्यामाप्रसाद मुखर्जी और शालिगराम तोमर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा मां भारती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ कार्यकर्ता सूर्यकांत केलकर को शाल, स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र भेंट कर शालिगराम तोमर स्मृति राष्ट्र सेवी सम्मान से सम्मानित किया। समारोह में शालिगराम तोमर की धर्मपत्नी श्रीमती शांता तोमर तथा परिवार के अन्य सदस्य, छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरूण साव, सांसद बृज मोहन अग्रवाल एवं जनप्रतिनिधि और संस्था के पदाधिकारी उपस्थित थे।

नवलय संस्था ने किया शालिगराम तोमर स्मृति समारोह का आयोजन

आपातकाल में जो जेल में थे, उनके परिवारों से जीवंत संपर्क किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शालिगराम ने आपातकाल में जो कार्यकर्ता जेल में थे, उनके परिवारों से जीवंत सम्पर्क कर उनका उत्साह बनाए रखने में प्रमुख भूमिका निभाई। शालिगराम को 1978 में 'अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद' का दायित्व सौंपा गया। उन्होंने महाकौशल, मध्यप्रदेश, उड़ीसा तथा उत्तर प्रदेश में विद्यार्थी परिषद के कार्य को मजबूत किया। इस दौरान बने कई कार्यकर्ताओं ने भविष्य में सामाजिक क्षेत्रों में प्रतिष्ठा प्राप्त की।

तोमर ने किए असाधारण कार्य

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि शालिगराम तोमर ने विद्यार्थियों के हित में असाधारण कार्य किया। उनका जीवन कठिन परिस्थितियों से भरा हुआ था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में पौधारोपण कर प्रकृति संवर्धन और संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्मृति चिन्ह और पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। उन्होने शालिगराम जी की धर्मपत्नी श्रीमती शांता तोमर का शाल, स्मृति चिन्ह और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवलय अनुबोध पत्रिका का विमोचन भी किया। समारोह में अभय महाजन तथा मप्र और छत्तीसगढ़ से पधारे बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ कायकर्ताओं ने अपने स्मरण सुनाए। समारोह में पूर्व सांसद सुश्री प्रज्ञा ठाकुर और विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शार्ट सर्किट से आग लगने की जताई आशंका

जूते के दुकान में लगी भीषण आग लाखों रुपए का माल हुआ खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

जांजगीर चांपा जिले के शिवरीनारायण के नटराज चौक के पास स्थित शू हाऊस में आग लगने से लाखों का नुकसान हुआ है। शार्ट सर्किट हाउस की वजह से आग लगने की आशंका जताई गई है। आग लगने के बाद काम कर रहे कामचारियों ने भाग कर अपनी जान बचाई है।

मिली जानकारी के अनुसार, आज सोमवार की सुबह 9.30 बजे लगभग शू हाऊस में शार्ट सर्किट के वजह से अचानक आग लग गई। आग लगने से दुकान के अंदर काम कर रहे कर्मचारियों

ने भाग कर अपनी जान बचाई। वहीं दुकान के अंदर अधिक धुआं भर गया। वहीं घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने से लाखों का नुकसान हुआ है।

लगभग साढ़े चार महीने तक इसी अवस्था में रहेंगे, शनि 15 नवंबर को मार्गी होंगे

शनि 29 से कुंभ राशि में चलेंगे उल्टी चाल कुछ को लाभ, कुछ को परेशानी

जबलपुर।

न्याय के देवता व कर्मफल दाता सूर्य पुत्र शनि देव 29 जून से कुंभ राशि में ही वक्री होंगे यानी उल्टी चाल चलेंगे। ज्योतिष में शनिग्रह का महत्व है। पुण्य फल में शनि इतना देते हैं, कि व्यक्ति को समेटते नहीं बनता है और वक्रदृष्टि पडऩे पर राजा से रंक बनाने में भी समय नहीं लगाते हैं। शनि देव 29 जून को रात 11 बजकर 40 मिनट पर कुंभ राशि में वक्री होंगे और लगभग साढ़े चार महीने तक इसी अवस्था में रहेंगे। इसके बाद शनि 15 नवंबर 2024 को मार्गी होंगे।

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, शनि जिस राशि में वक्री होते हैं, उसके लिए सबसे ज्यादा कष्टकारी साबित होते हैं। साथ ही जिन लोगों पर शनि की साढ़े साती और ढैय्या चल रही होती है, उन्हें भी शनि वक्री के दौरान सावधान रहने की जरूरत होती है।

मकर, कुंभ व मीन राशि के जातक सावधान रहे

मकर, कुंभ और मीन राशि पर शनि की साढ़े साती का प्रभाव है। वहीं कुंभ में साढ़ेसाती का दूसरा, मकर में आखिरी और मीन राशि पर पहला चरण चल रहा है। साढ़े साती में शनि के वक्री होने से पीड़ित राशियों को इस समय कष्ट का सामना करना पड़ेगा। शनि के कुंभ राशि में होने की वजह से कर्क और वृश्चिक राशि के जातकों पर शनि की ढैय्या का प्रभाव है। ज्योतिष के अनुसार शनि सभी ग्रहों में सबसे धीमी गति से चलते हैं, लेकिन शनि देव जब वक्री होते हैं तो कई राशियों को परेशानी में डाल देते हैं। शनि का वक्री होना शुभ नहीं माना जाता है। हालांकि शनि वक्री होकर सभी के लिए अशुभ साबित नहीं होते। इस दौरान वे कई राशियों को शुभ फल भी प्रदान करते हैं।

शनि वक्री से इन राशियों को होगा लाभ

मेष राशि,सिंह राशि और धनु राशि के जातकों पर शनि वक्री का प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि वक्री अवस्था में शनि महाराज इनके लिए शुभ साबित होंगे और कर्म व मेहनत का फल प्रदान करेंगे।

इन राशि पर बढ़ेगा काम का दवाब

शनि की वक्री चाल मीन, कुंभ, मकर, वृश्चिक, कर्क, मिथुन, वृषभ, तुला और कन्या शनि वालों के करियर के लिए परेशानी का सबब बनेगी। ज्योतिषाचार्यों का अनुमान है कि इस अवधि में इन राशि वालों पर काम का दबाव बढ़ सकता है। वरिष्ठ आपकी मेहनत को नजरअंदाज कर सकते हैं और इसके चलते आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच सकते हैं। इससे करियर में नुकसान हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए ट्रांसफर की संभावना है और वे इससे दुखी और असंतुष्ट महसूस करेंगे। इससे नौकरीपेशा करने वाले लोगों का मन तरह-तरह से परेशान रहेगा। इससे वे सही निर्णय नहीं ले पाएंगे। आपके आफिस या कार्यस्थल पर प्रतिष्ठा में कमी आने की संभावना है।

जन्मोत्सव पर लड्डू गोपाल को लगाए छप्पन भोग

जबलपुर। आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष,बाल गोपाल के जन्मोत्सव पर शास.प्राथ.शाला प्रांगण में साठिया कुआं में श्री गोपाल संकीर्तन मंडल,मानस संकीर्तन मंडल,चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में बाल गोपाल का जन्मोत्सव बड़े हर्षेल्लास से अभिषेक,दर्शन,पंचामृत माखन मिश्री,छप्पन भोग लगाकर मनाया गया। इस अवसर पर मनमोहक सुमधुर धुन पर भजन सकीर्तन बधाई गीत गाए गए, जहां भक्तजन भावविभोर होकर खूब थिरके। इस अवसर पर संकीर्तनाचार्य पं.मनमोहन दुबे,पं.देवेंद्र त्रिपाठी,संयोजक देवेंद्र नेमा,प्रवीण नेमा,अमित साहू,रमा,सोनिका श्रीवास्तव चमन, श्रीवास्तव, प्रभा, अर्चना, साधना, मेनका, रेखा, रश्मि, बबली,कीर्ति,चुनचुन,ऐश्वर्या, त नु,पीहु,प्रांजुल,रिंकी खरे,सत्यप्रकाश नामदेव,के एल दीक्षित,सुरेंद्र गिरी,सुरेश विश्वकर्मा,श्याम मनोहर पटेल,मनोज विश्वकर्मा,मनोज गुलाबवानी,विशाल पंडय़ा,गुड्डा सोनी,सुरेश चौरसिया, गोलू,पिंकी, यश, चिराग, वंश, शुभ, प्रिंस युवी आदि मौजूद थे।

तैराकों ने जीते मैडल

जबलपुर। 52वीं म.प्र. राज्य स्तरीय तैराकी चैम्पियनशिप 2024 में स्वीमिंग अकाडमी सत्य प्रकाश पब्लिक स्कूल के प्रशिक्षक शिवम् श्रीवास्तव एवं नगर निगम क्रीड़ा अधिकारी राकेश तिवारी द्वारा संचालित भंवरताल स्वीमिंगपूल के प्रशिक्षक शिवम पटेल, आशिष पटेल के निर्देशन ब्रांज मेडिल जीतने में सफलता प्राप्त की। साथ ही साथ नगर के ही गौरव तैराक आरव जैन, तनिष्क रोहरा, सनाया मारको, भावेश पटेल, अथर्व सिंह, धूव बाथरे, सरकार शेर सिंह, अक्षित मिश्रा, प्रनय नाहिर, मयंक तेलानी, तनिष्क झारिया ने वहीं बालक-बालिका तैराक आदित्य मिश्रा, समरथ खरे, अक्षित शर्मा, अंश अरोरा, स्पर्श गुप्ता, कबीर कश्यप, शोर्य भारिल, प्रिंस सिंह, प्रभु शर्मा, जनमेजय पचौरी, शिल्पी कोल, वीर के. जैन, अभिनीत रंजन, रितविक वाफना, मयंक तेलनी, तनिष्क झरिया आदि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर श्रीमति तरंग ग्रोवर आदि ने तैराकों को शुभकामनाएं दीं।

दिव्यांगजनों के लिये चलाया जा रहा विशेष भर्ती अभियान

जबलपुर। म.प्र. शासन द्वारा शासन के विभिन्न विभागों में दिव्यांगजनों हेतु विशेष भर्ती अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी पदों पर दिव्यांगजनों हेतु भर्ती की जा रही है। इसी तारतम्य में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, दिव्यांग प्रकोष्ठ, शासकीय महाकोशल कला एवं वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर एवं राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ के संयुक्त तत्वाधान में दिव्यागों जनों को आवेदन फार्म भरने में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसलिए आवेदन फार्म भरने हेतु 03 हेल्प सेंटर बनाये गये है। जिसमें दिव्यांगजन उपस्थित होकर आवेदन फार्म भरवा रहे है। प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय समन्वयक, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, जबलपुर संभाग एवं डॉ. शिवेन्द्र सिंह परिहार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संघ ने बताया कि शासन द्वारा दिव्यांगजनों हेतु विशेष भर्ती अभियान चलाया जा रहा है। इस हेतु हिंदी विभाग, शासकीय महाकोशल कॉलेज, राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ ज्ञानदीप स्पर्श उच्च शिक्षा कन्या छात्रावास न्यू डिलाइट कैंपस, जबलपुर एवं राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ कार्यालय, धनवंतरी नगर, जबलपुर को हेल्प सेंटर बनाये गये है। जिसमें जबलपुर संभाग के दिव्यांग विद्यार्थियों को विज्ञप्ति पदों के फार्म भरने में आने वाली समस्याओं के समाधान एवं उनके फार्म भरवाये जा रहे है। जिसमें अभी तक 720 दिव्यांगों के फार्म भरवाये जा चुके है और यह प्रकिया अंतिम तिथि तक जारी रहेगी। प्रो. शुक्ल ने बताया कि इस भर्ती प्रकिया में अधिक से अधिक विद्यार्थी सफल हो यही प्रयास है। इस अवसर पर डॉ. महेन्द्र कुमार कुशवाहा, मनीष कुमार रघुवंशी के साथ अन्य उपस्थित रहें।

चौरसिया समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह होगा 11 अगस्त को

जबलपुर। चौरसिया समाज जबलपुर के तत्वावधान में 36वां चौरसिया प्रतिभा सम्मान का आयोजन चौरसिया दिवस के परिपेक्ष में 11 अगस्त 2024 को किया जाएगा, इस आशय की जानकारी भगवान गौरीशंकर मंदिर प्रांगण में 23 जून 2024 को आयोजित बैठक में हुए निर्णय के बाद अध्यक्ष प्रमोद चौरसिया द्वारा दी गई। इस आयोजन के मुख्य संयोजक शिवकुमार चौरसिया को बनाया गया है। संयोजन समिति में स्नेहलता दिनेश चौरसिया, सुमन इंजी. हरीश, रितू विवेक (राजू), सिमा राजू चौधरी, अंजना दिलीप चौरसिया, राजेश जवाहरलाल, एड. राकेश, राकेश प्रेमचंद, अंकित, प्रकाश व हिमांशु सरन चौरसिया को मनोनीत किया गया है। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी अनिकेत चौरसिया ने दी है। बैठक में एमएस मोदी, राजू आरसी, मनोज गौरीशंकर, ऋषि, राजेश, अवधेश, भगवान, रामकृष्ण, संदीप, आशीष आकाश, सौरभ सोनू, शैलेन्द्र, गोपाल नारायन, अनिकेत चौरसिया, श्रीमती देवेश्वरी, श्रीमती सरिता, श्रद्धा चौरसिया की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

नन्हें बच्चों ने जानी रानी दुर्गावती की कहानी

जबलपुर,। रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित संभागीय बाल भवन जबलपुर में भी विशेष बाल सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिथि वक्ता तथा संस्कार डॉक्टर अपर्णा तिवारी ने बच्चों को रानी दुर्गावती के जीवन पर आधारित कहानी सुनाई गई। इस अवसर पर श्रीमती मोहिनी मोघे ने वीरांगना रानी दुर्गावती के के जीवन पर आधारित डॉक्टर आनंद राणा द्वारा बच्चों के लिए लिखे गए ऐतिहासिक शोध कार्य से महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया। संभागीय बाल भवन में प्रति सप्ताह व्यक्तित्व विकास एवं संस्कार शिक्षा की कक्षाएं रानी दुर्गावती बलिदान दिवस से प्रारंभ की गईं। कार्यक्रम में डॉक्टर रेनू पांडे एवं सोमनाथ सोनी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ ने वीरांगना रानी दुर्गावती को अर्पित किए श्रद्धा सुमन

जबलपुर। गोंडवाना राजवंश की वीरांगना रानी दुर्गावती के 461वें बलिदान दिवस 24 जून 2024 पर गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ के संभागीय अध्यक्ष किशोरीलाल भलावी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान स्थल, समाधि स्थल पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रतिनिधि मंडल में जिला अध्यक्ष नेम सिंह मरकाम, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष अजय झारिया, सलाहकार एडवोकेट बालकिशन चौधरी, सरमन रजक, अंजना इनवाती, दिशा इनवाती, गयासिंह, राजू चौधरी, सुखदीन कटारे आदि उपस्थित थे। किशोरी लाल भलावी ने रानी दुर्गावती को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने आदिवासियों को उनके अधिकारों से वंचित करने के लिए तीन अधिनियम 1957 जलवायु एवं पर्यावरण अधिनियम, 1986 लेंड एक्वीजिशन और रीसेटमेंट एक्ट, तथा 2013 एनवायरनमेंट इंपेक्ट एसेसमेंट नोटिफिकेशन एवं 2006 वन अधिनियम के प्रावधानों की मूल भावना में व्यापक परिवर्तन किए हैं इससे पूरे देश एवं आदिवासी बाहुल्य राज्यों में भूमि पर मिलने वाली खनिज संपदा की लूट हो रही है। इससे लगभग चालीस लाख परंपरागत आदिवासी मूलनिवासियों को पैतृक जमीन से बेदखल किया जा रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण मणिपुर की घटना है जिसमें खनिजों का उत्खनन किया जा रहा है। इसी प्रकार हसदेव परियोजना में आदिवासियों को विस्थापित कर कोयले का अवैध उत्खनन करना इसका सटीक उदाहरण है। केंद्र सरकार से मांग की है कि जो संविधान में यह संशोधन किए गए हैं इसको तत्काल वापस लें और आदिवासियों को वन में रहने का पूर्ण अधिकार दें। कार्यक्रम के पश्चात गढ़ा गोंडवाना संरक्षण जबलपुर के पदाधिकारियों ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आदिवासी पीठ के निदेशक प्रो. विशाल बन्ने के साथ रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

श्रीसर्व ब्राम्हण संघ ने नर्मदा तट, गौरीघाट में की परशुरामजी की महाआरती

जबलपुर। श्री परशुराम सर्व ब्राम्हण संघ द्वारा प्रत्येक सोमवार की तरह परशुराम जी की महाआरती गौरीघाट, नर्मदा तट पर आषाढ़ माह के शुभ प्रथम सोमवार को विधि विधान से पूजन अर्चन कर संपन्न हुई, भगवान इंद्रदेव से अच्छी वर्षा हेतु सभी ने प्रार्थना की तत्पश्चात सभी ने शौर्य, पराक्रम और स्वाभिमान की प्रतीक वीरांगना रानी दुर्गावती को 461वें बलिदान दिवस पर पुण्य स्मरण कर शत शत नमन किया एवं कन्या पूजन कर प्रसाद वितरण किया। महाआरती में सभी नए उपस्थित भक्तों को श्री रामलला के प्राणप्रतिष्ठा का प्रथम छाया चित्र एवं वस्त्र पट्टिका देकर सम्मानित किया। जिसमें आरती प्रभारी वरिष्ठ नगर अध्यक्ष पंडित यदुवंश मिश्रा, अध्यक्ष डॉ. अरुण मिश्रा, अश्वनी दुबे एवं मातृशक्ति में मधुबाला दुबे, अनीता शुक्ला, वनिता मालवीय सहित अन्य उपस्थित रहीं।

मार्कशीट के अभाव में छात्र और पालक परेशान

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में अध्यनरत छात्र/ छात्राओं को राज्यशिक्षत केन्द्र की हीलाहवाली के चलते कक्षा 1 से 4 और कक्षा 6वी और कक्षा 7वी की मार्पशीट आज दिनांक तक अप्राप्त है जिससे पालकों और छात्रों में रोष व्याप्त है। पहले स्कूल स्तर मार्पशीट खरीद कर शाला के माध्यम से छात्रों को वितरित की जाती थी परंतु जब से राज्य शिक्षत केन्द्र के माध्यम से मार्पशीट दी जा रही है या तो सत्र के बीच में या सत्र समाप्त होने पर उपलब्ध करायी जाती है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, जियाउर्रहीम, हेमन्त ठाकरे, दिनेश गोंड, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, फिलिप एंथोनी, राजकुमार यादव, रऊफ खान, विनोद सिंह, एनोस विक्टर, राम प्रसाद दुबे, मनमोहन चौधरी, दीपेश कुमार, सुधीर अवधिया, उमेश ठाकुर, सुरेन्द्र चौधरी, मकसूद अहमद कादरी, सुनील झारिया, संतोष चौरसिया, राजकुमार यादव, विनय रामजे, वसीम खान, श्रीमती स्वाति गढ़ेवाल, शबाना खान, संजना सोनी, सोनल शुकला, ग़जाला परवीन आदि ने आयुक्त राज्य शिक्षा केन्द्र से मांग की है कि मार्पशीट स्कूलों में अतिशीघ्र भेजी जाएं।

कांग्रेस का जंगी प्रदर्शन उग्र आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट मीटर के खिलाफ मुख्य अभियंता कार्यालय का घेराव

जबलपुर। स्मार्ट मीटर की खामियो, भ्रष्टचार और अनियमित्ताओं के विरोध में नगर कांग्रेस ने मुख्य अभियंता कार्यालय का घेराव किया। कांग्रेस के सभी ब्लाकों को और प्रकोष्ठों के पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं आमजन रामपुर आजाद चौक में एकत्रित हुये। जहां से जुलूस की शक्ल में रामपुर स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय पहुंचे। यहां घेराव नारेबाजी और प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में भारी तादाद में कांग्रेस जन उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओ ने यहां कहा है कि जबलपुर शहर की जनता को लुटने नहीं दिया जाएगा। स्मार्ट मीटर नहीं लगने दिये जाएंगे। जो लगे है उनको निकाला जाए। स्मार्ट मीटर की खामियां और नीतियो को दुरस्त किया जाए। जनता को बताया जाए। अन्यथा कांग्रेस उग्र आंदोलन के लिये मजबूर होगी। जो जबलपुर बंद तक जाएगा। प्रदर्शन के दौरान शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ शर्मा, गुड्डू नबी, अनुज श्रीवास्तव, गुड्डू तामसेतवार, पार्षद शफीक हीरा, विजय रजक, रिजवान कोटी, बिजली प्रकोष्ठ के पदाधिकारी व पार्षद तमाम बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने यहां कहा कि नियमों के तहत पुराने मीटर के साथ अटैच करके नये मीटर लगाने थे। लेकिन मीटर लगाने का काम कर रही प्रायवेट कंपनी ने पूरे शहर में पांच चेक मीटर भी नहीं लगाए। यह स्मार्ट मीटर भविष्य में बेहद दुखदाई होने वाले हैं। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने आरोप लगाया है कि स्मार्ट मीटर लगाने में जहां एक तरफ नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। वहीं भारी अनियमित्ताएं बरती जा रही हैं। श्री शर्मा के मुताबिक मोंटीकार्लो कंपनी को स्मार्ट मीटर लगाने का ठेका दिया गया है।

नाम सुधार सूचना

मैं GOUTAM BANSHKAR उम्र लगभग 45 वर्ष पिता श्री महगूलाल बंशकार निवासी म नं. 1403, लालमाटी, चाँदमारी तलैया, थाना घमापुर जिला जबलपुर, म. प्र. शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूं, मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूं। मेरी पुत्री ने शिक्षा सत्र 2023- 2024 में पी. एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय, सी.ओ.डी., जबलपुर, मप्र से कक्षा 10 वी की परीक्षा उत्तीर्ण की थी जिसमें मेरी पुत्री को कक्षा 10वी की टी.सी. प्राप्त हुयी है। मेरी पुत्री की टी.सी. में मेरी पुत्री का नाम SHERYA VANSHKAR, मेरी पत्नी का नाम ANJANA VANSHKAR एवं मेरा नाम GOUTAM VANSHKARY दर्ज है, जिसमें मेरी पुत्री के नाम SHERYA एवं हमारे सरनेम VANSHKAR की स्पेलिंग गलत दर्ज है। मेरी पुत्री के कक्षा 10 वीं की अंकसूची में मेरी पुत्री का नाम SHREYA BANSHKAR, मेरी पत्नी का नाम ANJANA BANSHKAR एवं मेरा नाम GOUTAM BANSHKAR दर्ज है, जो कि सत्य व सही है। मेरी पुत्री के शाला के रिकॉर्ड में मेरी पुत्री का नाम SHREYA BANSHKAR, मेरी पत्नी का नाम ANJANA BANSHKAR एवं मेरा नाम GOUTAM BANSHKAR दर्ज किया जावे।

नाम सुधार सूचना

मैं आर्मी नं. 14426142Y, एक्स नायक, विश्वनाथ चौधरी (VISHWANATH CHAUDHARY) उम्र लगभग 46 वर्ष पिता स्व. शिवराम चौधरी निवासी शंकर नगर, बड़ा पत्थर, थाना राँझी, जिला जबलपुर, म.प्र. शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूं, मैं शपथकर्ता उपरोक्त पते पर स्थायी रूप से निवास करता हूं। मैं भारतीय थल सेना में नायक के पद से सेवानिवृत्त हुआ हूं। मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पुत्र का नाम VISHWAJIT CHOUDHARY दर्ज है, जिसमें मेरे पुत्र के नाम VISHWAJIT में। गलत दर्ज है। मेरे पुत्र के आधार कार्ड (5353 1417 3389) एवं शिक्षा संबंधी दस्तावेजों में मेरे पुत्र का नाम VISHWAJEET CHOUDHARY दर्ज है, जो कि सत्य व सही है। VISHWAJIT CHOUDHARY एवं VISHWAJEET CHOUDHARY ये दोनो ही नाम मेरे पुत्र के ही है, किसी अन्य के नही है। मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पुत्र का पूरा व सही नाम VISHWAJEET CHOUDHARY दर्ज किया जावे।

नाम परिवर्तन (सुधार) की लोक सूचना

मैं, श्रीमती सुनयना देवी (Smt. Sunayana Devi) पति स्व. ध्रुप नारायण सिंह जन्म तारिख 01/07/1945, निवासी बादशाह पटेल के मकान के पास, चंपानगर, मानेगाँव, पोस्ट खमरिया, जबलपुर (म.प्र.) 482005 सर्व साधारण को सूचित कर रही हूं कि मेरे पति स्व. ध्रुप नारायण सिंह Ex NK No. 4236835 H, बिहार रेजीमेंट से दिनाँक 01/07/1980 को सेवानिवृत्त हुये थे। मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम सुनैना देवी (Sunaina Devi) दर्ज है जोकि गलत है जबकि मेरा सही नाम सुनयना देवी (Sunayana Devi) है जोकि मेरे पी.पी.ओ., आधार कार्ड, पेनकार्ड एवं बैंक खाता में दर्ज है। मैंने नाम सुधार की वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण की है। उक्त दोनों नाम एक ही महिला अर्थात मेरे ही हैं। अत: अब मेरा नाम सुनैना देवी (Sunaina Devi) के स्थान पर मेरा सही नाम सुनयना देवी (Sunayana Devi) मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे।

सही नाम-सुनयना देवी
Correct Name-Sunayana Devi
गलत नाम-सुनैना देवी
Incorrect Name-Sunaina Devi

खबर संक्षेप

नंदन डेनिम बोर्ड ने 1:10 स्टॉक स्प्लिट को मंजूरी दी

अहमदाबाद : डेनिम उद्योग की अग्रणी कंपनी नंदन डेनिम लिमिटेड ने घोषणा की,कि उसके निदेशक मंडल ने कंपनी के इक्विटी शेयरों के 1:10 के अनुपात में उपविभाजन/स्प्लिट को मंजूरी दे दी है। इस स्प्लिट के तहत, 10 रुपए अंकित मूल्य का एक शेयर 1 रुपये अंकित मूल्य के 10 शेयरों में विभाजित किया जाएगा। यह निर्णय शेयरधारकों और अन्य वैधानिक नियामक प्राधिकरणों के अनुमोदन के अधीन है। कंपनी ने बताया कि स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट की सूचना उचित समय पर स्टॉक एक्सचेंजों को दी जाएगी।

एवीपी इंफ्राकॉन के शुद्ध लाभ में 59 फीसदी वृद्धि

मुंबई । वर्सेटाइल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी एवीपी इंफ्राकॉन लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने स्टैंडअलोन ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। परिचालन आय 40.16 फीसदी वार्षिक बढ़कर 93.88 करोड़ रुपए हुई। एबिटडा 45.95 फीसदी वार्षिक बढ़कर 21.42 करोड़ रु. हुआ। एबिटडा मार्जिन 90 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 22.81 फीसदी हुई, शुद्ध लाभ 56.65 फीसदी वार्षिक बढ़कर 11.39 करोड़ हुआ, शुद्ध लाभ मार्जिन 128 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 12.14फीसदी हुई।

प्राइट एग्रो लिमिटेड का राइट्स इश्यू खुला

अहमदाबाद। कृषि, कॉन्टैक्ट फार्मिंग, ग्रीनहाउस टेक्नोलॉजी सहित अन्य व्यवसायों में लगी अहमदाबाद स्थित प्राइट एग्रो लिमिटेड (बीएसई . 531205) का रु. 44.87 करोड़ का राइट्स इश्यू 24 जूनए 2024 को सब्स्क्रीप्शन के लिए खुलेगा। इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों सहित कंपनी की विस्तार योजनाएं के लिए किया जाएगा। कंपनी का राइट इश्यू 19 जून को रु. 45.69 प्रति शेयर के बंद भाव की तुलना में रु. 13.4 प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया गया है। राइट्स इश्यू 12 जुलाई, 2024 को बंद हो जाएगा।

बढ़ी हुई महंगाई के कारण पंप संचालन के तमाम खर्चे दोगुने हो गए

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लेने के मुद्दे पर मध्यप्रदेश सहित देश के अन्य राज्य आरंभ से ही हिचक रहे है। इसकी वजह यह उत्पादों से भारी राजस्व की प्राप्ति होती है। अलग-अलग राज्यों ने पेट्रोलियम उत्पादों पर अपनी सहूलियत के हिसाब से वैट लगाया है। वहीं केंद्र सरकार प्रति लीटर के आधार पर उत्पाद शुल्क लगाती है, जिसकी दरें पूरे देश के लिए एक समान होती हैं। यह कहना है कि मध्यप्रदेश पेट्रोल पंप ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष

अजय सिंह का।

पंप संचालक बोले- पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाए

देशभर में मानक दरें लागू होंगी और कीमतों के स्तर पर विसंगतियां

अजय सिंह ने कहा कि पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाए। महंगाई के कारण पंप संचालन के

तमाम खर्चे दोगुने हो गए हैं। ऐसे पेट्रोल पंप डीलर्स के कमीशन को बढ़ाया जाए। मध्यप्रदेश में पेट्रोल-डीजल पर लगे वैट की दरों को उत्तर प्रदेश के बराबर किया जाए। पेट्रोल पंप संचालक **नकुल शर्मा** ने कहा कि केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने पर विचार कर रही है। यदि पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी का हिस्सा बनाया जाए तो इसके कई फायदे देखने को मिलेंगे। इससे जहां आर्थिक सक्षमता बढ़ेगी, वहीं उपभोक्ताओं का भी

भला होगा। वर्तमान में पेट्रोलियम उत्पादों पर केंद्र और राज्यों के स्तर पर बहुस्तरीय कर व्यवस्था लागू है। इससे कीमतों का एक जटिल एवं मनमाना ढांचा बन गया है। इन उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने से देश भर में मानक दरें लागू होंगी और कीमतों के स्तर पर विसंगतियां समाप्त होंगी। जीएसटी में आने से करों का स्तर घटने से कीमतें नरम होने की संभावना है।

आम लोगों से लेकर व्यापारिक उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी

ट्रांसपोर्टर ठाकुरलाल राजपूत ने कहाकि पेट्रोल - डीजल के जीएसटी के दायरे में आने से आम लोगों से लेकर व्यापारिक उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। एकसमान जीएसटी दर से कीमतों के मोर्चे पर पारदर्शिता भी बढ़ेगी। जब सभी राज्यों में एक समान कर व्यवस्था लागू होगी तो एक निर्बाध राष्ट्रीय बाजार का विकास होगा, जो कि जीएसटी के मूलभूत उद्देश्यों में से एक रहा है। इससे राज्यों के बीच पेट्रोलियम उत्पादों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित होगी। ढुलाई की लागत घटेगी और आपूर्ति श्रृंखला में भी सुधार होगा। राज्यों की सीमा पर टैक्स बैरियर्स हटने से ढुलाई की गति एवं उसमें तेल की खपत भी कम होगी। इससे समग्र अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा।

जमाखोरी रोकने सरकार ने अब गेहूं पर लगाई स्टॉक लिमिट

ट्रेडर्स 10 टन और डिपो वाले करेंगे अब तीन हजार टन गेहूं का भंडारण

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल/ नई दिल्ली

जमाखोरी रोकने व उपभोक्ताओं को किफायती दाम पर अनाज, दाल-दलहन की उपलब्धता हो, इसके वास्ते चना, दाल के बाद सरकार ने खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, प्रोसेसर और बड़ी श्रृंखलाओं के खुदरा विक्रेताओं के लिए गेहूं भंडारण की सीमा लगा दी है। भंडारण सीमा लागू होने के बाद अब थोक कारोबारी 3 हजार टन गेहूं का भंडारण कर सकेगा। तो खुदरा कारोबारी 10 टन गेहूं रख सकता है। जबकि बड़े फुटकर ट्रेडर्स अपने आउटलेट पर 10 टन और डिपो वाले 3,000 टन गेहूं का भंडारण कर सकते हैं।

गौरतलब है कि सरकार ने गेहूं पर यह स्टॉक सीमा कीमतों में स्थिरता और जमाखोरी रोकने के लिहाज से लागू किया है। ज्ञात हो कि एकल खुदरा विक्रेता, बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेता, प्रोसेसर और थोक विक्रेता हर शुक्रवार को अपने पास भंडारित गेहूं के स्टॉक का खुलासा अब हर शुक्रवार को करना भी अनिवार्य किया गया है। यह भंडारण सीमा तत्काल प्रभाव से लागू होकर 31 मार्च 2025 तक प्रभावी रहेगी।

जारी अधिसूचना के मुताबिक प्रोसेसर यानी आटा मिल वाले वर्ष 2024-25 के बचे महीनों में अपनी स्थापित मासिक क्षमता के 70 फीसदी तक गेहूं का भंडारण कर सकते हैं। सरकार ने उन कारोबारियों को जिनके पास तय की गई भंडारण सीमा से अधिक गेहूं का भंडारण है, 30 दिन का समय भंडारण को निर्धारित सीमा तक लाने के लिए दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार इससे पहले भी गेहूं के दाम नियंत्रित करने के लिए भंडारण सीमा लगा चुकी है। केंद्र सरकार ने पिछले विपणन वर्ष में कई बार भंडारण सीमा में संशोधन किया था, लेकिन नई फसल को देखते हुए इस साल 31 मार्च से गेहूं पर भंडारण सीमा को हटा लिया था। इससे पहले इस साल 8 फरवरी को गेहूं पर भंडारण सीमा में संशोधन किया गया था। जिसके मुताबिक गेहूं के थोक कारोबारियों के लिए गेहूं की भंडारण सीमा 1,000 टन से घटाकर 500 टन, जबकि प्रत्येक खुदरा कारोबारी के आउटलेट पर 5 टन गेहूं रखने की सीमा को बरकरार रखा गया था। हालांकि बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा कारोबारियों के लिए प्रत्येक आउटलेट पर सीमा को 10 टन से घटाकर 5 टन और सभी डिपो पर भंडारण सीमा 1,000 टन से घटाकर 500 टन की गई थी।

अब गेहूं कारोबारियों को हर शुक्रवार को स्टॉक की घोषणा करनी होगी, भंडारण सीमा 31 मार्च 2025 तक प्रभावी

स्टॉक सीमा का व्यापारियों पर कोई ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ने वाला

सरकार द्वारा गेहूं भंडारण के लिए लागू की गई इस स्टॉक सीमा का व्यापारियों पर कोई ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। क्योंकि थोक कारोबारी 3 हजार टन गेहूं का भंडारण करता है। राजधानी भोपाल के कोई भी गेहूं व्यापारी के पास इतनी मात्रा में गेहूं का भंडारण नहीं है और अगर किसी के पास है भी तो वह तीन-चार फर्मो का मालिक है।

संजीव जैन
गेहूं कारोबारी

दलहनों की बिक्री के लिए किसानों का ई-समृद्धि पोर्टल पर होगा रजिस्ट्रेशन

सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसान खरीफ दलहनों की बिक्री करने का अगर इच्छुक है तो वे ई-समृद्धि पोर्टल पर अग्रिम पंजीकरण करवा सकते हैं। वैसे पंजीकरण के बावजूद सरकारी एजेंसियों को अपना दलहन बेचने के लिए किसान बाध्य नहीं होंगे और यदि खुले बाजार (थोक मंडियों) में समर्थन मूल्य से ऊंचा भाव मिल रहा है तो वे वहां अपना उत्पाद बेचने के लिए स्वतंत्र होंगे। हाल ही में सरकार ने तुवर का समर्थन मूल्य बढ़ाकर 7550 रुपए प्रति क्विंटल तथा उड़द का 7400 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। सरकार को उम्मीद है कि जब नई फसल की कटाई-तैयारी जोर शोर से आरंभ होगी तब इन दोनों महत्वपूर्ण दलहनों का बाजार भाव घटकर नीचे आ सकता है और वैसी हालत में किसानों को सरकारी एजेंसियों को अपना उत्पादन बेचने के लिए विवश होने पड़ सकता है।

कल्याण ज्वेलर्स के नए शोरूम का उद्घाटन

बॉलीवुड स्टार मलैका अरोड़ा ने बीकानेर में किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीकानेर

भारत की सबसे भरोसेमंद और अग्रणी ज्वेलरी कंपनियों में से एक कल्याण ज्वेलर्स ने आज बीकानेर में अपने नए शोरूम का शुभारंभ किया। कल्याण ज्वेलर्स का यह शोरूम बीकानेर के रानी बाज़ार में सूरज टाकीज़ के पास स्थित है। बॉलीवुड स्टार मलैका अरोड़ा ने इस शोरूम का उद्घाटन किया, जिसमें कल्याण ज्वेलर्स के विभिन्न कलेक्शन से डिजाइनों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश की गई है। यहां ग्राहक विश्व स्तरीय माहौल के साथ अत्याधुनिक सुविधाओं की उम्मीद कर सकते हैं, और इस तरह उन्हें ख़रीदारी का एक बेहतर अनुभव मिलता है।

शोरूम के उद्घाटन के अवसर पर रोमांचित प्रशंसकों को संबोधित करते हुए, बॉलीवुड स्टार मलैका अरोड़ा ने कहाकि बीकानेर में आज कल्याण ज्वेलर्स के नए शोरूम का उद्घाटन करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। दरअसल कल्याण ज्वेलर्स को रिप्रेजेंट करना अपने आप में बड़े सम्मान की बात है, क्योंकि यह एक ऐसा ब्रांड है, जो विश्वास और पारदर्शिता के सिद्धांतों पर मजबूती से खड़ा है।

बीकानेर के इस नए शोरूम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कल्याण ज्वेलर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रमेश कल्याणरमन ने कहा, 'बीकानेर में हमारे नए शोरूम के लॉन्च के साथ, हमारा उद्देश्य एक खास ईको सिस्टम बनाते हुए अपने ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करना है, जिससे उनका खरीदारी का अनुभव बेहतर हो सके। कल्याण ज्वेलर्स न्यूनतम 1 लाख रुपए की खरीदारी करने वाले ग्राहकों के लिए खरीद मूल्य के आधे हिस्से पर 0 फीसदी मेकिंग चार्ज का अनूठा ऑफर दे रहा है। ये ऑफर सीमित अवधि के लिए ही वैध हैं। इसके अतिरिक्त, इसके बाजार में सबसे कम और सभी कंपनी शोरूम में मानकीकृत 'कल्याण स्पेशल गोल्ड बोर्ड रेट' लागू होगा। इस तरह एक सहज और सेवा - समर्थित खरीदारी का अनुभव सुनिश्चित होगा।

जीएसटी बढ़ने से ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर में एफडीआई आना बंद

नई दिल्ली। जीएसटी में हाल में हुई बढ़ोतरी से पे-टु-प्ले ऑनलाइन स्किल गेमिंग इंडस्ट्री पर बहुत बुरा असर देखने को मिला है। जीएसटी टैक्स में संशोधन कर डिपॉजिट पर 28 फीसदी की लेवी लगाए जाने के बाद इस सेक्टर को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। अर्न्स्ट एंड यंग और यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम द्वारा जारी एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार अत्यधिक टैक्स की वजह से चौतरफा चुनौतियां सामने आई हैं। इसमें फंडिंग की कमी, उभरते क्षेत्र की कंपनियों की विकास दर में कमी, नौकरियों का जाना और अनिश्चितता में वृद्धि जैसे बुरे असर शामिल हैं। घरेलू और वैश्विक निवेशकों से मिले 2.6 बिलियन डॉलर के एफडीआई निवेश के बावजूद अक्टूबर 2023 से इस क्षेत्र में फंडिंग विंटरश् की स्थित यानी फंड की जबरदस्त कमी की स्थिति बनी हुई है। कुल एफडीआई निवेश में से 90 फीसदी पे-टू-प्ले फॉर्मेट सेगमेंट को मिला है। कुछ कंपनियों ने नए जीएसटी व्यवस्था के बाद मुख्य निवेशकों के पूरी तरह से हाथ खींचने की बात स्वीकार की है। अधिक टैक्स का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। बदलाव से पहले जीएसटी लागत राजस्व का 15.25 फीसदी थी।

मप्र और छग में जियो के साथ जुड़े तीन लाख से ज्यादा नए मोबाइल ग्राहक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से जियो के साथ सबसे ज्यादा नए मोबाइल ग्राहक जुड़े है। अप्रैल 2024 में 3.7 लाख नए मोबाइल ग्राहकों ने जियो पर भरोसा जताया है। मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सर्किल में सभी टेलीकॉम कंपनियों के 7.9 करोड़ से ज्यादा मोबाइल उपभोक्ता है। यह

खुलासा टेलीकॉम रेगुलेट्री अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने अपने जारी रिपोर्ट में किया है। ट्राई रिपोर्ट के मुताबिक जियो के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 4.3 करोड़ से अधिक है। वायरलाइन ब्राडबैंड इंटरनेट उपयोग करने वाले ग्राहकों की संख्या 17.8 लाख है। जिसमें जियो फाइबर इंटरनेट उपयोग करने वाले उपभोक्ता 8.4 लाख से ज्यादा है। जियो का मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ मोबाइल उपभोक्ता में मार्केट शेयर 54.4 फिसदी से अधिक है। तो वहीं ब्राडबैंड इंटरनेट सेवा प्रदाता में जियो फाइबर का मार्केट शेयर 47.3 प्रतिशत से ज्यादा है। मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सर्किल में जियो की ट्रू 5जी सर्विस दोनों प्रदेश के 86 जिलों में मौजूद है। जियो के सर्किल में 10,500 से अधिक 5जी मोबाइल टावर है।

इलेक्ट्रोस्टील जल सेवक सम्मान 2024 में 'जल योद्धाओं' को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोलकाता

इलेक्ट्रोस्टील कास्टिंग्स लिमिटेड ने अपने बहुप्रतीक्षित पुरस्कार समारोह, 'इलेक्ट्रोस्टील जल सेवक सम्मान 2024' के दूसरे संस्करण की मेजबानी की, जिसमें जल क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित किया जाता है।

समारोह का आयोजन मुख्य अतिथि अशोक कुमार, महानिदेशक, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन 'नमामि गंगे' जो कि भारत सरकार में सचिव, पूर्व अतिरिक्त सचिव और भारत सरकार के राष्ट्रीय जल मिशन के मिशन निदेशक और अतिथि पद्मश्री उमा शंकर पांडे, जिन्हें भूजल योगदान में उनकी पहल के लिए उत्तर प्रदेश के गांवों में 'पानी के पहरेदार' के नाम से जाना जाता है तथा एस सुरेश कुमार, अध्यक्ष डीवीसी दामोदर घाटी निगम व शुभाप्रसन्ना भट्टाचार्य, विशिष्ट अतिथि एवं उद्योग जगत के नेताओं, पर्यावरण अधिवक्ताओं और समुदाय के सदस्यों जैसे अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों के साथ उपस्थिति में किया गया।

जल सेवक सम्मान 2024 के विजेता

जल सेवक सम्मान 2024 के विजेता में राजेंद्र खवास और सोमनाथ दरजी, सह-संस्थापक, नेचर एंड एडवेंचर स्टडी ग्रुप और आलोक सरकार व्यक्तिगत श्रेणी में और टैगोर सोसाइटी फॉर रूरल डेवलपमेंट और नेचर एंड एडवेंचर स्टडी ग्रुप

को संगठनात्मक श्रेणी में, अभिनव समाधान, व्यावहारिक अनुप्रयोगों और अथक वकालत का प्रदर्शन करने में उनके उल्लेखनीय प्रयासों के लिए जो जल स्थिरता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। इस वर्ष, विजेताओं को प्राप्त 50 से अधिक नामांकनों में से चुना गया। प्रतिष्ठित जूरी सदस्यों में प्रोफेसर (डॉ.) अभिजीत मुखर्जी, भूविज्ञान और भूभौतिकी, पर्यावरण विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के प्रोफेसर, आईआईटी खड़गपुर, डॉ.जयंत सेनगुप्ता, निदेशक, अलीपुर संग्रहालय, कोलकाता, सौमेन मित्रा, आईपीएस (सेवानिवृत्त), विशेष कर्तव्य अधिकारी और निदेशक, प्रशिक्षण, पश्चिम बंगाल सरकार और कोलकाता पुलिस के पूर्व आयुक्त, एवं वीएम रल्ली, स्वतंत्र निदेशक, इलेक्ट्रोस्टील कास्टिंग्स लिमिटेड शामिल थे।

राशिफल

मेष – वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष – धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन – माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क – आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शक्षिा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या – स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा।पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला – वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक – शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु – कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर – कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ – कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

शब्द पहेली - 5552

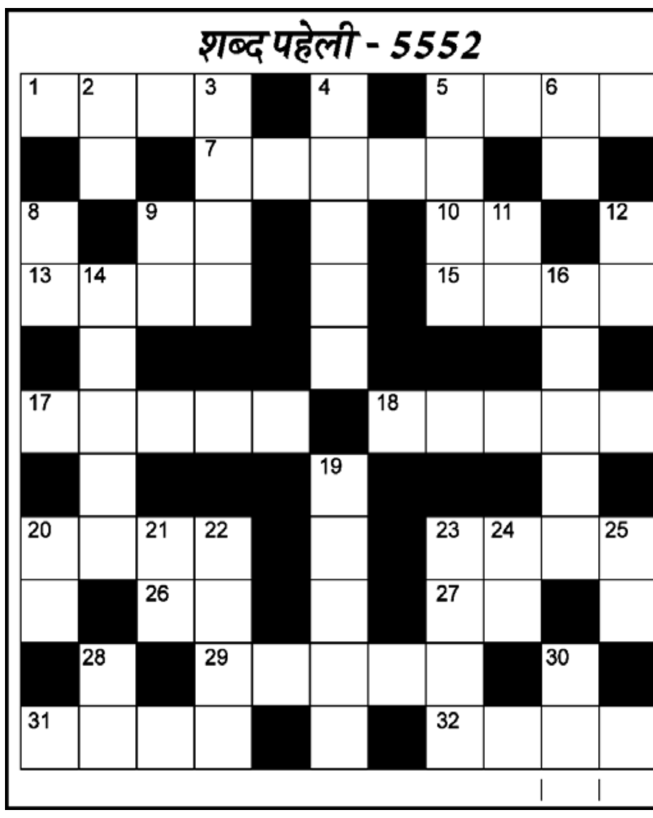

बाएँ से दाए-
1. सफल,उत्तीर्ण-4
5. ओस,रजनीजल-4
7. फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना,मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु,चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट,अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण,सम्राट-4
32. गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे
2. मां,आई,मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता,रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार,जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन,प्रतिज्ञा-2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19. विलेन,नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम,मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट,अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली -5551 का हल

सूडोकु नवताल - 5563

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5562 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

अलर्टनेस / शिखर चंद जैन

अच्छी हैं ये बुरी आदतें

अच्छा हासिल करने के लिए बुरी समझी जाने वाली आदतों के कुछ अंश हम अपना लें तो इसमें कोई बुरी बात नहीं है। वे कौन-सी बुरी आदतें हैं, जो हमारा हित कर सकती हैं, आप जरूर जानिए।

कहने को तो कुछ आदतें अच्छी नहीं कही जाएंगी, बुरी ही कही जाएंगी, लेकिन ये 'बुरी आदतें' हमारे लिए अच्छी साबित होती हैं, हमें अलर्ट रखकर लाभ पहुंचाती हैं। तो क्यों ना, इन आदतों को अपनाएं और लाभ उठाएं।

इस मामले में हो जाइए आलसी: अगर आप शेयर्स में इंवेस्ट करती हैं, अपने अच्छे-खासे पोर्टफोलियो में बार-बार बदलाव की कोशिश में रहती हैं यानी, दिनभर बार-बार शेयर्स लेती-बेचती हैं तो इस काम में आलसी हो जाइए। बहुत ज्यादा एक्टिव रहने की आदत त्याग दीजिए। बार-बार शेयर्स लेने-बेचने में सिर्फ ब्रोकर को फायदा होता है, आप इनके लॉन्ग टर्म प्रॉफिट से वंचित रह सकती हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, स्ट्रांग कंपनियों के शेयर खरीदकर उनको लंबे समय तक रखने में फायदा है, आप इसकी आदत डालिए।

थोड़ी सी प्राउडी बनें

लोग प्राउडी बनने से मना करते हैं, लेकिन आप जो कुछ भी काम करती हैं या प्रोफेशनल रूप से आप जो भी हैं, कामयाब हैं, उस पर आपको प्राउड भी करना चाहिए। अपने बिजनेस,

प्रोफेशन या अपनी एक्सपर्टाइज के बारे में आपको हर किसी को गर्व के साथ बताना चाहिए। इससे लोग आपके बारे में जानेंगे और आपका काम बढ़ेगा। आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

कभी-कभी गुस्सा भी करिए: हमेशा कूल माइंड रहने से काम नहीं बनता। लोग आपको सॉफ्ट टार्गेट समझने लगेंगे। अगर कोई वित्तीय संस्थान, ग्राहक, सप्लायर या कर्जदार आपसे वादा खिलाफी करता है तो आपको अपने तेवर दिखाने चाहिए। आपका इंश्योरेंस एजेंट, शेयर ब्रोकर और बैंक रिप्रेजेंटेटिव आपको बेवकूफ बनाने की कोशिश करे, तो उसके साथ जरा कड़क तरीके से पेश आएं, ताकि आपसे चीटिंग करने की उसकी हिम्मत न हो।

जरा-सी लालची बनें: पैसे कमाने, बचाने और इकट्ठा करने के मामले में आपको थोड़ा लालची बनना चाहिए। अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए या पैसे कमाने के लिए लालची होना जरूरी है। जब पैसों के प्रति आपका लालच खत्म हो जाएगा तो आपकी कमाने और बचाने की आदत कमजोर पड़ती चली जाएगी। इससे आप आर्थिक रूप से कमजोर हो सकती हैं।

पॉजिटिव जेलसी करें: कोई कुछ भी कमाए अपने को क्या! ये वैराग्य भाव आपको लक्ष्मी कृपा से वंचित कर सकता है। आपको अपने इर्द-गिर्द मौजूद सफल और समृद्ध लोगों से जेलसी करनी चाहिए, लेकिन यह पॉजिटिव रूप में हो। आपको उनकी वित्तीय आदतों को बारीकी से देखना-समझना चाहिए, उनसे बातचीत करके, उनसे मिलकर उनकी सफलता का सूत्र जानना चाहिए फिर उन आदतों को अपनाना चाहिए।

जरा शक्की भी बनें: अपने धन की सुरक्षा और निवेश के प्रति आपको थोड़ा सनकी और शक्की भी होना चाहिए। कहीं भी निवेश करने से पहले चार बार सोचें, चार लोगों से पूछताछ करें। इससे आप आर्थिक नुकसान की आशंका से बची रहेंगी। a

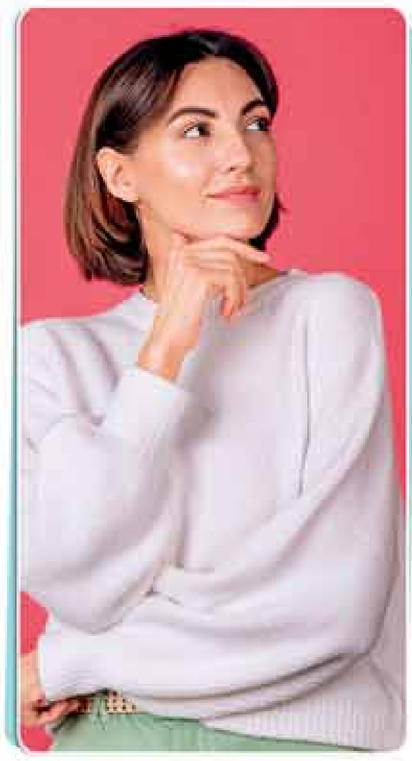

कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा

दूसरों की मदद करना, चिंता करना आपकी संवेदनशीलता का परिचायक है। लेकिन इसके चलते आप अपनी उपेक्षा करें, अपनी खुशियां मारें, आपके अपने जरूरी काम प्रभावित हों और आप हमेशा तनाव से घिरी रहें, ये आपके लिए सही नहीं है। इसलिए अनावश्यक चिंताओं से बचने के लिए कभी-कभी 'आई डोंट केयर' का भाव भी जरूरी है।

करामाती है आई डोंट केयर

मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता', 'मैं परवाह नहीं करती', 'आई डोंट केयर', ये सिर्फ शब्द भर नहीं हैं। ये हमारे जीवन को गति देने वाले वाक्य हैं। हर मीनमेख को अनदेखी कर आगे बढ़ते जाने का हौंसला देने वाली सोच है। इसे आजकल 'आइडीसी एटिट्यूड' भी कहा जाता है। आमतौर पर नकारात्मक समझे जाने वाले इंसानी व्यवहार के इस पक्ष के कई सकारात्मक पहलू भी हैं। हमें इसे जरूर जानना-समझना चाहिए ताकि हम एक शांत, तनावरहित जीवन जी सकें।

ऊर्जा बचाती सोच

बहुत सी बातों और बर्ताव की अनदेखी सीधे-सीधे हमारी ऊर्जा बचाती है। कहते हैं कि जिस पल हम लोगों की परवाह करना बंद कर देते हैं, उसी पल से चीजें बेहतर होना शुरू हो जाती हैं। इसीलिए दूसरों को खुश करने की कोशिश में अपना समय बर्बाद करने के बजाय, उनकी आलोचना या मीनमेख निकालने की प्रवृत्ति को अनदेखा करना सबसे सही राह है। यूं भी यह जीवन सिर्फ दूसरों के मन-मुताबिक जीने के लिए नहीं है। जिंदगी, हर बार औरों को खुश करने की कोशिशों में जुटे रहने के लिए नहीं मिली है। समझना मुश्किल नहीं कि अपने हों या पराए, सहकर्मी हों या मित्र। अधिकतर लोगों को, उनकी बातें मानने, उनके अनुसार बर्ताव करने पर ही खुशी मिलती है। दूसरों को खुश रखने का यह फेर सबसे पहले खुद की खुशी छीनता है। इतना ही नहीं, खुद की अनदेखी का यह व्यवहार मन-मस्तिष्क की ऊर्जा भी सोखता है। इसलिए दूसरों की खुशी के लिए अपनी ऊर्जा न नष्ट करें, अपनी खुशी न मारें।

अपनी खुशी को अहमियत

कोई भी इंसान हर बार, हर हाल में सबको खुश नहीं रख सकता है। 'आई डोंट केयर' वाले अंदाज के साथ इंसान अपने आपको खुश रख सकता है। इसकी बड़ी वजह यह है कि ऐसे लोग स्पष्टवादी बन जाते हैं। प्रतिक्रिया लेने या देने में कोई लाग-लपेट नहीं करते। अपनी नकली छवि बनाए रखने की कोशिश में समय नहीं गंवाते। लोगों की कही हर बात की परवाह करने वाला इंसान खुद की खुशी के लिए कुछ नहीं कर पाता। ऑस्ट्रेलियाई न्यायविद कैथरीन होम्स के मुताबिक, 'किसी चीज की परवाह करना, आपसे वह काम करवा सकता है, जो आपको नहीं करना चाहिए।' समझना मुश्किल नहीं कि हमेशा दूसरों के अनुसार चलने की सोच, अपने मन को खुशी नहीं दे सकती।

आत्मविश्वास की सौगात

'आई डोंट केयर' की सोच को आमतौर पर नेगेटिव एंगल से देखा जाता है। जबकि यही सोच असल में जिम्मेदारी का भाव भी लाती है। अपने काम, अपनी सोच और अपने फैसलों के प्रति जिम्मेदारी लेने का मनोबल मिलता है। लोगों की टीका-टिप्पणियों पर गौर न करते हुए, जो रास्ता चुना है, उस पर भरोसे के साथ बढ़ते जाने का जज्बा आता है। 'मुझे कोई परवाह नहीं है' या 'मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता', असल में बहुत सी नेगेटिव बातों के लिए मनोवैज्ञानिक मोर्चे पर इंसान का सुरक्षा कवच भी बनता है। बात-बात में मन को ठेस पहुंचाने के हालातों में आगे बढ़ना मुश्किल होता है। ऐसे में दूसरों की ऊल-जुलूल बातों की परवाह ना करना, आत्मविश्वास तो बढ़ाता ही है, अपने सपनों को भी गति देता है। इतना ही नहीं, यह सोच खुद को, दूसरों की जिंदगी में बेवजह दखल देने से भी बचाती है। a

जरूरी है एक संतुलित व्यवहार

आई डोंट केयर का यह मतलब नहीं कि हम दूसरों की परवाह बिल्कुल ना करें। दूसरों की परवाह करना गलत नहीं है, लेकिन इसके चलते अपने आपको भूल जाना गलत है। यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, क्योंकि कई बार हम दूसरों की चिंता में तनाव से घिर जाते हैं। इसलिए यह समझना जरूरी है कि दूसरों की मूल्यवान सलाह या परिवार-घनिष्ठ मित्रों की राय हमेशा नजरअंदाज करना भी सही नहीं है। इसमें कोई दो राय नहीं कि दूसरे का ध्यान रखने के पीछे संवेदनशीलता और इंसानियत की सोच रहती है। जब भी, जिस परिस्थिति में भी किसी को सहायता की जरूरत होती है, संवेदनशील मन दूसरों की मदद करने में नहीं चूकता। बात-बात में खुद का मन ना दुखाने की सोच रखने वाले इंसान में अपनों की चिंता और परायों की परेशानी समझने का केयरिंग भाव भी कम नहीं होता। ऐसे लोग कभी किसी को पीड़ा नहीं पहुंचाते। साथ ही तकलीफ के दौर में साथ देने का भाव भी रखते हैं। इसलिए एक संतुलित व्यवहार रखना जरूरी है। इस व्यावहारिक सोच में स्वयं को बेवजह की परेशानियों से बचाने के साथ ही, औरों के मन को समझना भी जरूरी है।

बिहेवियर / मेघा राठी

शिकायत सुनकर नाराज ना हों

यह गलत नहीं कहा जाता कि जब तक कोई शिकायत कर रहा है, तब तक यह मान कर चलिए कि उसका संबंध आपसे जुड़ा हुआ है और यदि वह शिकायत करना बंद कर दे तो समझ जाइए कि अब उसका जुड़ाव आपसे खत्म हो चुका है।

समझें शिकायतकर्ता के मन की बात: हमें यह समझना चाहिए कि शिकायत करने वाला व्यक्ति हमसे संबंध बनाए रखना चाहता है, इसलिए वह अपनी बातें हमारे सामने रखना चाहता है। हो सकता है कि उसके कहने का ढंग गलत हो, लेकिन क्रोध, आवेग या अभिमान में शिकायत को अनदेखा-अनसुना करना या बहस करके व्यक्ति को चुप करा देना सही नहीं है। अपने रिश्ते इतनी आसानी से नहीं खत्म किए जाने चाहिए। हमें इनका मान रखना चाहिए।

बातचीत का रास्ता ना करें बंद

क्रोध में आकर संबंधों को खत्म करने से बेहतर है कि हम शांतिपूर्ण बात का रास्ता अपनाएं। हो सकता है, शिकायत किसी भ्रम के कारण उपजी हो या शिकायतकर्ता स्थिति को समझने, स्वीकार करने में

असमर्थ हो। इन परिस्थितियों में बातचीत के माध्यम से शिकायत को दूर किया जा सकता है। अपने रिश्तों को बनाए रखा जा सकता है।

शिकायत का कारण समझें: जब भी कोई शिकायत करे तो एक बार ठंडे दिमाग से शिकायत के कारण को समझने का प्रयास जरूर करें। जरूरी नहीं कि हम हमेशा सही ही हों। शिकायत आने पर जल्दबाजी में कोई फैसला न लें। दूसरे व्यक्ति का पक्ष भी जानें, इसके बाद ही किसी निर्णय पर पहुंचें।

शिकायत के उद्देश्य को समझें: हमें यह समझना चाहिए कि शिकायत का उद्देश्य हमेशा गलत नहीं होता है, ना ही दूसरे व्यक्ति को नीचा दिखाना होता है। यहां यह समझना भी जरूरी है कि शिकायत के कारण उपजी झुंझलाहट, नाराजगी अधिक महत्वपूर्ण है या व्यक्ति से संबंध, इसके बाद ही निर्णय लीजिए कि किसका साथ देना है और किसका छोड़ना है? यह भी विचार कर लें कि कहीं हम ही अनजाने में बार-बार अपने संबंधी को शिकायत करने का अवसर तो नहीं दे रहे हैं।

पॉजिटिव रुख अपनाएं: शिकायतों के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण अपनाया जाए तो यह हमेशा बुरी नहीं होती बल्कि यह हमें स्वयं के व्यक्तित्व विश्लेषण का अवसर देती हैं। साथ ही दूसरे व्यक्ति के व्यक्तित्व को भी समझने का मौका भी देती है। a

मेडिकल सजेशन

डॉ. अंशु जिंदल, स्त्री रोग विशेषज्ञ

प्रेग्नेंसी पीरियड में कुछ महिलाएं कूल्हों के दर्द से बहुत परेशान रहती हैं। इससे बचाव और राहत पाने के लिए यहां दिए जा रहे सजेशन बहुत यूजफुल हो सकते हैं।

प्रेग्नेंसी में कूल्हों का दर्द ऐसे करें बचाव-उपचार

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उनमें से ही एक है कमर या कूल्हे की हड्डी या दोनों पैरों के बीच में दर्द होना। कई बार तो इतना असहनीय दर्द रहता है कि चलने, उठने-बैठने में भी मुश्किल होने लगती है। यहां तक कि महिलाएं घर के काम भी आसानी से नहीं कर पाती हैं।

दर्द का कारण: ऐसे दर्द के कई कारण हो सकते हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं में बहुत तेजी से शारीरिक बदलाव होते हैं। मांसपेशियां स्ट्रेच करने लगती हैं, लिगामेंट्स फ्लेक्सिबल होने लगती हैं। उनके गर्भ का आकार और भार धीरे-धीरे बढ़ रहा होता है, जिसकी वजह से उन्हें दर्द महसूस होता है। डिलीवरी का समय आने पर यह दर्द ज्यादा बढ़ जाता है। शरीर में हार्मोनल बदलाव, कैल्शियम, प्रोटीन जैसे पोषक तत्त्वों की कमी भी इस दर्द का कारण हो सकता है।

बचाव के उपाय: अगर महिलाएं कुछ बातों का ध्यान रखें तो वे प्रेग्नेंसी के दौरान कूल्हों में होने वाले असहनीय दर्द से बच सकती हैं।

- बहुत देर तक खड़े होकर कोई काम न करें। इससे गर्भ का भार नीचे की ओर पड़ेगा और शरीर के निचले हिस्से यानी पेल्विक और कूल्हे के आस-पास दर्द ज्यादा बढ़ सकता है।
- कोई भारी-भरकम सामान न उठाएं या ऐसा काम न करें, जिसमें आपको 5 किलो से ज्यादा वजन उठाना पड़े।
- जहां तक संभव हो प्रेग्नेंसी के दौरान सीढ़ियों पर चढ़ने-उतरने से बचें।
- पोषक और संतुलित आहार का सेवन करें क्योंकि प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में काफी कमजोरी आ जाती है। प्रोटीन ज्यादा मात्रा में लें। खाना सही समय पर, ताजा और घर का बना ही खाएं।
- कई मेडिकल एक्सपर्ट्स मानते हैं कि शरीर में दर्द का संबंध डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी से भी होता है। इससे बचने के लिए दिन में 8-10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। ज्यादा से ज्यादा लिक्विड डाइट लेनी चाहिए, जैसे- विटामिन सी वाले फल, जूस, छाछ, नारियल पानी पीना फायदेमंद है।
- प्रेग्नेंट महिलाओं को कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए रोजाना सुबह-शाम दूध जरूर पीना चाहिए। डॉक्टर से परामर्श कर कैल्शियम सप्लीमेंट्स भी ले सकती हैं।

ऐसे मिलेगा आराम: कूल्हे के दर्द से राहत पाने के लिए प्रेग्नेंट महिलाएं कुछ बातों पर गौर कर सकती हैं।

- रोजाना नारियल तेल या फिर सरसों का तेल लगाकर हल्के हाथों से मसाज करना फायदेमंद है। अपनी क्षमता के अनुसार हल्की-फुल्की एक्सरसाइज या वॉक करें।
- सोते समय करवट लेकर सोना चाहिए और दोनों पैरों के बीच तकिया लगाकर सोएं। इससे यूटेरस और कूल्हों पर कम प्रेशर पड़ेगा। इसी तरह कुर्सी या सोफे पर बैठते समय पीछे तकिया लगाकर बैठें।
- यथासंभव वेस्टर्न टॉयलेट का इस्तेमाल करें, क्योंकि इंडियन टॉयलेट में नीचे बैठने पर दर्द बढ़ सकता है।
- झटके से उठना-बैठना अवॉयड करें। इससे दर्द बढ़ सकता है। a

प्रस्तुति:रजनी अरोड़ा

रेसिपी

ओम प्रकाश गुप्ता

तपिश भरी गर्मी से राहत पाने के लिए बार-बार कुछ ठंडा खाने का मन करता है। इसीलिए हम आपको बता रहे हैं, आसानी से बनने वाली कुछ टेस्टी कुल्फी की रेसिपी।

हॉट सीजन-चिल्ड कुल्फी

आड़ू कुल्फी

सामग्री: पके आड़ू-2, फुल क्रीम दूध-1 लीटर, मिल्क पावडर-2 बड़े चम्मच, पिसी चीनी-6 बड़े चम्मच, ताजा क्रीम-2 बड़े चम्मच

विधि: पहले आड़ुओं का गूदा निकालकर मिक्सी में पीसकर पेस्ट बनाएं। एक बर्तन में दूध को आधा रहने तक पकाएं। इसमें चीनी, आड़ू पेस्ट और मिल्क पावडर मिलाकर फेंटें। मिश्रण को कुल्फी के सांचों में भरकर 6-7 घंटे के लिए फ्रिजर में रखें। सांचों से निकालकर तुरंत सर्व करें। a

अंजीर-दही कुल्फी

सामग्री: सूखे अंजीर-4 (3-4 घंटे पानी में भीगे), चक्का दही-300 ग्राम, ठंडा दूध-आधा कप, बादाम चूरा-1 बड़ा चम्मच, पिसी चीनी-2 बड़े चम्मच, वनिला एसेंस-आधा छोटा चम्मच, कटे बादाम-2 छोटे चम्मच

विधि: भीगे अंजीरों को मिक्सी में पीसकर पेस्ट बना लें। बादाम चूरा छोड़कर शेष सारी सामग्री इसके साथ अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण को कुल्फी मोल्ड्स में डालकर 6 से 8 घंटों के लिए फ्रिजर में रखें। जमने पर कुल्फियों को मोल्ड्स से निकालें और बादाम चूरा बुरक कर सर्व करें। a

ब्लैक करेंट कीवी कुल्फी

सामग्री: ब्लैक करेंट (काले अंगूर) क्रश-2 बड़े चम्मच, कीवी क्रश-2 बड़े चम्मच, फुल क्रीम दूध-1 लीटर, मिल्क पावडर-2 बड़े चम्मच, पिसी चीनी-4 बड़े चम्मच

विधि: पहले दूध को मोटे तले के बर्तन में उबालें और चलाते हुए आधा रहने तक पकाएं। इसमें पिसी चीनी और मिल्क पावडर मिलाएं और ठंडा करके दो भागों में बांट लें। एक भाग में एक बड़ा चम्मच पानी और कीवी क्रश मिलाएं, दूसरे में केवल ब्लैक करेंट क्रश मिलाएं। अब कुल्फी मोल्ड्स में कीवी मिश्रण आधा-आधा भरें फिर ब्लैक करेंट मिश्रण इनके ठीक बीच में डालें। इन मोल्ड्स को 7-8 घंटे के लिए फ्रिजर में रखें। जमने पर निकालें और काटकर सर्व करें। a

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें
Mobile: 92851 63700, Email: gdc.indore@gmail.com

पेगुला बनीं बर्लिन लेडीज ओपन क्वीन

बर्लिन। जेसिका पेगुला ने आखिर तक हार न मानने के अपने जज्बे का शानदार नमूना पेश करते हुए पांच मैच प्वाइंट बचाकर बर्लिन लेडीज ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। अमेरिका की इस खिलाड़ी ने फाइनल में अन्ना कलिन्स्काया को 6-7 (0), 6-4, 7-6 (3) से हराया। पेगुला का इस वर्ष का यह पहला और कॅरियर का पांचवा डब्ल्यूटीए खिताब है।

ग्रास कोर्ट पर अपने कॅरियर का पहला खिताब जीतने वाली पेगुला ने कहा, 'मैंने इस सप्ताह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया तथा ग्रास कोर्ट पर अच्छा खेल दिखाने वाली खिलाड़ियों को हराया। फाइनल में बेहद करीबी मैच में जीत दर्ज करना शानदार रहा।' पेगुला ने इससे पहले सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराया था।

सिनर ने जीता हाले ओपन टेनिस टूर्नामेंट

हाले। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनर ने हाले ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में ह्यूबर्ट हुरकाज को सीधे सेटों में हराकर ग्रास कोर्ट पर अपना पहला खिताब जीता। इटली के 22 वर्षीय खिलाड़ी सिनर ने टाइब्रेकर तक खिंचे दोनों सेट में पोलैंड के अपने प्रतिद्वंद्वी को 7-6 (8), 7-6 (2) से हराकर विंबलडन की अपनी तैयारी को पुख्ता अंजाम दिया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सिनर ने कहा, 'मैं जानता था कि मैं अच्छी सर्विस कर रहा हूं। मैं यह टूर्नामेंट जीत कर बहुत खुश हूं क्योंकि मैंने पहली बार ग्रास कोर्ट पर खिताब जीता है।' सिनर पिछले साल विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे जहां उन्हें नोवाक जोकोविच से सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा था।

टॉमी पॉल बने क्वींस क्लब टेनिस चैंपियन

लंदन। अमेरिका के टॉमी पॉल ने क्वींस क्लब टेनिस में फाइनल में इटली के लोरेंजो मुसेटी को 6-1, 7-6 से हराकर अपना तीसरा एटीपी खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज पॉल विम्बलडन से पहले घसियाले कोर्ट पर खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट को 2010 में सैम क्वेरी के बाद जीतने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी है।

वह इसके साथ ही जॉन मैकेनरो, जिमी कॉनर्स और पीट सैम्प्रास जैसे अपने देश के दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए जो यहां चैंपियन रहे हैं। विश्व रैंकिंग में 30वें स्थान पर काबिज मुसेटी टूर स्तर की दो प्रतियोगिताओं को जीतकर यहां पहुंचे थे। घसियाले कोर्ट पर यह उनका पहला फाइनल मुकाबला था। इस जीत के बाद वह टेलर फ्रिट्ज को पछाड़कर अमेरिका के शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

खबर संक्षेप

हम काफी कुछ सीखकर जा रहे हैं

ब्रिजटाउन। अमेरिका का टी20 विश्व कप में स्वर्णिम अभियान भले ही सुपर 8 में थम गया लेकिन उसके बल्लेबाज कोरी एंडरसन ने कहा कि उनकी टीम को इस टूर्नामेंट से काफी कुछ सीखने को मिला। अमेरिका ने टूर्नामेंट के पहले दौर में पाकिस्तान को हराया था तथा भारत के सामने भी कड़ी चुनौती पेश की थी लेकिन सुपर 8 चरण में उसे दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा।

जमशेदपुर ने कोच का अनुबंध दो साल बढ़ाया

जमशेदपुर। इंडियन सुपर लीग । की टीम जमशेदपुर एफसी ने मुख्य कोच खालिद जमील की सेवाओं को अगले दो वर्षों के लिए बरकरार रखने की सोमवार को घोषणा की।

एएफसी प्रो लाइसेंस धारी कोच खालिद 2017 में सुर्खियों में आए थे जब उनकी देखरेख में आइजोल एफसी ने आई-लीग का खिताब जीता था। उन्होंने पिछले सत्र के मध्य में जमशेदपुर के मुख्य कोच का पदभार संभाला था। जब वह टीम से जुड़े थे उस समय जमशेदपुर एफसी अपने 11 में से केवल दो मैच जीत सका था। उनकी नियुक्ति के बाद टीम के प्रदर्शन में सुधार आया।

टी20 विश्व कप

वेस्टइंडीज ने डकवर्थ लुईस प्रणाली से 3 विकेट से गंवाया मैच

एजेंसी ▶▶| नॉर्थ साउंड

दक्षिण अफ्रीका ने बारिश से प्रभावित रोमांचक मैच में वेस्टइंडीज को डकवर्थ लुईस प्रणाली से तीन विकेट से हराकर टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस मैच में हार से सह मेजबान वेस्टइंडीज टूर्नामेंट से बाहर हो गया। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट पर 135 रन ही बनाने दिए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने जब दो विकेट पर 15 रन बनाए थे तब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा था। खेल दोबारा शुरू होने पर दक्षिण अफ्रीका के सामने डकवर्थ लुईस प्रणाली से 17 ओवर में 123 रन बनाने का नया लक्ष्य रखा गया। दक्षिण अफ्रीका ने 16.1 ओवर में सात विकेट पर 124 रन बनाकर जीत दर्ज की।

अफ्रीका ने सुपर 8 में अपने तीनों मैच जीते और इस तरह से ग्रुप 2 में शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस ग्रुप से इंग्लैंड चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा। वह अन्य मेजबान अमेरिका को 10 विकेट से हराकर पहले ही अंतिम चार में अपनी जगह सुरक्षित कर चुका था। स्पिनर तबरेज शम्सी ने 27 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्हें दो अन्य स्पिनरों केशव महाराज (एक विकेट) और कप्तान एडन मार्कराम (एक विकेट) का अच्छा साथ मिला। वेस्टइंडीज की तरफ से रोस्टन चेज ने सर्वाधिक 52 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, वेस्टइंडीज बाहर

मैकॉय ने लगाई विनिंग सिक्स

दक्षिण अफ्रीका ने बारिश के कारण खेल रुकने से पहले अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों रीजा हेंडरिक्स (00) और क्विंटन डिकॉक (12) के विकेट गंवा दिए थे। बारिश थमने के बाद जब खेल शुरू हुआ तो मार्कराम (18), ट्रिस्टन स्टब्स (29 रन) और हेनरिक क्लासेन (22 रन) ने जिम्मेदारी संभाली।लेकिन वह मार्को यानसन (नाबाद 21 रन) थे जिन्होंने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओबेद मैकॉय द्वारा फेंके गए 17वें ओवर की पहली गेंद पर खूबसूरत छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई।

बांग्लादेश-अफगानिस्तान में मुकाबला आज

किंग्सटाउन। पिछले मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर उत्साह से ओतप्रोत अफगानिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ यहां होने वाले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में आत्ममुग्धता से बचना होगा। अफगानिस्तान ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया की टीम को हराकर पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। बांग्लादेश के खिलाफ मैदान पर उतरने से पहले उसकी टीम हालांकि भारत की ऑस्ट्रेलिया पर जीत के लिए दुआ करेगी। भारत की टीम इस ग्रुप से सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में सबसे आगे है क्योंकि उसका नेट रन रेट अन्य टीमों से बेहतर है। भारत अभी ग्रुप में शीर्ष पर काबिज है। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और बांग्लादेश का नंबर आता है।

क्रिकेट

जिम्बाब्वे दौरे के लिए शुभमन गिल कप्तान

नई दिल्ली। युवा रियान पराग, अभिषेक शर्मा और नीतिश रेड्डी को आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन के कारण जिम्बाब्वे दौरे के लिए पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिली है जबकि शुभमन गिल टीम के कप्तान होंगे।

वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी20 विश्व कप खेल रहे सीनियर खिलाड़ियों कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव, रविंद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है। जिम्बाब्वे दौरा छह जुलाई से शुरू होगा जिसमें पांच टी20 मैच खेले जाएंगे। पराग, अभिषेक और रेड्डी के अलावा तुषार देशपांडे, हर्षित राणा, आवेश खान और रिंकू सिंह को भी आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल किया गया है। टी20 विश्व कप में शामिल संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल को भी 15 सदस्यीय टीम में जगह मिली है।

भारतीय टीम : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, रूतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल, नीतिश रेड्डी, रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे।

नई टीम दबाव से पार पाना जानती है : शम्सी

नॉर्थ साउंड। लंबे समय से 'चोकर्स' का ठप्पा झेल रही दक्षिण अफ्रीका टीम के स्पिनर तबरेज शम्सी ने कहा कि 'नई दक्षिण अफ्रीका' टीम ने इस टी20 विश्व कप में दबाव का सामना बखूबी किया है। एडेन मार्क्रम की टीम टूर्नामेंट में अपराजेय रही है जबकि लगभग सभी मैचों में उसने करीबी जीत दर्ज की है। दक्षिण अफ्रीका ने नेपाल को एक रन से, बांग्लादेश को चार रन से और इंग्लैंड को सात रन से हराया।रविवार को उसने मेजबान वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

डिनामो जगरेब की खिताबी जीत में भारतीय तिकड़ी का अहम योगदान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ज्योति चौहान, एमके काशमीना और किरण पिस्दा की भारतीय तिकड़ी ने जेडएनके डिनामो जगरेब को क्रोएशियाई महिला फुटबॉल कप दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। यह इस क्लब का क्रोएशिया के शीर्ष स्तर के महिला फुटबॉल का पहला बड़ा खिताब है।

मणिपुर की 25 साल की कशमीना ने 19 बार की चैंपियन टीम ओसिजेक के खिलाफ फाइनल मुकाबला 1-1 की बराबरी पर छूटने के बाद पेनल्टी शूट ऑफ के आखिरी मौके को गोल में बदल कर टीम को 5-4 से जीत दिलाई। डिनामो जगरेब ने पिछले दो सत्र में चार भारतीय खिलाड़ियों को मौका दिया है जिसमें ज्योति और सौम्या गुगुलोथ 2022 में इस टीम से जुड़ी थी जबकि किरण और कशमीना बाद भी यहां आयी। कशमीना ने 'एआईएफएफ डॉट कॉम' से कहा, 'जिस तरह से हमने यह कप जीता वह विशेष था। हमारे क्लब ने इसे पहले कभी नहीं जीता था, यह काफी यादगार था।'

पीसीबी में आमूलचूल बदलाव की तैयारी

कराची। अमेरिका में टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के लचर प्रदर्शन के बाद देश के क्रिकेट बोर्ड में बदलाव की तैयारी है। खिलाड़ियों के लिए आचार संहिता बनाने की तैयारी भी की जा रही है जो टूर्नामेंट के दौरान अपने परिवारों को साथ ले जाने और पैसे लेकर प्रचार कार्यक्रमों में जाने के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक विश्वसनीय सूत्र ने पुष्टि की है कि अध्यक्ष मोहसिन नकवी कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के प्रदर्शन से नाराज हैं और उन्होंने टीम में व्याप्त अनुशासनहीनता के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया है।

भारतीय स्क्वाश टीम का चयन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की 11 सदस्यीय टीम इस्लामाबाद में मंगलवार से शुरू हो रही 31वीं एशियाई जूनियर व्यक्तिगत स्क्वाश चैंपियनशिप में चुनौती पेश करेगी। पांच दिवसीय प्रतियोगिता में नौ खिलाड़ियों को अपने-अपने आयु-समूह वर्ग में शीर्ष-10 में वरीयता दी गई है। शिवेन अग्रवाल और आद्या बुधिया को क्रमशः लड़कों के अंडर-15 और लड़कियों के अंडर-13 वर्ग में दूसरी वरीयता मिली है।

भारतीय टीम : बालक वर्गः अंडर-17ः युशा नफीस; अंडर-15ः शिवम अग्रवाल, लोकेश सुब्रमणि; अंडर-13ः ध्रुव बोपन्ना।

फ्रेंचाइजी क्रिकेट की बजाय देश के लिए खेलने को तरजीह दें खिलाड़ीः वेस्टइंडीज कप्तान रोवमैन पॉवेल

नॉर्थ साउंड। टी20 विश्व कप से बाहर हो चुकी वेस्टइंडीज टीम के कप्तान रोवमैन पॉवेल ने कैरेबियाई क्रिकेट की रौनक लौटाने के लिए टीम की तारीफ की है लेकिन खिलाड़ियों से अनुरोध किया कि वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट की बजाय देश के लिए खेलने को तरजीह दें। पिछले दो विश्व कप से जल्दी बाहर हो रही दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज टीम दक्षिण अफ्रीका से वर्षाबाधित सुपर आठ चरण के मैच में हारकर सेमीफाइनल में प्रवेश से चूक गई।

अदिति और दीक्षा डागर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई

नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक और दीक्षा डागर ने सोमवार को विश्व रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के टिकट हासिल कर लिए। दोनों महिला खिलाड़ियों से पहले शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर (पुरुष वर्ग) ने भी ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया था। इससे चार सदस्यीय भारतीय टीम 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित होने वाले खेलों में चुनौती पेश करेंगी। अदिति पहली भारतीय गोल्फर है जो तीसरी बार ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। दीक्षा के लिए यह दूसरा मौका होगा तो वहीं शुभंकर और भुल्लर पहली बार इन खेलों में चुनौती पेश करेंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विभिन्न अभियांत्रिकी कार्यों हेतु ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल अभियंता (सीओ)/एस.ई.सी.आर. नागपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है

1. निविदा क्रमांक : E/07/NGP/2024-2025
कार्य का नाम : एडीईएन/गोंदिया के अधिकार क्षेत्र में 30.234 किमी. रेलवे लाइनों का नवीनीकरण
अनुमानित निविदा मूल्य : ₹1,52,46,599/-
बयाना राशि: ₹2,26,200/-

2. निविदा क्रमांक : E/08/NGP/2024-2025
कार्य का नाम : एडीईएन/डोंगरगढ़ के अधिकार क्षेत्र में 40.327 किमी. रेलवे लाइनों का नवीनीकरण.
अनुमानित निविदा मूल्य : ₹2,03,37,216/-
बयाना राशि: ₹2,51,700/-

3. निविदा क्रमांक : E/09/NGP/2024-2025
कार्य का नाम : (1) एडीईएन/गोंदिया अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कचेवानी से गंगाज़री सेक्शन किमी 1025/16 से 1014/22 तक। 3री लाइन अनुभाग में पी वे कार्य का समापन। (2) एमएस एंगल फ्रेम और पोस्ट सहित विभिन्न प्रकार के इंजीनियरिंग बोर्ड की आपूर्ति और स्थापना और एडीईएन/गोंदिया क्षेत्र में ग्रेडिएंट पोस्ट केएम पोस्ट और फाउलिंग मार्क्स का निर्माण और स्थापना।
अनुमानित निविदा मूल्य : ₹64,65,800/-
बयाना राशि: ₹1,29,300/-

4. निविदा क्रमांक : E/10/NGP/2024-2025
कार्य का नाम : एडीईएन/गोंदिया अधिकार क्षेत्र में जीडीएम-डीएनएल किमी 970.10 से 990.36 3री लाइन दौरान नाले की सुरक्षा दीवार, फाउंडेशन दीवार आदि का निर्माण, रेसिड्यूअल ग्राउटिंग और लगाए गए डूब घास का टर्फिंग और रखरखाव
अनुमानित निविदा मूल्य : ₹96,83,107/-
बयाना राशि: ₹1,93,700/-

5. निविदा क्रमांक : S/07/NGP/2024-2025
कार्य का नामः एडीईएन/एनएबी क्षेत्राधिकार के तहत नागपुर डिवीजन के वडसा (डब्ल्यूएसए) गुड्स का सुधारिकरण/आधुनिकीकरण
अनुमानित निविदा मूल्य : ₹63,67,016/-
बयाना राशि: ₹1,27,400/-

6. निविदा क्रमांक : S/08/NGP/2024-2025
कार्य का नाम : एडीईएन/वर्क्स/नागपुर क्षेत्र में मोतीबाग में ट्रैक मशीन सैटेलाइट डिपो के विस्तार के संबंध में पुराने और नए शेडों का कनेक्शन साइड कवर और छत आदि का काम
अनुमानित निविदा मूल्य : ₹79,99,951/-
बयाना राशि: ₹1,60,000/-

बोलीदाता उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए अपनी मूल/संशोधित बोलियां 19.07.2024 को 15.00 बजे तक ही जमा कर सकते हैं। मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा. विस्तृत विवरण हमारी वेबसाइट:www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध हैं।

AAA/01/44

वरिष्ठ मंडल अभियंता
दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे, नागपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

क्रमांक /1902/राजस्व/न.पा.नि./2024 — **आवश्यक सूचना** — रीवा, दिनांक 21/06/24

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अचल सम्पति के नामांतरण के आवेदन प्रस्तुत किये गये है। उक्त संबंध में किसी को कोई आपति हो तो, इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस के अवधि में इस कार्यालय के नामांतरण शाखा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें । निर्धारित समय अवधि पश्चात कोई आपत्ति ग्रहण नही की जावेगी । तत्पश्चात नामांतरण की विधिवत् कार्यवाही की जावेगी ।

क्र.	प्रकरण क्रमांक	वार्ड/भवन क्रमांक (भवन की स्थिति)	इन्द्राजी का नाम	नामांतरण ग्रहिता	नामांतरण का आधार
1	150	20/556 (लोहिया मार्ग गुडहाई बाजार जिला-रीवा म.प्र.)	श्री सनमुखदास टहलानी पिता श्री साजनदास	श्री हरीराम वाधवानी पिता स्व. श्री ढालू मल वाधवानी एवं श्री ओम वाधवानी पिता श्री हरीराम वाधवानी	क्रय-विक्रय
2	151	20/556 (लोहिया मार्ग गुडहाई बाजार जिला-रीवा म.प्र.)	श्री सनमुखदास टहलानी पिता श्री साजनदास	श्रीमती आरजू लेडवानी पति श्री धर्मेश कुमार लेडवानी एवं श्रीमती वर्षा तोतलानी पति श्री जय किशन तोतलानी	क्रय-विक्रय
3	236	38 / 278 (पाण्डेन टोला जिला-रीवा म.प्र.)	श्रीमती सुख्खी बाई कुशवाहा पति स्व. श्री श्यामलाल कुशवाहा	श्रीमती राजकुमारी वर्मा पति श्री रामकृष्ण वर्मा	क्रय-विक्रय
4	238	29 / 273 (पाण्डेन टोला जिला-रीवा म.प्र.)	श्री रामगोपाल तिवारी पिता श्री तीरथ प्रसाद तिवारी	श्री विजय कुमार तिवारी पिता श्री रामगोपाल तिवारी	वारिसाना

उपायुक्त (राजस्व)
हेतु आयुक्त
नगर पालिक निगम रीवा, (म.प्र.)

कार्यालय कलेक्टर अनूपपुर (म.प्र.) एवं पदेन उपसचिव मध्य प्रदेश शासन राजस्व विभाग

क्रमांक- 2480/10/फा./ भू-अर्जन / 2024 — अनूपपुर, दिनांक-13/06/2024

// अधिसूचना //

धारा-11

चूँकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न सूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। अत: भू-अर्जन पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-11 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसार सभी संबंधित व्यक्ति को इस आशय की सूचना दी जाती है। राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है :-

।। अनुसूची ।।

भूमि का अर्जन				अधिनियम की धारा-12 के तहत् प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	ग्राम एवं प.ह.नं.	भूमि का लगभग क्षेत्रफल हे.में अर्जित रकवा		
1	2	3	4	5	6
अनूपपुर	पुष्पराजगढ़	देवरी प.ह.नं. 069	220.703	कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्रं.-1 डिण्डोरी (म.प्र.)	नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत अपर नर्मदा परियोजना के बांध निर्माण कार्य हेतु
कुल योग			220.703		

(1) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकत है-नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अन्तर्गत अपर नर्मदा परियोजना के बांध निर्माण कार्य हेतु ।(2). अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि के बारे में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधिसूचना प्रकाशन वेबसाईट www.anuppur.nic.in व मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग भोपाल की वेबसाइट www.mprevenue.nic.in पर देखी जा सकती है।(3) भूमि के नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पुष्पराजगढ़ या कार्यपालन यंत्री नर्मदा विकास संभाग क्र.-1, डिंडोरी (म.प्र.) के कार्यालय में देखा जा सकता है ।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(आशीष वशिष्ठ)
कलेक्टर अनूपपुर एवं पदेन उप सचिव
म.प्र. शासन राजस्व विभाग

G-12298/24

कार्यालय नगर पालिका परिषद विदिशा (म.प्र.)

क्रमांक /2506/2024/ — जेम बिड आमंत्रण सूचना — विदिशा, दिनॉक 21/06/2024

नगर पालिका परिषद विदिशा द्वारा निम्न कार्य हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से जेम बिड का आमंत्रण किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

क्रं.	जेम बिड नं.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि	बिड की अंतिम दिनॉक
1	GEM/2024/B/ 5068671	Supply and Installation of Road Safety Equipment in vidisha city	4724484.00	35400.00	26/07/2024

1- बिड से सम्बन्धित, समस्त शर्ते एवं जानकारी https://www.gem.gov.in से एवं नगर पालिका परिषद विदिशा से कार्यालयीन दिवसों में कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती हैं। इसके बाद किसी प्रकार का संशोधन होने पर वेवसाईट पर या कार्यालय से जानकारी प्राप्त होगी संशोधन का प्रकाशन समाचार पत्र में नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद विदिशा (म.प्र.)

मुस्कान पार्क के सामने सार्वजनिक सड़क पर अवैध निर्माण का मामला

हाई कोर्ट ने नगर निगम आयुक्त को 4 माह में आदेश पारित करने दिए निर्देश

हरिभूमि जबलपुर।

हाई कोर्ट ने जबलपुर में मुस्कान पार्क के सामने 80 फुट चौड़ी सार्वजनिक सड़क पर अवैध निर्माण के मामले में नगर निगम, जबलपुर के आयुक्त को चार माह के भीतर तार्किक आदेश पारित करने के निर्देश दिए हैं। इस प्रक्रिया में सभी संबंधित पक्षों को सुनवाई का अवसर दिए जाने की व्यवस्था दी है। इसी के साथ याचिका का पटाक्षेप कर दिया है।

न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा व न्यायमूर्ति विवेक जैन की ग्रीष्म अवकाशकालीन युगलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी अधिवक्ता मुकेश जैन की ओर से अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता ने पक्ष रखा। जबकि राज्य की ओर से उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली खड़े हुए।

जन सामान्य के आवागमन में बाधा डाली जा रही

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता गुप्ता ने दलील दी कि हाई कोर्ट चौराहे से दूसरे पुल के बीच निर्माणाधीन मुस्कान पार्क के सामने 80 फुट रोड के हिस्से में अवैध रूप से दुकान, फ्रंट एमओएस, पार्किंग व गार्डन पेरापेट का निर्माण कर सार्वजनिक रोड को संकरा कर जन सामान्य के आवागमन में बाधा डाली जा रही है। लिहाजा, बिल्डर शंकर मंच्छानी के मनमाने निर्माण के विरुद्ध ठोस कार्रवाई अपेक्षित है। इसी मंशा से छह जून, 2024 को याचिकाकर्ता ने नगर निगम आयुक्त सहित

अन्य को शिकायत सौंपी थी। जिसमें स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड, नेपियर टाउन जबलपुर स्थित नजूल भूमि पर मुस्कान पार्क के निमाण को भी कठघरे में रखा गया था। साथ ही यह तथ्य रेखांकित किया गया था कि नगर तथा ग्राम निवेश विभाग और आयुक्त नगर पालिका निगम जबलपुर द्वारा उक्त भूमि पर दी गई विकास अनुज्ञा और भवन अनुज्ञा के नक्शे में भवन के सामने स्थित रोड को 80 फुट चौड़ा दर्शाया गया है। इस व्यस्ततम सड़क के मध्य से 40 फुट रोड के क्षेत्र में से मुस्कान पार्क की दिशा की ओर स्थित करीब 25 वे फुट से बिल्डर शंकर मंच्छानी के द्वारा अवैध रूप से फर्श का निर्माण शुरू किया गया, जो कि 50 वे फुट रोड क्षेत्र तक हुआ है। कायदे ये यह अनुचित निर्माण कंपाउंडिंग योग्य न होने के कारण ध्वस्त कर दिया जाना चाहिए।

हाई कोर्ट ने राज्य वक्फ अधिकरण का 21 साल पुराना आदेश किया निरस्त

अपनी टिप्पणी में साफ किया कि इस मामले में नहीं था सुनवाई का अधिकार

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने राज्य वक्फ अधिकरण द्वारा 21 साल पूर्व पारित आदेश को अनुचित पाते हुए निरस्त कर दिया। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में साफ किया कि इस मामले में सुनवाई का अधिकार न होने के बावजूद मनमानी की गई थी। याचिाककर्ता राजधानी भोपाल निवासी याचिकाकर्ता रबाब बाई की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि भोपाल स्थित कब्रिस्तान की जमीन, जिसे मदारवाडा के नाम से जाना जाता है, अपने नाम पर दर्ज कराने के लिए मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड ने अतिरिक्त जिला न्यायालय के समक्ष आवेदन दायर किया था। न्यायालय ने प्रकरण को राज्य वक्फ अधिकरण को सुनवाई के लिए स्थानांतरित कर दिया था। अधिकरण ने सुनवाई करते हुए जुलाई 2001 को आदेश पारित किया था। याचिका में कहा गया कि राज्य वक्फ अधिकरण को उक्त मामला सुनने का अधिकार नहीं था। वक्फ अधिनियम 1995 के अनुसार पूर्व के प्रकरणों की सुनवाई राज्य वक्फ अधिकरण नहीं करेगा। राज्य वक्फ अधिकरण एक जनवरी, 1996 के बाद की सुनवाई करेंगा। एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि जिला न्यायालय ने संशोधित नियम 1994 के तहत प्रकरण स्थानांतरित करने के आदेश जारी किए थे। न्यायालय ने वक्फ बोर्ड 1995 के प्रविधानों को नहीं देखा। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि राज्य वक्फ अधिकरण ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाते हुए आदेश पारित किया है। एकलपीठ ने जिला न्यायालय को प्रकरण की नए सिरे से सुनवाई के निर्देश जारी किए हैं।

सात शहरों में लागू होगा इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनजमेंट सिस्टम

गाड़ी का इंश्योरेंस नहीं है तो बन जाएगा चालान

जबलपुर। नियम-कानून को ठेंगा दिखाकर वाहन चलाने वालों के लिए पुलिस मुख्यालय और परिवहन विभाग मिलकर कड़ी व्यवस्था करने जा रहे हैं। अब अगर वाहन का बीमा नहीं है तो भी इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) से चालान कट जाएगा। जबलपुर सहित प्रदेश के सात शहरों में आईटीएमएस है जहां यह व्यवस्था लागू की जाएगी। इनमें जबलपुर, इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, सागर और सतना शामिल हैं। इसमें आइटीएमएस के माध्यम से वाहनों का नंबर लेकर इसे एम-परिवहन पोर्टल में जांचा जाएगा कि वाहन का बीमा है या नहीं। इसी आधार पर आइटीएमएस से चालान जारी हो जाएगा। अभी बिना हेलमेट, तीन सवारी और गलत दिशा में या रेड सिग्नल तोडऩे पर ही कार्रवाई की जाती है।

बता दें कि इंश्योरेंस नहीं होने पर दो पहिया वाहनों पर एक हजार, कार-जीप आदि पर तीन हजार और बड़े वाहनों पर पांच हजार रुपये अर्थदंड का प्रविधान है। पुलिस सडक़ पर वाहनों की जांच के दौरान अधिकतर उन्हीं वाहन मालिकों पर अर्थदंड लगाती है जो हेलमेट या सीट बेल्ट नहीं लगाते। इसके बाद कभी-कभी तीन सवारी के चलते कार्रवाई की जाती है। इंश्योरेंस की जांच सामान्य तौर पर वाहनों की तभी की जाती है जब वह दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। इस व्यवस्था से चोरी के वाहनों को पकडऩा भी आसान हो जाएगा, क्योंकि कागजात पूरा नहीं होने के कारण ऐसे वाहनों का बीमा नहीं होता। इसके अतिरिक्त पंजीयन खत्म होने के बाद भी चल रहे वाहनों को पकड़ा जा सकेगा। पुलिस प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के एडीजी अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि जल्द ही यह व्यवस्था शुरू कर दी जाएगी।

मप्र पाठ्य पुस्तक निगम ने ब्लॉक स्तर पर पहुंचाई किताबें

प्रदेश के 40 प्रतिशत सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को नहीं मिल पाई नि:शुल्क किताबें

जबलपुर। प्रदेश के सरकारी स्कूल ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद बीते 18 जून से शुरू हुआ है। स्कूल खुलने के साथ ही विद्यार्थियों को किताबों का वितरण होना था, लेकिन राजधानी समेत प्रदेश भर के करीब 40 प्रतिशत स्कूलों में अभी किताबों का वितरण नहीं हो पाया है, जबकि मप्र पाठ्य पुस्तक निगम 99 फीसदी किताबें जिलों में ब्लाक स्तर तक पहुंचा चुका है।

दरअसल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों को निश्शुल्क किताबें दी जाती है। इस बार नवीन शैक्षणिक सत्र की शुरुआत बीते एक अप्रैल से हुई है। सत्र की शुरुआत से ही बच्चों की पढ़ाई के लिए पाठ्यपुस्तक निगम ने जिला स्तर पर डिमांड के अनुसार किताबें भेज दी थी। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में पहली से 12वीं तक के लिए पाठ्यपुस्तक निगम

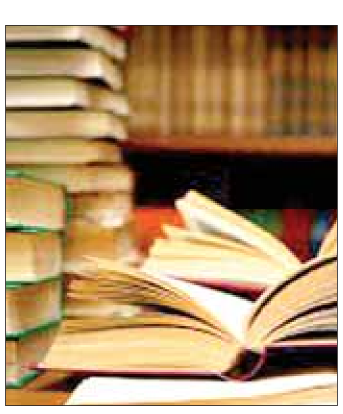

जिलों में ब्लाक स्तर पर 99 फीसद विद्यार्थियों के लिए सभी विषयों की किताबें भेज चुका है, लेकिन जिले के कुछ स्कूलों में ही किताबें पहुंची है। बता दें, कि पहली से 12वीं तक में मप्र पाठ्यपुस्तक निगम हर साल सात करोड़ किताबें छपाई कराता है।अब राज्य शिक्षा केंद्र किताबों के वितरण का कार्य आनलाइन निगरानी कर रहा है।

किताबें पहुंचाने की डीईओ-डीपीसी की जिम्मेदारी

स्कूलों में जिला स्तर पर किताबें पहुंचाने की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) व जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी)की होती है। इनके नीचे विकासखंड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसी) स्कूलों में किताबें पहुंचाने की निगरानी करते हैं, लेकिन भोपाल जिले में अधिकारियों की लापरवाही के कारण कई स्कूलों में किताबें नहीं पहुंच पाई है। मोबाइल ट्रैकिंग एप से होती है निगरानी। ट्रैकिंग होने के बाद भी किताबों के वितरण कराने में अधिकारी लापरवाही कर रहे हैं।

जबलपुर की 3 सहित दर्जनों यूनिवर्सिटी डिफाल्टर घोषित

जबलपुर। इस वक्त देश में शिक्षा व्यवस्था बुरी तरह चरमराई हुई है कही नियमो का उल्लंघन तो कही पेपर लीक हो रहें इसी क्रम में मध्य प्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों की कई सरकारी तथा गैर सरकारी युनिवर्सिटी युनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन के निर्देश का पालन न करने के फलस्वरूप डिफॉल्टर घोषित कर दी गई है। इनमें जबलपुर की मेडीकल यूनिवर्सिटी, विटरनरी और मेडीकल यूनिवर्सिटी भी शामिल हैं। उव्त आरोप लगाते हुए नगरिक उपभोकता मार्गदर्शक मंच ने प्रधानमंत्री को ईमेल कर मामले को गंभीरता से लेने तथा उचित कदम उठाने की मांग की है। मनीष शर्मा प्रदेश संयोजक नागरिक उपभोक्ता मंच ने बताया कि कुछ दिवस पूर्व यूजीसी द्वारा मध्य प्रदेश की 7 सरकारी तथा 9 निजी युनिवर्सिटी डिफॉल्टर घोषित किया है इनके द्वारा यूजीसी के अहम निर्देश की प्रत्येक युनिवर्सिटी में शिकायतों के उचित व्यवस्थापन हेतु लोकपाल नियुव्ति अवश्य है का पालन नहीं किया गया कई बार पत्र जारी किया गया था यह कही न कही बड़ी चूक है यूनिवर्सिटियों द्वारा। यह युनिवर्सिटी इस प्रकार है सरकारी -जबलपुर- मेडिकल यूनिवर्सिटी, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा युनिवर्सिटी, जवाहरलाल नेहरू कृषि युनिवर्सिटी, भोपाल - राजीव गांधी टेक्निकल यूनिवर्सिटी, शRण्ड़ नैशनल युनिवर्सिटी, ग्वालियर -माता विजयराजे युनिवर्सिटी, राजा मानसिंह तोमर आट्र्स, म्यूजिक युनिवर्सिटी।

मुसीबत बना ड्राइविंग लाइसेंस का पोर्टल 'सारथी'

-प्रदेश में एनआईसी द्वारा लागू सारथी और वाहन पोर्टल पर मदद के लिए मौजूद सिर्फ तीन अधिकारी

पिछले दो माह से ड्राइविंग लाइसेंस के सर्वर में लगातार आ रही परेशान, रोजाना अटक रहे सैकड़ों लाइसेंस

जबलपुर। प्रदेश में परिवहन विभाग से जुड़े कामों को आसान और सेंट्रलाइज करने के लिए दो साल पहले लागू किए गए वाहन और सारथी पोर्टल आम लोगों से लेकर विभाग तक के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। नेशनल इंफॉर्मेशन सेंटर (एनआईसी) द्वारा तैयार किए गए ये पोर्टल लगातार डाउन हो रहे हैं। पिछले दो माह से सबसे ज्यादा परेशानी सारथी पोर्टल पर आ रही है, जिसके कारण ड्राइविंग लाइसेंस बनाने में सबसे ज्यादा दिक्कत आ रही है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय परिवहन मंत्रालय द्वारा देश के सभी राज्यों में परिवहन विभाग का डाटा सेंट्रल सर्वर से कंट्रोल करने के लिए वाहनों से जुड़े कामों के लिए वाहन पोर्टल और लाइसेंस से जुड़े कामों के लिए सारथी पोर्टल बनावाया है। करीब दो साल पहले 1 अप्रैल 2022 से इसे प्रदेश में लागू किया गया था। इससे पहले तक प्रदेश के लिए स्मार्टचीप कंपनी अपने सिस्टम पर सारा काम कर रही थी। कहा गया था कि सेंट्रल सर्वर पर काम शुरू होने से आम लोगों को आसानी होगी और ज्यादातर काम घर बैठे ही हो जाएंगे। लेकिन इसके उलट अब घर बैठे तो दूर ऑफिस जाकर भी काम करवा पाना मुश्किल हो रहा है। विभाग के अधिकारी खुद लगातार सर्वर डाउन होने से परेशान हैं और उनका काम भी प्रभावित और पेंडिंग हो रहा है। 2 हजार से ज्यादा लाइसेंस और लाखों की फीस अटकी -एजेंट्स की माने तो पिछले दो माह में 2 हजार से ज्यादा ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदन अटक चुके हैं। आवेदन करने पर अकसर सर्वर डाउन हो जाता है। ऐसी स्थिति में आवेदक द्वारा जमा की गई फीस भी अटक जाती है। शिकायत करने पर कभी यह वापस आती है और कभी कोई जानकारी नहीं मिलती। इस तरह से आवेदकों के लाखों रुपए भी डूब गए हैं।

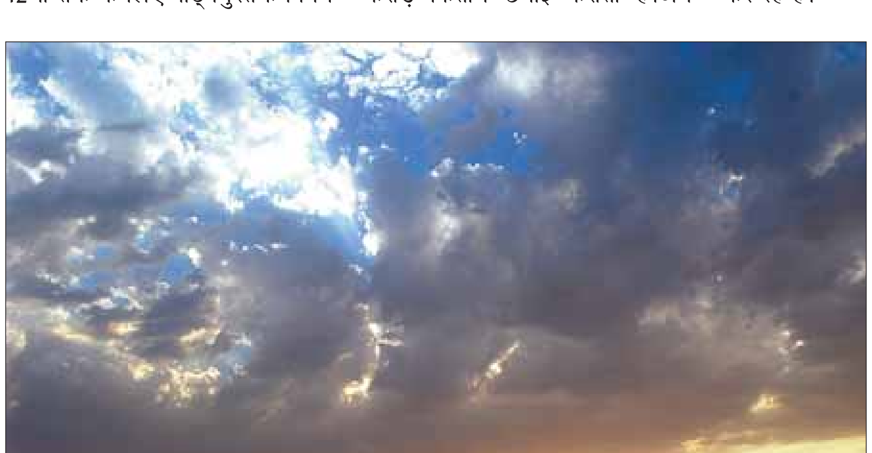

बादलों की आवाजाही से उमस बरकरार

तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना

जबलपुर। मानसून की दस्तक हो चुकी है लेकिन अभी जोरदार बारिश का इंतजार है। सोमवार को मौसम खुला रहा। रविवार की रात हुई बारिश के बाद तापमान में जरुर गिरावट आई है लेकिन उमस बरकरार होने की वजह से जीना मुहाल हो गया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 24 घंटों के दौरान तड़ित झंझावात (भंवर वाली हवायें) चलेंगी और संभाग के अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ तेज बारिश हो सकती है। बादलों की बसाहट से तापमान में ब्रेक लगा रहा। हवा में नमी भी बढ़ गई है।

सोमवार को सुबह से धूप और छांव के बीच रस्साकसी चलती रही। लेकिन मौसम शुष्क रहा। बादलों की आवाजाही से उमस ने डेरा डाला, तो लोगों का जीना मुहाल हो गया। मारे उमस के बेचैनी होने लगी। लेकिन ठंडी हवाओं की वजह से रात में मौसम सुहावना हो गया था। मौसम कार्यालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया था। हवा में नमी प्रातकाल 82 प्रतिशत और सायंकाल 52 प्रतिशत आंकी गई। दक्षिणी पश्चिमी हवा 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटें की रफ्तार से चली। रविवार की रात हुई बारिश 2.2 मिली मीटर दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल बारिश 35.2 मिली मीटर दर्ज की जा चुकी है। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर तड़ित झंझावात के बीच गरज-चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ने की चेतावनी दी है।

पाटन रोड पर सड़क दुर्घटना

ट्रक ने ऑटो को टक्कर मारी, 1 की मौत 2 गंभीर

जबलपुर। पाटन रोड पर हुये सड़क हादसे मे एक की मौत हो गई और दो गंभीर रप से घायल हो गये। यहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने आटो को टक्कर मार दी। जिससे आटो में सवार दो युवकों के शरीर पर गंभीर चोटें आई। जिसके बाद ट्रक अनियंत्रित होकर एक खेत में घुस गया, जिससे चालक को गंभीर चोटें आई और उसकी मौत हो गई।मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए शासकीय पाटन अस्पताल पहुंचाया।

पाटन थाना से प्राप्त जानकारी के अनुसार निवासी छतर सिंह ट्रक लेकर साइलों कैब आया था, यहां पर माल खाली करके सागर के लिए रवाना हुआ. जब वह पाटन से आगे बढ़ रहा था. इस दौरान सामने से आ रहे सवारी आटो को टक्कर मार दी. जिससे आटो क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं आटो में सवार दो युवक गंभीर रप से घायल हो गये। घटना के बाद लोग ट्रक की तरफ दौड़े तो भागने चालक छतरसिंह ने तेज गति से भागा तो अपना संतुलन खो बैठा, जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर एक खेत में घुस गया. चालक छतरसिंह ट्रक से कूदा तो पैर फंसने के कारण नीचे गिर गया, हादसे में चालक छतरसिंह के शरीर पर गंभीर चोटें आने के कारण मौत हो गई। हादसे के बाद लोगों की भीड़ एकत्र हो गई, जिनकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए पाटन के शासकीय अस्पताल पहुंचाकर जांच शुरु कर दी है. घटना के बाद कुछ देर के लिए पाटन रोड पर यातायात भी बाधित रहा. पुलिस ने क्षतिग्रस्त आटो को सड़क से हटवाया इसके बाद वाहनों की आवाजाही शुरु हो सकी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240